www.actionindialive.com

वर्ष: 14 अंक: 119 नई दिल्ली, गुरुवार, 30 अप्रैल 2020 मूल्य : 2 रूपया पृष्ठ : 12

समूह संपादक : राकेश भारद्वाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

सबकी ख़बर सब तक

RNI : DELHIN/2006/19302

Email: actionindianews@gmail.com राष्ट्रीय संस्करण दिल्ली - उत्तराखण्ड - हिमाचल प्रदेश - हरियाणा

जीवन दर्शन

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाये।

- स्वामी विवेकानंद

लॉकडाउनः मजदूरों, छात्रों को घर जाने की छूट

प्रवासी मजदूरों, पर्यटकों, विद्यार्थियों समेत सभी फंसे लोगों ला और ले जा सकेंगे राज्य, केंद्र सरकार ने दिया आदेश, पिछले 24 घंटे में 1813 नए मामले, 71 की मौत

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के अलग-अलग जगहों पर फंसे प्रवासी मजदूरों, पर्यटकों, विद्यार्थियों आदि की आवाजाही की अनुमति दे दी है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां फंसे लोगों को उनके गृह राज्यों में भेजने और दूसरी जगहों से अपने-अपने नागरिकों को लाने के लिए स्टैंडर्ड प्रॉटोकॉल तैयार करें। यानी, अब हर प्रदेश दूसरे प्रदेशों में फंसे अपने नागरिकों को वापस ला पाएगा और अपने यहां फंसे दूसरे प्रदेशों के नागरिकों को वहां भेज पाएगा।

हैदराबाद में घर जाने के लिए जुटे मजदूर, पथरावः तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में तकरीबन 2400 मजदूरों के सड़कों पर उतर प्रदर्शन करने की खबर सामने आई है। बताया गया कि हैदराबाद आईआईटी में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करने वाले तकरीबन 2400 प्रवासी मजदूर बुधवार सुबह सड़कों पर उतर आए। संगारेड्डी रुरल इलाके की पुलिस ने बताया कि मजदूर अपने घर जाना चाहते हैं और इसी मांग को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे हैं। फिलहाल, पुलिस उन्हें समझाने में लगी है। इस बीच कुछ प्रवासी मजदूरों ने पुलिस की टीम पर हमला भी किया। बताया गया कि नाराज मजदूरों ने इलाके में तैनात पुलिस की टीम पर पत्थर बरसाए।

पुलिस का जवान घायलः मजदूरों के हमले में एक जवान के घायल होने की खबर है। संगारेड्डी पुलिस ने बताया कि आक्रोशित मजदूरों ने पुलिस के वाहन को भी नुकसान पहुंचाया है। इससे पहले महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के बांद्रा इलाके में प्रवासी मजदूरों की ऐसी ही भीड़ इकट्ठा हो गई थी। बांद्रा में जुटे मजदूर भी घर भेजे जाने की मांग कर रहे थे। कोरोना को लेकर जारी लॉकडाउन के कारण सड़कों पर वाहन नहीं के बराबर चल रहे हैं। लोगो का अपने घर वापस लौटना मुश्किल हो गया है। इस वजह से बहुत से लोगों ने हजारों किमी की दूरी पैदल नापने की कोशिश की ताकि वह अपने घर पहुंच सकें। बेरोजगारी और भोजन प्रवासी मजदूरों की अहम समस्या है जिसकी वजह से वे अपने घर वापस जाने के लिए मजबूर हो रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आनंद विहार बस स्टेशन पर भी बीते दिनों हजारों प्रवासी घर जाने के लिए इकट्ठा हो गए थे। वाहन न मिलने पर उनमें से बहुतों ने पैदल ही घर के लिए कूच कर दिया था।

केंद्र की गाइडलाइंस...

- राज्य और केंद्रशासित प्रदेश इस काम के लिए नोडल अथॉरिटीज नामित करेंगे और फिर ये अथॉरिटीज अपने-अपने यहां फंसे लोगों का रजिस्ट्रेशन करेंगी। जिन राज्यों के बीच लोगों की आवाजाही होनी है, वहां की अथॉरिटीज एक दूसरे से संपर्क कर सड़क के जरिए लोगों की आवाजाही सुनिश्चित करेंगी।
- जो लोग जाना चाहेंगे, उनकी स्क्रीनिंग की जाएगी। अगर उनमें कोविड-19 के कोई लक्षण नहीं दिखेंगे तो उन्हें जाने की अनुमति होगी
- लोगों की आवाजाही के लिए बसों का उपयोग किया जा सकेगा। बसों को सैनिटाइज करने के बाद उसमें सोशल डिस्टैंसिंग के नियम के मुताबिक ही लोगों को बिठाया जाएगा
- कोई भी राज्य इन बसों को अपनी सीमा में प्रवेश करने से नहीं रोकेगा और उन्हें गुजरने की अनुमति देगा
- डेस्टिनेशन पर पहुंचने के बाद लोगों की लोकल हेल्थ अथॉरिटीज की ओर से जांच की जाएगी। बाहर से आए लोगों को घूमने-फिरने की अनुमति नहीं होगी और उन्हें होम क्वॉरेंटाइन में ही रहना होगा
- जरूरत पड़ी तो उन्हें अस्पतालों/स्वास्थ्य केंद्रों में भी भर्ती किया जा सकता है। उनकी समय-समय पर जांच होती रहेगी
- ऐसे लोगों को आरोग्य सेतु का इस्तेमाल करना होगा ताकि उनके स्वास्थ्य पर नजर रखी जा सके

सीबीएसई की परीक्षा रद्द की जाए: सिसोदिया

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज

दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा रद्द की जाए और जैसे हमने 9वीं और 11वीं के बच्चों को असेसमेंट के आधार पर अंक देकर पास किया है वैसे ही 10और 12वीं के बच्चों को पास किया जाए। मनीष सिसोदिया ने कहा कि सीबीएसई के पाठ्यक्रम में 30 प्रतिशत कटौती की जाए और इससे संबंधित हर परीक्षा (जैसे विश्वविद्यालय,जीईई की परीक्षा) में इसे लागू करें।

सिसोदिया ने कहा कि बहुत लोगों के पास ऑनलाइन सिस्टम उपलब्ध नहीं है इसलिए दिल्ली सरकार ने दूरदर्शन पर रोजाना तीन-तीन घंटे के समय की मांग की है ताकि सभी बच्चों को शिक्षा मिल सकें। इससे पहले मंगलवार को केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने राज्यों के शिक्षा मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठकी की थी। बैठक में मौजूद दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक से कहा कि कोविड-19 पर काबू के लिए लागू लॉकडाउन की वजह से 10वीं और 12वीं कक्षा की लंबित बोर्ड परीक्षाओं को आयोजित कराना अभी संभव नहीं है। उन्होंने केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री की अध्यक्षता में राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की हुई बैठक में यह अनुशंसा की।

सिसोदिया ने कहा, 10वीं और 12वीं की लंबित बोर्ड परीक्षाओं को आयोजित कराना अभी संभव नहीं है।

न्यूज फ्लैश

ऐक्टर इरफान खान का निधन

मुंबई/एक्शन इंडिया ब्यूरो

बॉलिवुड ऐक्टर इरफान खान अब हमारे बीच नहीं रहे। अब बुधवार शाम करीब 4 बजे उन्हें अंतिम विदाई दे दी गई। जनाने की नमाज के बाद इरफान खान के पार्थिव शरीर को यारी रोड, वसोर्वा के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए वहां उनके परिवार के कुछ लोग मौजूद थे। इस मौके पर ज्यादा भीड़ की इजाजत नहीं थी, इसलिए बॉलिवुड से कुछ ही लोग इस जनाजे में शामिल हो पाए। उनके करीबियों में से एक विशाल भारद्वाज, तिग्मांशु धूलिया के अलावा राजपाल यादव, कपिल शर्मा और मीका सिंह जैसे कुछ सिलेब्रिटीज नजर आए।

कंपनियों से अमेरिका, चीन से चलो भारत की ओर

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज

अगर सबकुछ सही रहा तो 2025 तक 5 ट्रिल्यन डॉलर इकॉनमी का सपना सच हो सकता है। कोरोना महामारी के बीच इस बात की चर्चा जोरों पर है कि अमेरिका की तमाम कंपनियां अब चीन के विकल्प की तलाश कर रही हैं और उनकी नजर भारत पर है। खुद प्रधानमंत्री मोदी राज्यों से कह चुके हैं कि कोरोना महामारी से निपटने के साथ-साथ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटिजी पर काम करते रहें। अगर कोई कंपनी भारत में निवेश करना चाहती है तो इस मौके को किसी भी कीमत पर गंवाना नहीं है।

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट्स भी इसके समर्थन में: दरअसल पिछले सप्ताह अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट्स के सीनियर अधिकारियों और भारत में काम कर रही अमेरिकन कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई थी। बैठक का आयोजन अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स इन इंडिया की तरफ से किया गया था। इस बैठक में भारत को निवेश के लिए नए विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। यूएस गवर्नमेंट डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट्स की तरफ से भी इसका समर्थन किया गया है।

पंजाब में लॉकडाउन 2 हफ्ते बढ़ा

कर्फ्यू में 4 घंटे की ढील, सुबह मिलेगी चार घंटे की छूट

चंडीगढ़/एक्शन इंडिया ब्यूरो

कोरोना महामारी के चलते पंजाब सरकार ने लॉकडाउन और कर्फ्यू को दो सप्ताह तक आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इस बारे में घोषणा करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान रोजाना सुबह 7 बजे से 11 बजे तक लोगों को चार घंटे की छूट दी जाएगी। इस दौरान लोग अपने घरों से बाहर आ सकते हैं और दुकानें खुली रहेंगी। उन्होंने कहा कि हमने राज्य में कर्फ्यू और लॉकडाउन को दो और हफ्तों तक बढ़ाने का फैसला किया है। बता दें कि पंजाब लॉकडाउन बढ़ाने वाला पहला राज्य बन गया है। बीते सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी से चर्चा के दौरान कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने पीएम से लॉकडाउन बढ़ाने की मांग की थी। हालांकि कुछ राज्य ऐसे भी थे, जिन्होंने पूर्ण लॉकडाउन के बजाय कुछ रियायतों के साथ लॉकडाउन लागू करने पर जोर दिया था। ऐसे में तीन मई को लॉकडाउन खत्म होने से पहले ही पंजाब के मुख्यमंत्री ने उसे दो सप्ताह के लिए आगे बढ़ाने का ऐलान कर दिया। इसके अलावा पंजाब सरकार ने दुकानों को भी खोलने की बात कही है, ताकि लोग जरूरी सामान खरीद सकें। हालांकि घर से बाहर निकलते समय लोगों को मास्क पहनने के साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा।

आजादपुर मंडी के 11 व्यापारियों को कोरोना

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज

राजधानी दिल्ली समेत पूरा देश में कोरोना माहामारी की वजह से तीन मई तक के लिए लॉकडाउन लगा हुआ है। दूसरी ओर दिल्ली में कोरोना का संक्रमण थमता नजर नहीं आ रहा है। आजादपुर सब्जी मंडी से संबंधित 11 व्यापारी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि जिस जगह पॉजिटिव केस पाया गया वहां के सभी दुकानों को सील कर दिया गया है। पूरा एरिया को सेनिटाइज किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री जैन ने कहा कि जिस जगह पॉजिटिव केस पाया गया वहां के सभी दुकानों को सील कर दिया गया है। पूरा एरिया सेनेटाइज किया जा रहा है और समाजिक दूरी का ध्यान रखा जा रहा है। सभी प्रकार की एहतियात बरते जा रहै हैं। कोरोना पॉजिटिव पाये गए सभी व्यापारियों को 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन कर दिया गया है।

वहीं उत्तरी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट दीपक शिंदे ने बताया है कि दिल्ली की आजादपुर सब्जी मंडी से जुड़े 11 व्यापारियों को कोरोनो पॉजिटिव पाया गया है। हम इन मामलों के संपर्कों का पता लगा रहे हैं कि वे कैसे कोरोना पॉजिटिव हुए हैं। ये सभी केस सीधे मंडी से नहीं जुड़े हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में कोरोना से कुल 3,314 मामले सामने आए है। वहीं 54 लोगों की मौत हुई है।

'केंद्र ने हिमाचल को 1899 करोड़ प्रदान किए'

शिमला राज्य ब्यूरो/रीना ठाकुर

प्रदेश सरकार ने बताया कि हिमाचल प्रदेश को केंद्र सरकार से अपने हिस्से के अनुसार केंद्रीय करों की अप्रैल, 2020 की राशि समय पर प्राप्त हो चुकी है।

प्रदेश सरकार को अप्रैल, 2020 में केंद्र सरकार द्वारा 1899 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं, जिसमें राजस्व घाटा प्रतिपूर्ति, जीएसटी घाटा प्रतिपूर्ति, केंद्रीय करों में हिमाचल का हिस्सा, मनरेगा की राशि, एनएचएम कार्यक्रम, आपदा राहत राशि एवं ईएपी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की महामारी के मद्देनजर केंद्र ने राज्यों की वेज एंड मीन्स की सीमा भी 60 प्रतिशत बढ़ा दी है।

इससे हिमाचल प्रदेश को कोरोना वायरस महामारी से लड़ने में बल मिलेगा। उन्होंने मीडिया में प्रसारित उन समाचारों को पूरी तरह से भ्रामक और तथ्यहीन बताया है, जिनमें केंद्र द्वारा हिमाचल के करों में हिस्सा काटने की बात कही गई है।

कोरोना योद्धाओं पर हमला किया तो खैर नहीं

लखनऊ/एक्शन इंडिया ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस की स्थिति पर योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 की 11 सदस्यीय टीम के साथ बैठक की। प्रदेश में कोरोना वॉरियर्स के साथ होने वाली अभद्रता पर कड़े कानून बनाने को लेकर चर्चा हुई। पैरामेडिकल कर्मियों, पुलिसकर्मियों, स्वच्छताकर्मियों के साथ ही शासन की तरफ से तैनात किसी भी कोरोना योद्धाओं से अभद्रता करने वालों के लिए उत्तर प्रदेश एपिडेमिक डिजीज कंट्रोल अध्यादेश 2020 के नाम से कड़े कानून बनाने पर विचार किया गया।

लॉकडाउन — **अभी देश में कार्यरत कुल श्रमिकों में 24 फीसदी अकेले छत्तीसगढ़ से**

मनरेगा में रोजगार देने में छग देश में प्रथम

रायपुर/एक्शन इंडिया ब्यूरो

वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए देश में लागू लॉक-डाउन के दौर में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बचाने और ग्रामीणों की आजीविका को संरक्षित करने राज्य शासन व्यापक स्तर पर काम कर रही है। लॉक-डाउन में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार देने में छत्तीसगढ़ अभी पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। देशभर में मनरेगा कार्यों में लगे कुल मजदूरों में से करीब 24 फीसदी अकेले छत्तीसगढ़ से हैं। यह संख्या देश में सर्वाधिक है। प्रदेश की 9883 ग्राम पंचायतों में चल रहे विभिन्न मनरेगा कार्यों में अभी 18 लाख 51 हजार 536 श्रमिक काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने इस कठिन दौर में भी मनरेगा के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए सरपंचों की सक्रियता एवं तत्परता की सराहना की है। उन्होंने इस उत्कृष्ट कार्य के लिए सरपंचों के साथ ही मनरेगा की राज्य इकाई तथा जिला एवं जनपद पंचायतों की टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच यह बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश भर में इन सबकी मिली-जुली कोशिशों से कार्यस्थल पर परस्पर शारीरिक दूरी बनाकर, मुंह ढंककर और स्वच्छता मानकों के साथ मनरेगा कार्यों के जरिए श्रमिक परिवारों को राहत पहुंचाई जा रही है। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मनरेगा कार्यों में अभी पूरे देश में 77 लाख 85 हजार 990 मजदूर संलग्न हैं। इनमें सर्वाधिक 18 लाख 51 हजार 536 मजदूर अकेले छत्तीसगढ़ से हैं, जो कुल मजदूरों की संख्या का करीब एक चौथाई है। इस सूची में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ राजस्थान दूसरे और 12 प्रतिशत भागीदारी के साथ उत्तरप्रदेश तीसरे स्थान पर है।

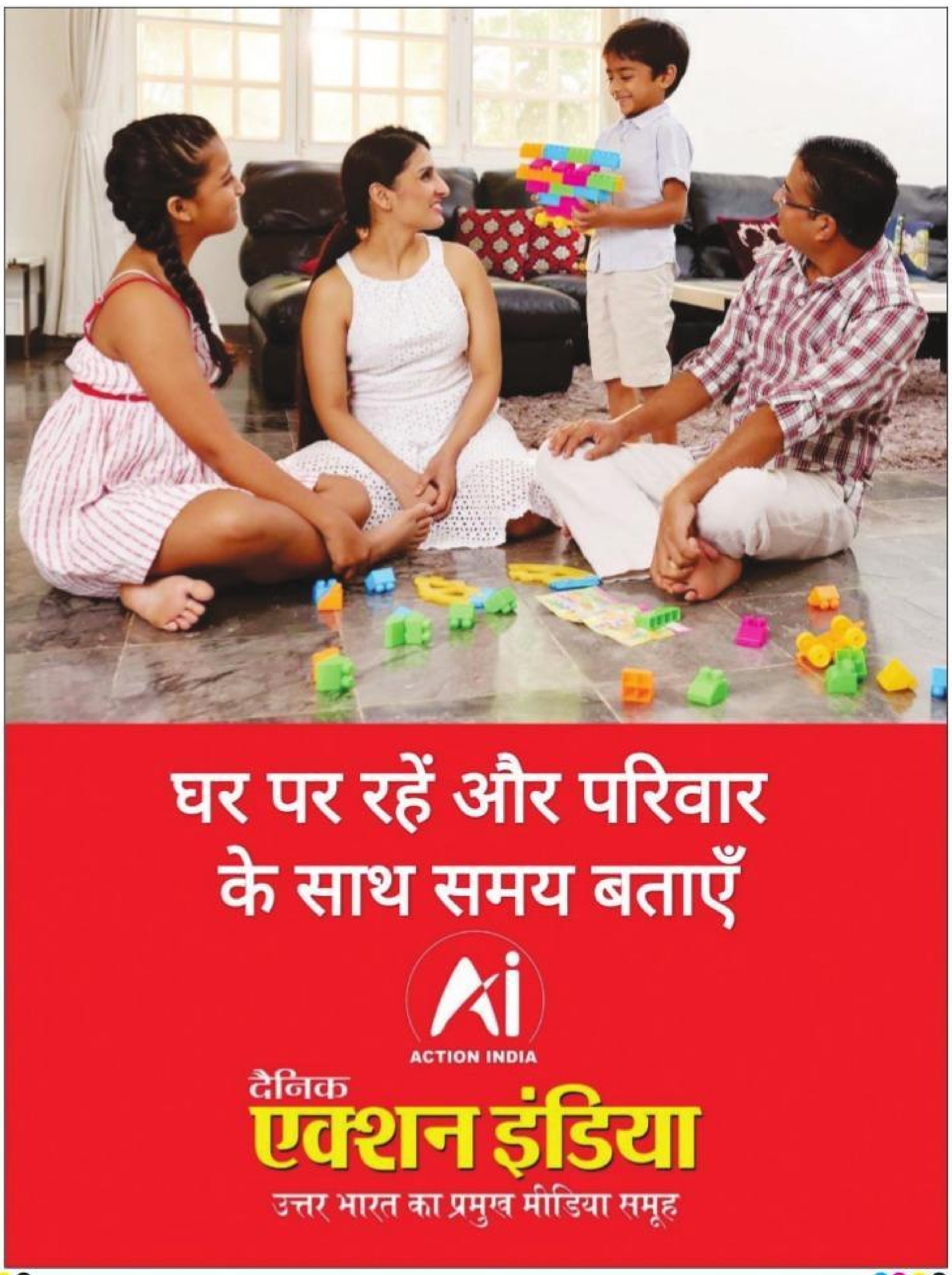

सीमा सील होने पर गर्माई राजनीति

सीमा सील पर केजरीवाल का मुख्यमंत्री को आया फोन, सीएम ने कहा-कर्मचारी दिल्ली में रखें, हम करेंगे मदद

चंडीगढ़/एक्शन इंडिया ब्यूरो
हरियाणा में वर्तमान हालात को देखते हुए सीमाएं चारों तरफ से सील कर दी गई हैं। खासकर दिल्ली की तरफ से आने-जाने वालों के लिए सरकार ने पूरी तरह से रोक लगा दी है। सरकार के आदेश के बाद दिल्ली से हरियाणा में घुसने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उधर, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीएम मनोहर लाल से बात की है। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया है कि हरियाणा के जो लोग दिल्ली में नौकरीपेशा हैं और संकट के इस दौर में दिल्ली सरकार को जिन सेवाओं की आवश्यकता है, उनके लिए हरियाणा सरकार दिल्ली में मौजूद अपने भवन देने के लिए तैयार है। मालूम हो कि दिल्ली में हरियाणा सिंचाई विभाग और पीडब्ल्यूडी के भवन हैं, जहां पर इन लोगों को रखा जा सकता है।
जरूरत पड़ी तो पूरी तरह सील कर देंगेः हरियाणा ने दिल्ली से लगने वाली सभी सीमाएं कड़ाई से सील कर दी हैं। केवल जरूरी सेवाओं के लिए ही सख्त शर्तों के साथ सीमा में प्रवेश करने की इजाजत होगी। राज्य के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि दिल्ली से आने वालों की सख्ती से जांच की जाएगी। गृह मंत्रालय की सख्त हिदायतें हैं कि जो जहां है वहीं पर रहे। ऐसे में दिल्ली में रहने वालों का दिल्ली सरकार ध्यान रखे। हरियाणा में रहने वालों का ध्यान रखने की जिम्मेदारी हमारी है। गृह मंत्री ने कहा है कि झज्जर, गुरुग्राम, पानीपत, सोनीपत में जिस हिसाब से दिल्ली से संक्रमण बढ़ा है, उसको देखते हुए सख्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो सीमाओं को पूरी तरह से सील कर दिया जाएगा। हालांकि इस पर अभी अंतिम रूप से विचार नहीं हुआ है। इक्का-दुक्का जिलों को छोड़ दें तो अधिकांश क्षेत्र अतिसंवेदनशील हैं। इसमें उन्होंने खासतौर पर गुरुग्राम व फरीदाबाद का जिक्र किया। उपायुक्त के आदेश में कहा गया है कि आस-पास के जिलों व प्रांतों में कार्यरत फरीदाबाद और दिल्ली में कार्यरत डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिस और बैंक कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल में ही अपने रहने की व्यवस्था करनी होगी। आवश्यक वस्तुओं और बैंकिंग सेवाओं की आवाजाही में लगे वाहनों को छूट दी जाएगी। यह तीन मई तक प्रभावी होंगे।

दो नर्स मिली संक्रमित

झज्जर में दिल्ली की अजादपुर मंडी से सब्जी लाने वाला भी पॉजिटिव निकला

पानीपत/झज्जर/फरीदाबाद/गुरुग्राम/एक्शन इंडिया ब्यूरो
हरियाणा में कोरोना मरीजों की संख्या 315 पहुंच गई है। बुधवार को 6 नए मरीज सामने आए हैं। इनमें गुरुग्राम में 3 मरीज मिले। इनमें से दो सिविल अस्पताल की स्टाफ नर्स हैं। वहीं, सोनीपत के खुबडू गांव में एक महिला फिर पॉजिटिव आई है। झज्जर में अजादपुर सब्जी मंडी से सब्जी लाने वाला संक्रमित मिला है। नूंह में मुंबई से लौटा व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाया गया है। बुधवार को एक मरीज ठीक हुआ। अब राज्य में कुल ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 225 पहुंच गई है।
गुरुग्राम में 2 स्टाफ नर्स समेत कुल 3 पॉजिटिवः गुरुग्राम में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 54 हो गई है। बुधवार को तीन मरीज आए। इनमें सिविल अस्पताल की दो स्टाफ नर्स शामिल हैं। अस्पताल में जब यह खबर दूसरे स्टाफ को मिली तो हड़कंप मच गया। हालांकि पहले तो चार नर्स को कोरोना पॉजिटिव होने की सूचना थी, लेकिन देर शाम स्वास्थ्य विभाग ने मात्र दो नर्स को ही कोरोना पॉजिटिव होने की सूचना दी। बता दें कि इससे पूर्व भी यहां पर एक महिला डॉक्टर भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई थी। वह कोरोना पॉजिटिव मरीजों के सेंपल लेती थी।
झज्जर में अजादपुर मंडी से सब्जी लाने वाला मिला पॉजिटिवः झज्जर जिले के लिए दिल्ली ने टेंशन बढ़ा दी है। ग्रीन जोन में रखे गए झज्जर जिले में लगातार मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। यहां अब 7 मरीज हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक एक और कोरोना पॉजिटिव की पुष्टि हुई है। वह भी दिल्ली अजादपुर मंडी से सब्जी लाता था। स्वास्थ्य विभाग ने उसके उन दो साथियों के भी सैंपल जांच के लिए भेजे हैं जोकि कोरोना पॉजिटिव युवक के साथ एक ही कमरे में रहते थे।

बालाजी मंदिर समिति ने 2700 भोजन पैकेट बांटे

सोनीपत/संजीव कौशिक
सिद्धपीठ श्री लक्ष्मी नारायण बालाजी मंदिर पुरानी महावीर कॉलोनी समिति के प्रधान सुरेश भारद्वाज ने बताया कि 29 अप्रैल को समिति ने जरूरतमन्दों को 2700 भोजन पैकेट वितरित किए। 29 अप्रैल को समिति ने निम्न कॉलोनियो में जाकर भोजन वितरण किया जिसमें खारी कुआं, खिजर के पास, सुगर मिल रोड, जटवाड़ा, गऊशाला, सुंदर सावरी, डेह बस्ती,बागड़ी मोहल्ला, लाल दरवाजा, शनि बस्ती, ज्ञान नगर, भीम नगर, सारंग रोड, बस अड्डा, कल्याण नगर, धानकान बस्ती, कुम्हार गेट, फैज बाजार, मोहल्ला कलां, सिद्धार्थ कॉलोनी झुगी बस्ती,ओम नगर, नई महावीर कॉलोनी, पुरखास अड्डा शामिल है। भारद्वाज ने बताया कि समिति के सदस्यों द्वारा निवेदन किया जाता है कि लॉकडाउन का पालन करे और अपने घरो में ही रहे, मुँह पर मास्क लगाए, आपस मे 2 मीटर की दूरी बनाए रखे और प्रशासन के निदेशों का पालन करे।
समिति का आप सभी से निवेदन है कि यदि आपकी नजरो में कोई जरूरतमंद है तो हमे सूचना दे हम भोजन उनके निवास स्थान पर पहुचायेंगे।

कृष्ण कुमार निर्माण को मिला सरस्वती पुत्र और श्रेष्ठ रचनाकार सम्मान

करनाल/एक्शन इंडिया ब्यूरो
पेशे से शिक्षा विभाग में हैडमास्टर के पद पर कार्यरत कृष्ण कुमार निर्माण को पिछले दिनों मेरी कलम मेरी पूजा कीर्तिमान साहित्य की ओर से सरस्वती पुत्र सम्मान से नवाजा गया। इस साहित्यिक परिवार में देशभर के राज्यों से साहित्यकार जुड़े हैं। इसी प्रकार अंकुर साहित्य परिवार की ओर से भी कृष्ण कुमार को श्रेष्ठ रचनाकार सम्मान से नवाजा गया। यह पुरस्कार उन्हें ऑनलाइन रचना प्रतियोगिता में भाग लेने पर उत्कृष्ट रचना लेखन पर दिया गया, जिसमें देशभर के सैकड़ों रचनाकारों से भाग लिया था। उल्लेखनीय है कि कृष्ण कुमार निर्माण लगातार लेखन से जुड़े हैं और कई साहित्यिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं और निरंतर इनके द्वारा लिखी रचनाएं देशभर के विभिन्न समाचार पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती हैं।

'आवश्यकता जहां है वहां भर्तियां चालू रहेंगी'

चंडीगढ़/एक्शन इंडिया ब्यूरो
हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर ने बुधवार को कहा है कि यूनिवर्सिटी के अंदर जहां आवश्यकता नहीं है, वहां भर्तियां नहीं की जाएंगी लेकिन बाकी जगह जहां आवश्यकता है, वहां पर सरकारी भर्ती चालू रहेगी। उन्होंने यह सफाई अपने उस बयान पर दी है, जो पिछले दिनों दिया था कि हरियाणा में 1 साल तक कोई सरकारी भर्ती नहीं होगी। विपक्ष ने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की थी।
सीएम का दावा 86 हजार भर्तियां की साढ़े 5 साल मेंः सीएम ने प्रदेशवासियों के नाम वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि प्रदेश में जो भी भर्तियां हमने की हैं, अगर हम साढ़े 5 साल का हिसाब दें तो तो हमने साढ़े 73 हजार भर्तियां एचएसएससी और एचपीएससी के माध्यम से की है। अभी साढ़े 12 हजार भर्तियां ऐसी हैं, जिनकी परीक्षाएं हो चुकी हैं लेकिन इंटरव्यू व अन्य प्रक्रिया रहती है। जब यह प्रक्रिया पूरी हो जाएती तो इन भर्तियों को भी रोका नहीं जाएगा। ऐसे में इन भर्तियों को भी लगाया जाए तो कुल 86 हजार भर्तियां बनती हैं।

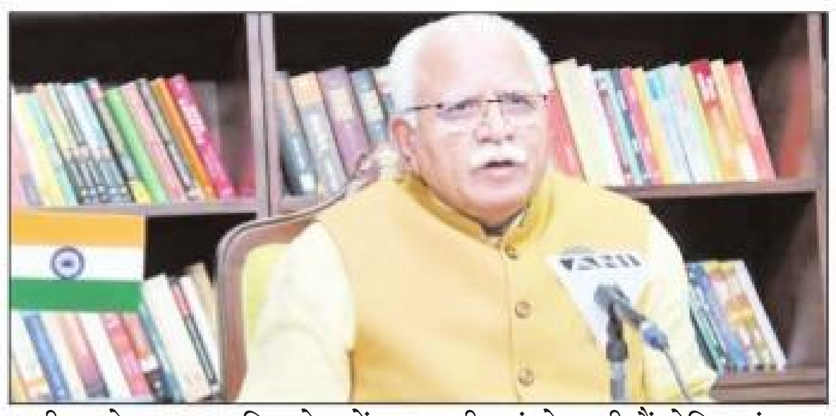

एसबी मिशन स्कूल खुला मिलने पर किया सील

करनाल/एक्शन इंडिया ब्यूरो
जिला शिक्षा अधिकारी रविन्द्र चौधरी ने बताया कि कोविड-19 के मद्देनजर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के सभी स्कूलों, कॉलेजों सहित सभी शिक्षण संस्थानों को आगामी आदेशों तक बंद किया हुआ है, लेकिन बुधवार को सुभाष गेट स्थित एसबी मिशन स्कूल ने प्रदेश सरकार के नियमों की अवहेलना करते हुए अपने स्कूल को खोला हुआ था।
उन्होंने बताया कि उपायुक्त निशांत कुमार यादव के मार्गदर्शन में गुप्त सूचना के आधार पर प्रशासन की टीम और पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा स्कूल पर छापा मारा गया। छापे के दौरान डयूटी मजिस्ट्रेट एटीपी अजमेर सिंह, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रोहताश वर्मा, एसएचओ हरजिन्द्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि छापे के दौरान पाया गया कि स्कूल खुला हुआ था और इसमें 11 बच्चे पढ़ाई कर रहे थे तथा स्कूल का स्टाफ भी मौके पर मौजूद था। उन्होंने बताया कि स्कूल ने विभागीय नियमों की अवहेलना की है, जिसके तहत स्कूल को सील कर दिया गया है और पुलिस विभाग को एफआईआर दर्ज करने के लिए कहा गया है।
उन्होंने बताया कि जिले में कोई भी शिक्षण संस्थान नहीं खुलेगा। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि अगर किसी भी व्यक्ति को किसी भी शिक्षण संस्थान के खुले होने की सूचना मिलती है तो उसकी तुरंत सूचना जिला प्रशासन को दें ताकि संबंधित संस्थान पर कड़ी कार्यवाही हो सके।

दूसरों के दुख को अपना समझेः मुनि

करनाल/एक्शन इंडिया ब्यूरो
विवेकवान व्यक्ति के लिए यही उचित है कि यदि उसके पास धन-संपत्ति लक्ष्मी देवी की कृपा से, पुण्य प्रताप से बढ़ जाए तो वह बिना देरी किए दूसरों का सहयोग करना प्रारभ कर देवे ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार नौका में पानी बढ़ जाने पर उसे दोनों हाथों से बाहर उलींच दिया जाता है अन्यथा नौका के डूब जाने का खतरा हो जाता है। मानव जीवन पाकर आत्मिक गुणों का विकास करना चाहिए और परोपकार ही उसकी प्राथमिक भूमिका है। उत्तर भारत गौरव श्री पीयूष मुनि जी महाराज ने श्री आत्म मनोहर जैन आराधना मंदिर से लगभग 4200 लोगो के भोजन वितरण हेतु स्वयंसेवकों के समूह को विदा करते हुए अपने संदेश में कहा कि यदि मानवीय स्वभाव में उदारता और दूसरों के दुख को अपना दुख समझने की अनुभूति नहीं है तो वह जीवन निरर्थक है। सहयोग की भावना का फल असीम है। जिस प्रकार सूर्य विश्व के अंधकार का नाश कर प्रकाश फैलाता है, उसी प्रकार सहयोग प्राणियों को दुख के निबिड़ अंधेरे से बाहर निकालकर सुख-शांति एवं सौहार्द का प्रकाश फैलाता है।

आई.जी.पी. भारती अरोड़ा ने सम्मानित किया

करनाल/एक्शन इंडिया ब्यूरो
श्रीमती भारती अरोड़ा आई.जी. करनाल रेंज करनाल ने कोरोना कर्मवीरों की टीम को प्रशंसा व नगद ईनाम देकर सम्मानित किया। इस संबंध में भारती अरोड़ा ने कहा कि इंस्पेक्टर विक्रांत व उनकी 06 सदस्य टीम और डाक्टर सुनील कुमार रेडक्रास सेक्रेटरी करनाल व इनके सहयोगी डाक्टर अमन यादव का विषेष धन्यवाद करते हुये कहा कि ये वो कोरोना योद्धा है जिन्होने अपने फर्ज को अपनी जान की परवाह किये बिना बखूबी निभाया है।

विधायक बड़ौली ने पीएचसी को 25-25 पीपीई किट सौंपी

राई/एक्शन इंडिया ब्यूरो
राई के विधायक मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कोरोना कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में हमारे स्वास्थ्य कर्मी, आशा वर्कर व आंगनवाड़ी वर्कर दिन रात मेहनत कर रहे हैं। ऐसे में यह कर्मचारी जिस भी गांव में आएं तो वहां उनका स्वागत करें और उनके कार्य में पूरा सहयोग करें। विधायक मोहन लाल बड़ौली बुधवार को राई हलके की सभी चार पीएचसी मुरथल, जाखौली, बढखालसा व हलालपुर में स्वास्थ्य कर्मियों को पीपीई किट भेंट कर रहे थे। विधायक मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मचारियों को कोरोना की जांच के लिए जाना पड़ता है और वह कोरोना योद्धा के तौर पर अग्रिम पंक्ति में रहकर हमारे लिए यह लड़ाई लड़ रहे हैं। ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि इनको जरूरत के मुताबिक प्रत्येक सामान भेंट करें।

ओशो सिद्धार्थ औलिया ने ऑनलाईन दिया साधकों को संदेश

सोनीपत/संजीव कौशिक
ओशोधारा नानकधाम मुरथल के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हुआ, जब सद्‌गुरु ओशो सिद्धार्थ औलिया ने यूट्यूब पर लाइव आकर अपना अध्यात्मिक संदेश *सुनो भाई साधो* साधकों को दिया। ओशोधारा मुरथल के संचालक ओशो सिद्धार्थ ने अपने साधकों को सत्संग की बजाय सुमिरन के अभ्यास पर ज्यादा महत्व देते है। ओशो सिद्धार्थ का कहना है कि सत्संग का भी अपना एक महत्व है लेकिन साधक को सहज योग के माध्यम से ध्यान समाधि एवं सिमरन का निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए। ओशो धारा नानक धाम के प्रवक्ता ओशो सोहम ने बताया कि सतगुरु बाबा ने जैसे ही बोलना शुरू किया बहुत से साधकों को उमंग का अनुभव शुरू हो गया।अब जबकि कोरोना वायरस की महामारी की वजह से पूरा देश लॉकडाउन की स्थिति से गुजर रहा है।

कोरोना की सर्विलांस टीम को किया सम्मानित

करनाल/एक्शन इंडिया ब्यूरो
पुलिस महानिरीक्षक करनाल रेंज भारती अरोड़ा ने कोविड-19 में जिला सर्विलांस अधिकारी की भूमिका निभा रहे जिला रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव डा.सुनील कुमार व उनकी टीम को बेहतरीन कार्य करने पर, उन्हें प्रशस्ति पत्र तथा नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। महानिरीक्षक ने बुधवार को अपने कार्यालय में बुलाकर कोविड-19 जिला सर्विलांस टीम को सम्मानित किया। इस टीम के अधिकारी रेडक्रॉस सचिव डा. सुनील कुमार के बारे में पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि कोरोना वायरस महामारी में पूरा देश व समाज डर रहा था, इस टीम ने बिना किसी डर के अपने स्वास्थ्य की परवाह किए बिना आगे आकर इस चुनौती को स्वीकार किया और पिछले दिनों एक बेहतरीन कार्य करके जिला प्रशासन का इस टीम ने सहयोग किया। इसके लिए उनको सम्मानित किया गया।

कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दे रही कुमार सैलजा

पानीपत/कमाल हुसैन
सुनिल बिंझौल जिला कांग्रेस कॉर्डिनेटर पानीपत ने बताया कि कुमारी शैलजा प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा कांग्रेस कमेटी लगातार इस संकट की घड़ी में प्रेस के साथियों से, किसानों से, आम जनता व कांग्रेस कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क कर रही है किसानों से उनकी समस्या का हाल जान रही है कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इस दुख की घड़ी में आम जनता का साथ देने के लिए दिशा निर्देश दे रही है व समय-समय पर सरकार को भी आम जनता की समस्याओं से अवगत करवा रही हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया और कहा कि आज हम सभी कोविड-19 को हराने के लिए सरकार के साथ है परन्तु सरकार भी इस संकट की घड़ी में किसानों व मजदूरों को दुःखी ना करें। हरियाणा सरकार ने 24 घंटे में किसानों को उनकी पेमैंट का वायदा किया परन्तु एक सप्ताह से ज्यादा हो गया किसानों को कोई पेमेंट नहीं मिली।

20 मई तक घोषित होगा 10वीं का रिजल्ट

चंडीगढ़/एक्शन इंडिया ब्यूरो
लॉकडाउन पार्ट-2 के तीन मई को पूरा होने के बाद भले ही राज्य में इसके बाद कुछ छूट मिल जाए लेकिन शैक्षणिक संस्थान पूरी मई माह में नहीं खोल जाएंगे। यदि स्थिति ठीक रही तो एक जून को स्कूल खोल दिए जाएंगे। लेकिन स्थिति नियंत्रित में नहीं रही तो सेशन एक जुलाई तक जा सकता है। परंतु विभाग ने जून और जुलाई दोनों ही माह से खुलने पर बच्चों का कोर्स पूरा कराने के लिए प्लान ए और बी तैयार कर लिए हैं।
कॉलेज और यूनिवर्सिटी की परीक्षाओं के लिए केंद्र की गाइड लाइन पर निर्भरताः इधर, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की ओर से 20 मई तक कक्षा 10वीं का रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। अभी एक साइंस का पेपर बाकी है, जिसके अंक अन्य विषयों में मिलने वाले अंकों के आधार पर जोड़े जाएंगे। 12वीं कक्षा के परिणाम को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इधर, कॉलेज और यूनिवर्सिटी में भी परीक्षाएं नहीं हुई है। इनका निर्णय केंद्र की गाइड लाइन पर निर्भर करेगा। वहां से मिले दिशा-निर्देशों के अनुसार ही प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से बच्चों की प्रभावित हो रही पढ़ाई को देखते हुए हमने योजना बनाई है। जिसके तहत बच्चों को पूरा कोर्स करा दिया जाएगा। दसवीं का रिजल्ट 20 मई तक घोषित हो जाएगा। सोशल डिस्टेंसिंग की वजह से मई में स्कूल नहीं खुलेंगे।
234 दिन लगाई जाती है कक्षाएं, ऐसे पूरा होगा कोर्सः प्रदेश में 11 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू किया जा चुका है। एजुसेट व अन्य संचार माध्यमों से बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। फिर भी स्कूलों में साल भर में 234 दिनों तक

सेवा में डटे पुलिस कर्मचारियों को बांटे किट और फल

सोनीपत/संजीव कौशिक
वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद स्वर्गीय किशन सिंह सांगवान के बेटे प्रदीप सांगवान ने बुधवार को कोरोना महामारी के बीच लोगों की सुरक्षा के लिए डटे पुलिस कर्मचारियों का सम्मान किया। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों को फल, पानी की बोतल, मास्क, सैनेटाइजर और पीपी किट दी। ताकि वह इस महामारी में डयूटी के दौरान अपना बचाव कर सकें। प्रदीप सांगवान की अगुवाई में सोशल डिस्टेंसिंग का फामूर्ला अपनाते हुए मनोज रिढाऊ, अशोक नरवाल, इकबाल मलिक, अजय जाखड़, दलबीर मलिक, रामनिवास प्रधान और प्रदीप मलिक आदि ने शहर के सिविल लाइन पुलिस स्टेशन से इसकी शुरूआत की।

ताऊ के तीर

काटक्ये भत्ते सारे, मारी कसूत चोट।
ये मरे सब सरकारी,बाकी लेग्ये ओट।।
बाकी लेग्ये ओट,भै उनके करजे माफ।
भरये खजाना इब,सारा ए रसता साफ।।
बात कहे निर्माण,थारे प्ये ल्यें डाटक्ये।
मरी कसूत चोट,भत्ते सारे काटक्ये।।

(कृष्ण कुमार निर्माण)

दिल्ली My City
एक्शन इंडिया दैनिक
गुरुवार, 30 अप्रैल 2020
03
Email: actionindianews@gmail.com Website: https://www.actionindialive.com https://www.facebook.com/ravibhardwaj24

शिरोमणी अकाली दल दिल्ली
सुखबीर सिंह कालरा
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
9310014786
9810014786
A-12, GT ROAD, NEAR ADARSH NAGAR METRO STATION, DELHI-33

'दिल्ली में तीन पत्रकार कोरोना संक्रमित'

526 का रिजल्ट निगेटिवः सीएम अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
दिल्ली सरकार ने हाल ही में पत्रकारों का कोरोना टेस्ट करवाया था जिसकी रिपोर्ट आ गई है। दिल्ली के 526 पत्रकारों का कोरोना रिजल्ट निगेटिव आया है वहीं केवल 3 पत्रकारों का कोरोना रिजल्ट पॉजिटिव आया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को बताया कि खुशी की बात है कि 529 में से केवल 3 पत्रकारों का कोरोना रिजल्ट पॉजिटिव आया है। जिन पत्रकारों का रिजल्ट पॉजिटिव आया है, उनके जल्दी ठीक होने की कामना है। 526 पत्रकारों का कोरोना रिजल्ट निगेटिव आया है। स्वास्थ्य मंत्री सतेंदर जैन ने कहा कि दिल्ली में कोरोना के अभी 3314 केस है, जिसमें 206 केस कल के हैं और कल 201 रिकवर भी हुए हैं। अब तक दिल्ली में 1078 ठीक हुए है। 53 आईसीयू में है और 12 वेंटिलेटर पर हैं। उन्होंने कहा कि अब जिन्हें सिम्प्टम्स नहीं या लाइट सिम्प्टम्स हैं, वो घर पर ही आइसोलेशन में रह सकते हैं, अस्पताल में आने की जरूरत नहीं है।

सीआरपीएफ एसआई सुपुर्द-ए-खाक, कोरोना संक्रमण से हुई थी मौत

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
सीआरपीएफ के एसआई मोहम्मद इकराम हुसैन जो कोरोना से संक्रमित थे, उनकी मौत हो गई। स्वास्थ्यकर्मियों ने उनके सुपुर्द-ए-खाक की रस्म निभाई। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा- हल्के लक्षण होंगे तो घर में होंगे आइसोलेटः दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के अनुसार दिल्ली में कोरोना पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 3314 है, जिसमें कल के 206 केस शामिल हैं और कल 201 लोग ठीक हो चुके हैं। दिल्ली में अभी तक कुल 1078 लोग ठीक हो चुके हैं। 53 आईसीयू में और 12 लोग वेंटिलेटर पर हैं।

न्यूज फ्लैश

हेड कांस्टेबल ने वॉशरूम में लगाई फांसी

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
दिल्ली पुलिस में तैनात हवलदार भूप सिंह ने किंग्सवे कैंप स्थित ओल्ड पुलिस लाइन के बैरक के वाश रूम में पंखे से लटककर खुदकशी कर ली। उनकी उम्र 59 साल बताई जा रही है। घटना बुधवार सुबह की है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या उन्होंने क्यों की इस बारे में पुलिस को अभी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस सभी पहलुओं को देखते हुए जांच कर रही है। मिला जानकारी के अनुसार, भूप सिंह मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले थे और इन दिनों इनकी पोस्टिंग पुराना पुलिस मुख्यालय स्थित आई टी सेल में थी। दिल्ली पुलिस के सैकड़ों कर्मी जो दिल्ली में अकेले रहना चाहते है। वे बैरक में रहते हैं। भूप सिंह भी अकेले रहने के कारण बैरक में रहते थे। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के लिए शव को मुखर्जी नगर स्थित एक सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

भूप सिंह के परिजनों की दी गई सूचनाः पुलिस ने बताया कि भूप सिंह के आत्महत्या की सूचना उनके परिजनों को दे दी गई है। परिवार में उनकी पत्नी के अलावा बड़ी बेटी और दो बेटे हैं। बेटी की शादी हो चुकी है।

पुलिसकर्मियों के स्वजनों के लिए हेल्पलाइन शुरूः दिल्ली पुलिस ने पुलिसकर्मियों के स्वजनों के लिए हेल्पलाइन शुरू की गई है। इस हेल्पलाइन पर फोन करके पुलिसकर्मियों के स्वजन उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ले सकते हैं। कोरोना वायरस के चलते लगातार ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मी घर नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में उनके स्वजनों को उनकी चिंता रहती है। कई बार स्थिति यह होती है कि उनसे बात भी नहीं हो पाती है। इस कारण अब दिल्ली पुलिस की तरफ से अपने पुलिसकर्मियों के स्वजनों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी एसीपी अनिल मित्तल के मुताबिक हेल्पलाइन नंबर 27491208 पर कॉल करके स्वजन पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

यूजीसी पैनल के ऑनलाइन परीक्षाओं के सुझाव छात्रहित में नहीं: एनएसयूआई

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा गठित पैनल के सुझावों के पक्ष में नहीं है। संगठन का कहना है कि पैनल के ऑनलाइन परिक्षाओं के सुझाव छात्रहित में नहीं है। एनएसयूआई सोशल मीडिया के वाइस चेयरमैन हर्ष बिसारिया ने बुधवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि पैनल का सुझाव है कि परीक्षाओं के माध्यम का निर्णय विश्वविद्यालय अपने स्तर पर अपने संसाधनों का अवलोकन कर स्वयं करें। हर विश्वविद्यालय यदि इसी तरह की मनमानी करता रहा तो यह छात्रों के हित में नहीं होगा। उन्होंने इस तरह के निर्णय को बच्चों के भविष्य के साथ उपहास बताया है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन परीक्षाओं की बात करना बेईमानी है। क्योंकि आज भी कई छात्रों के पास इंटरनेट नेटवर्क और स्मार्टफोन की सुविधा नहीं है। एनएसयूआई का कहना है कि जब यूजीसी सभी विश्वविद्यालयों को फंड की व्यवस्था करता है तो उसे छात्रहित को ध्यान रखते हुए ऑफलाइन परीक्षाओं का ही पक्ष रखना चाहिए। हम गांव-देहात के हर विद्यार्थी के साथ किसी भी तरह की नाइंसाफी नहीं होने देंगे।

दिल्ली के अस्पताल खुद बीमार...

कई पूरी तरह सील, कैसे होगा मरीजों का उपचार

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के ज्यादातर अस्पतालों पर कोरोना ने हमला बोल दिया है। इन अस्पतालों के लगभग 300 स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित हैं, जबकि 400 से ज्यादा डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ क्वारंटीन किए गए हैं। कई अस्पतालों को पूरी तरह सील कर दिया गया है। दिल्ली के 26 से ज्यादा अस्पतालों में स्वास्थ्यकर्मियों के संक्रमित होने से केंद्र सरकार की चिंता बढ़ गई है। मुंबई में 300 से अधिक संक्रमित हैं, जबकि यहां भी आंकड़ा लगभग बराबर होने वाला है। कई अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षक तक क्वारंटीन किए गए हैं। इनके अलावा दो कैट्स एंबुलेंस कर्मचारी भी पॉजिटिव हैं, जिन्हें नरेला क्वारंटीन केंद्र में रखा गया है। राजधानी के 4.11 फीसदी स्वास्थ्यकर्मी संक्रमितः स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार दिल्ली में 4.11 फीसदी स्वास्थ्यकर्मी पॉजिटिव हैं। इनमें 33 डॉक्टर, 26 नर्स, 24 फील्ड वर्कर, 13 पैरामेडिकल कर्मचारी और स्वास्थ्यकर्मियों के परिवार में तीन मरीज हैं। अस्पतालों से मिली जानकारी के अनुसार, आंकड़ा करीब 8 फीसदी हो गया है।

दिल्ली भाजपा ने 57 लाख जरुतमंदों का भरा पेट

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
'फीड दी नीडी' अभियान के तहत दिल्ली भाजपा के कार्यकर्ता प्रतिदिन लाखों की संख्या में भोजन के पैकेट वितरित कर रहे हैं। इसका निरिक्षण संगठन महामंत्री सिद्धार्थन शुरूआती दिनों से ही कर रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से दिल्ली भाजपा के नेता तथा कार्यकताओं ने अभी तक करीब 57 लाख भोजन के पैकेट और राशन किट जरूतमंदों तक पहुंचाया है। अभियान के संयोजक कुलजीत सिंह चहल ने बुधवार को यहां कहा कि भाजपा कार्यकर्ता लॉकडाउन की गाइडलाइंस का पालन करते हुए जरूतमंदों को खाना खिला रहे हैं और इस महामारी के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

'पति-पत्नी के झगड़े से बच्चे को सबसे ज्यादा नुकसान'

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
बच्चे की हिरासत को लेकर दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति नवीन चावला की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के बाद कहा कि पति-पत्नी के झगड़े के बीच सबसे ज्यादा नुकसान बच्चों के मानसिक स्थिति की होती है। पीठ ने कहा कि माता-पिता के प्यार में न तो स्वार्थ होता है और बनावटपन। पीठ ने उक्त टिप्पणी करते हुए सैन्य अधिकारी को दोनों बच्चों की हिरासत पत्नी को देने का आदेश दिया। याचिका के अनुसार गुलमर्ग में तैनाती के दौरान सैन्य ऑफिसर ने पत्नी पर अपने समकक्ष अधिकारी के साथ प्रेम करने का आरोप लगाया था। इस झगड़े के कारण पत्नी ने बच्चों की हिरासत के लिए वर्ष 2015 में मुकदमा किया और अदालत ने वर्ष 2016 में पत्नी के पक्ष में फैसला दिया। बच्चों की हिरासत पर कोर्ट की अहम टिप्पणीः सैन्य अधिकारी ने परिवारिक अदालत के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए दलील दी कि बेरोजगार पत्नी की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। ऐसे में बच्चों को उसकी हिरासत में न दिया जाए। पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पत्नी की आर्थिक स्थिति का मां को बच्चों की हिरासत देने के बीच कोई फर्क नहीं।

'जेएनयू प्रवेश परीक्षाः आवेदन तिथि बढ़ाई जाए'

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की छात्र इकाई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने बुधवार को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करने की तिथि बढ़ाने की मांग की है। इस बाबत (अभाविप) की जेएनयू इकाई ने कुलपति को ज्ञापन भी दिया है। अभाविप का कहना है कि देश में जारी लॉकडाउन के चलते सभी साइबर कैफे एवं इंटरनेट के अन्य स्त्रोत बंद हैं। ऐसे में फार्म ना भर पाने के कारण छात्र जेएनयू में दाखिला पाने से वंचित हो सकते हैं।

कोविड-19 के कार[illegible] बढ़ा अकादमिक कैलेंडर

अब 15 मई तक लगेंगी डीयू की ऑनलाइन कक्षाएं

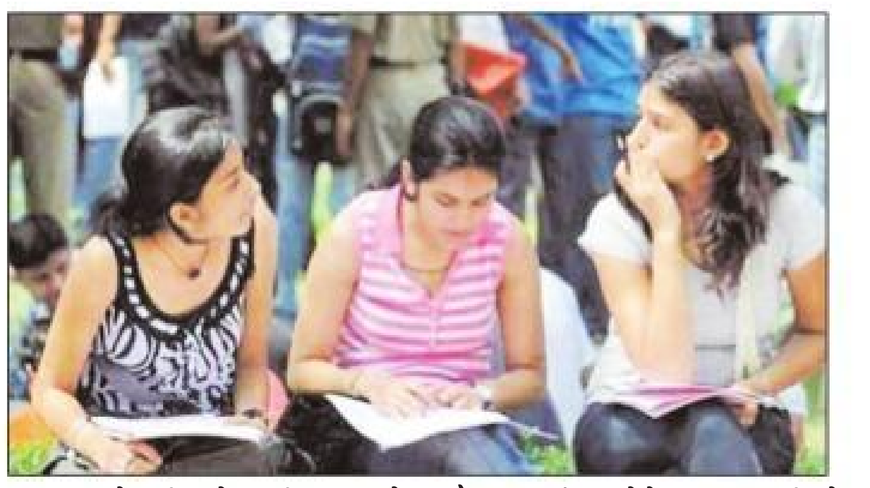

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने अपने ईवन सेमेस्टर के सत्र के अकादमिक कैलेंडर को 15 मई तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इससे पहले इस सेमेस्टर का सत्र 28 अप्रैल तक निर्धारित किया गया था। लेकिन, कोविड-19 के कारण अकादमिक कैलेंडर को बढ़ा दिया गया है। इस बारे में डीयू प्रशासन ने नोटिस भी जारी कर दिया है। साथ ही डीयू ने सेमेस्टर परीक्षा के लिए ऑनलाइन फॉर्म का आवेदन 15 मई तक बढ़ा दिया है। अब तक डीयू में डेढ़ लाख से ज्यादा छात्रों ने सेमेस्टर परीक्षा के लिए ऑनलाइन फॉर्म को भर दिया है। डीयू के छात्र कल्याण के डीन प्रो राजीव गुप्ता ने कहा कि ईवन सेमेस्टर का अर्थ है कि स्नातक के छात्र अभी पहले वर्ष के छात्र दूसरे सेमेस्टर, दूसरे वर्ष के छात्र चौथे सेमेस्टर एवं तीसरे वर्ष के छात्र छठे सेमेस्टर में हैं। यह ईवन सेमेस्टर जनवरी से अप्रैल तक संचालित होता है। अब 15 मई तक इसका सत्र बढ़ गया है। लॉकडाउन से अभी राहत मिलने की उम्मीद कम हैं। ऐसे में छात्रों की 15 मई ऑनलाइन कक्षाओं को ही लिया जाएगा। क्या छात्रों की सेमेस्टर परीक्षाएं ऑनलाइन होंगी और यह ऑनलाइन परीक्षाएं सिर्फ तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए ली जाएंगी एवं पहले व दूसरे वर्ष के छात्रों को बिना परीक्षा के सीधे अगले सेमेस्टर में प्रमोट कर दिया जाएगा। इन सवालों पर उन्होंने कहा कि इस बारे में बीते दिनों डीयू के सभी डीन के साथ ऑनलाइन माध्यम से बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें इस मामले में भी चर्चा की गई है। लेकिन, इस पर अंतिम फैसला विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों पर ही लिया जाएगा।

हॉटस्पॉट इलाकों में ड्रोन से निगरानी

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
दिल्ली में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए निगरानी के लिए पुलिस अब ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। साउथ दिल्ली के डीसीपी ने बताया कि ड्रोन के जरिए हॉटस्पॉट इलाकों में अनाउंसमेंट और निगरानी की जा रही है। शाहपुर जाट इलाके में ड्रोन से निगरानी का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि कई सड़क पर घूम रहे हैं। ड्रोन के जरिए लोगों को चेतावनी भी दी जा रही है कि वे कानून का उल्लंघन ना करें। कोरोना का संक्रमण दिनों-दिन दिल्ली में फैलता जा रहा है। इस वजह से यहां कंटेनमेंट जोन भी बढ़ते जा रहे हैं लेकिन इसमें भी दक्षिणी पूर्वी दिल्ली व मध्य दिल्ली सर्वाधिक प्रभावित हैं। इन दोनों इलाकों से ही सबसे अधिक 66 फीसद मामले देखे गए हैं। हाल के दिनों में मध्य दिल्ली में मामले तेजी से बढ़े हैं। खासतौर पर पुरानी दिल्ली के आसपास के इलाके में मामले अधिक आए हैं। इससे बीमारी की रोकथाम में जुटी एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। दिल्ली में 27 अप्रैल तक 3108 मामले आए हैं, जिसमें करीब एक तिहाई मामले तब्लीगी जमात से जुड़े हैं। दिल्ली में एक दिन पहले तक 54 लोगों की मौत हुई है।

'इरफान की मौत की खबर से सदमे में हूं'

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
बॉलीवुड अभिनेता इरफान खान के निधन पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को शोक जताया है। केजरीवाल ने कहा कि हमारे समय के सबसे असाधारण अभिनेताओं में से एक इरफान खान के निधन की सूचना मिलने से मैं हैरान हूं। उन्हें उनके काम के लिए हमेशा याद किया जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में इरफान खान की मां का निधन हो गया था। वह बेहद सदमे में थे। वर्ष 2018 में इरफान खान को पता चला था कि वह न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर से पीड़ित हैं। इस बीमारी के इलाज के लिए इरफान खान लंदन भी गए थे और करीब साल भर इलाज कराने के बाद वहां से स्वदेश लौटे थे। लेकिन मां के इंतकाल के बाद वह बहुत टूट गए थे।

इरफान के निधन पर कांग्रेस नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता इरफान खान के निधन पर दिल्ली कांग्रेस के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकेश शर्मा ने ट्वीट करते हुए लिखा कि रमजान के पाक माह में बॉलीवुड के मशहूर कलाकार, फिल्मी हस्ती व नेक दिल इंसान इरफान खान का हमारे बीच से चले जाना आवाम के लिए ना केवल दुखदाई है, बल्कि लंबे समय तक उन्हें याद रखा जाएगा।

प्लाज्मा थेरेपी के क्लीनिकल ट्रायल की योजना बना रहा एम्स

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) कोविड-19 के रोगियों के उपचार में प्लाज्मा थेरेपी के क्लीनिकल ट्रायल (नैदानिक जांच) की योजना बना रहा है। भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से मंजूरी लेने की दिशा में काम चल रहा है। एम्स के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा कि कोविड-19 के उपचार के लिए यह पद्धति अभी प्रायोगिक स्तर पर है और कोरोना वायरस के रोगियों में नियमित इस्तेमाल के लिहाज से प्लाज्मा थेरेपी की सिफारिश के लिए अनुसंधान और परीक्षण अच्छी तरह करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एम्स कोविड-19 के रोगियों में प्लाज्मा थेरेपी के प्रभाव का क्लीनिकल ट्रायल करने के लिए आईसीएमआर के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी संस्थानों के लिए प्लाज्मा थेरेपी के लिए आईसीएमआर और डीसीजीआई से आवश्यक स्वीकृति लेना जरूरी है और उन्हें इस अनुसंधान के लिए उचित क्लीनिकल दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए। गुलेरिया ने यह भी कहा कि प्लाज्मा की सुरक्षा लिहाज से जांच होनी चाहिए और इसमें पर्याप्त एंटीबॉडी होने चाहिए, जो कोविड-19 के रोगियों के लिए उपयोगी हों। दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में फेफड़ा रोग विभाग के प्रमुख डॉ विवेक नांगिया ने कहा कि जहां तक कोविड-19 की बात है तो स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्लाज्मा थेरेपी से जुड़ी किसी भी धारणा को समाप्त करने के संबंध में अच्छा कदम उठाया है और अभी तक इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है।

(AN ISO CERTIFIED COMPANY 9001-2008)

S. TARSEM SINGH
M.: 9810049327
T.S. ELECTRICAL WORKS
SPECIALIST IN
Repairing Rewinding of L.T., H.T., DC Motor & Generators
KIRLOSKAR • JYOTI • NGEF • STAMFORD
• TRIDENT • LEROY SOMER
Works : Shop No. 17, Lal Bagh, Rub Da Kukkar Gurudwara, G.T.K. Indl. Area, Delhi-110033
Phone : 27459809, 27246836, 47061612 | Telefax : 011-27459809
E-mail : tsew.tarsem@gmail.com / ts.electrical327@gmail.com

रेड जोन से सिर्फ पांच कदम की दूरी पर मथुरा

▶▶ मथुरा में कोरोना पॉजिटिव की संख्या 15 हुई
▶▶ मथुरा को रेड जोन के करीब ले जाने में पडोसी

मथुरा/एक्शन इंडिया न्यूज। बीस से अधिक कोरोना पॉजिटिव केस वाले जिलों को प्रदेश सरकार ने रेड जोन माना है। मथुरा में अभी तक 15 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं। 15 वां कोरोना पॉजिटिव केस होलीगेट अंदर की अनुमान गली का सामने आया है। हनुमान गली निवासी व्यक्ति का इलाज फरीदाबाद के एक अस्पताल में चल रहा था। इसी अस्पताल में इस व्यक्ति का सैंपल लिया गया और जांच को भेजा गया। सैंपल कोरोना पॉजिटिव आने की बाद इसकी सूचना मथुरा जिला प्रशासन को दे दी गई। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम हनुमान गली पहुंची। रेड जोन में आने के बाद जनपदवासियों को कुछ अतिरिक्त पाबंदियों का सामना करना पडेगा। सरकार की तरफ से रोजगार को लेकर दी जा रहीं कुछ सहूलियतों से भी हाथ धोना पडेगा। अभी भी मथुरावासियों के पास मौका है कि रेड जोन में जाने से कान्हा की नगरी को बचाया जा सकता है। मथुरा रेड जोन से बाहर रहेगा तो लोगों को उन जनपदों के मुकाबले कुछ सहूलियत मिलती रहेंगे जो रेड जोन में हैं। मथुरा के पडोसी जनपद आगरा और फिरोजाबाद पहले से ही रेड जोन में हैं। अगर मथुरा भी इस सूची में आता है तो आगरा मंडल का तीसरा जनपद होगा। इस तरह से पूरा आगरा मंडल में कोरोना को लेकर हालात बेहद चिंता जनक हो जाएंगें।

शासन के आदेश पर फिलहाल आवश्यक वस्तुओं से जुड़ी औद्योगिक इकाइयों को संचालन की अनुमति दी गई है। अब तक 51 इकाइयों को अनुमति दी गई है। इसमें भी क्षमता के अनुरूप सिर्फ 25 प्रतिशत संचालन की। इस दायरे को तीन मई के बाद कुछ हद तक बढ़ाया जाएगा। इसमें भी कोविड-19 के लिए तय मानकों के अनुपालन की शर्तों के साथ अनुमति दी जा रही है।
– रामेंद्र कुमार, डिप्टी कमिश्नर जिला उद्योग केंद्र

हालत बिगडने पर जांच को भेजा: पिछले करीब आठ दिन से स्थानीय हॉस्पिटल में उपचार करा रहे एक मजदूर जिसको गले में खरास, सांस लेने में तकलीफ और हाथ पैरों में दर्द के साथ-साथ तेज बुखार की शिकायत थी, उसे चिकित्सक की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम उसे 100 शैया अस्पताल वृंदावन जांच के लिए भेजा दिया है। युवक हाईवे स्थित राधा बिहार कॉलोनी का रहने वाला बताया जा रहा है।

लॉकडाउन में अन्नदाता का भी ध्यान रखे सरकार: राजकुमार

ओलावृष्टि मुआवजा, किसान सम्मान निधि जैसे मुद्दों पर भाकियू पदाधिकारी एसडीएम से मिले

मथुरा/एक्शन इंडिया न्यूज। लॉकडाउन में उद्योगों, छोटे बडे कामगारों से लेकर सरकारी कर्मचारियों तक की सुध सरकार ले रही है। इस बीच अन्नदाता से उम्मीदें तो बहुत पाली गईं लेकिन किसानों की सहूलियतों की ओर ध्यान नहीं दिया गया है। बडी संख्या में जनपद में ऐसे किसान हैं जिन्हें किसान सम्माननिधि का पैसा आज तक नहीं मिला है। ओलावृष्टि से हुए नुकसान का मुआवजा भी किसानों को नहीं मिला है। सरकारी खदीद केन्द्रों पर वारदाना नहीं है जिससे किसान अपनी उपज बेच नहीं पा रहे हैं। वारदाना नहीं होने से खुले में किसान की उजप पडी रहती है बरसात आंधी में खराब होती है तो इसका खामियाजा भी किसानों को ही भुगतना पडता है। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष राजकुमार तौमर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल बुधवार को एसडीएम महावन से मिला और किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। भाकियू प्रतिनिधि मंडल ने इन तमाम मुद्दों को एसडीएम के सामने रखा और किसानों का ध्यान रखे जाने का अनुरोध किया। इस दौरान एसडीएम महावन के अलावा क्षेत्राधिकारी विनय सिंह चैहान, तहसीलदार, एसओ महावन आदि भी मौजूद रहे। दूसरी ओर कृषि उत्पादन मंडी समिति में प्रतिदिन आने जाने वाले लोगों की संख्या को देखते हुए आने वाले किसान, व्यापारी आदि सभी लोगों की थर्मल स्केनिंग कराई जा रही है। यहां प्रतिदिन जनपद भर के फल सब्जी और खाद्यान की खरीद फरोख्त के लिए सैंकड़ों लोगों का आवागमन होता है। कोरोना संक्रमण के खतरे के चलते लगाए लॉकडाउन में भी दैनिक आवश्कता की वस्तु फल सब्जी और खाद्यान की आपूर्ति के लिए मंडियों को खोला जा रहा है। यहां प्रतिदिन भारी तादात में फल, सब्जी, खाद्यान की खरीद फरोख्त के लिए व्यापारी, दुकानदार, किसान आदि का आवागमन होता है। हालांकि इसके लिए मंडी प्रशासन ने सिर्फ जरूरी लोगों के लिए ही पास जारी किए हैं। इसके बावजूद यहां प्रतिदिन जुट रही भीड़-भाड़ के मद्देनजर किसी संक्रमित व्यक्ति के आगमन को लेकर भी इनकार नहीं किया जा सकता। मंडी प्रशासन ने एहतियात बरतते हुए विगत बुधवार से मंडी में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों की थर्मल स्केनिंग आरम्भ करा दी है। सचिव सुनील कुमार शर्मा के निर्देश पर स्केनर मशीन से लोगों की स्केनिंग करने के बाद ही मंडी में प्रवेश दिया जा रहा है।

एसडीएम महावन के सामने किसानों की समस्याओं को उठाते भाकियू कार्यकर्ता।

मोदी रसोई ने 605 जरूरतमंदों को बांटे भोजन के पैकेट

हल्द्वानी/एक्शन इंडिया न्यूज। लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए मोदी रसोई सक्रिय भूमिका निभा रही है। हिन्दू धर्मशाला में बनी मोदी रसोई में आज भी नगर अध्यक्ष विनीत अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यकताओं ने जरूरतमंद लोगों के लिए मोदी टिफिन तैयार किये। बुधवार को मंडी समिति अध्यक्ष मनोज साह ने मोदी रसोई का निरीक्षण कर कार्यकताओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, इसके लिए भाजपा कार्यकर्ता जुटे हुये हैं। उन्होंने बताया कि आज बत्तीसवें दिन 16 वार्डों में 605 मोदी टिफिन और पांच लोगों को मोदी राशन किट गरीब व मजदूर परिवारों को वितरित किए गए। मोदी रसोई में अनिल कपूर डब्बू, प्रताप बिष्ट, दिनेश खुल्बे, नगर महामंत्री प्रताप रैक्वाल, मधुकर श्रोत्रिय, कन्हैया जायसवाल, प्रतिभा जोशी, बब्लू पाल और अनूप टंडन आदि सेवाभाव से काम में लगे रहे।

सरकार के हामी रहे शैक्षिक महासंघ को मंहगाई भत्ता पर चोट नहीं आई रास

शैक्षिक महासंघ मुख्यमंत्री से आदेश वापस लेने की मांग

मथुरा/एक्शन इंडिया न्यूज। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना महामारी के आधार पर शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और अन्य राज्य कर्मियों का मंहगाई भत्ता सहित अन्य भत्तों पर रोक लगाने पर शिक्षकों ने आक्रोश व्याप्त हो गया है । राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में भत्तों पर रोक लगाने वाले आदेश को वापस लेने की मांग की है। ज्ञात रहे कि यह वही संगठन है जो सरकार के हर फैसले में सरकार के साथ खडा दिखाई देता है। शिक्षकों का महंगाई भत्ता कटते ही महासंघ के स्वर बदल गये हैं। हालांकि इस तरह के दूसरे सरकारी संगठनों ने सरकार के इस फैसले पर चुप्पी साध रखी है। वहीं कई संगठनों ने सरकार के इस फैसले को सही ठहराया है। जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, मथुरा मुकेश शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा भत्तों पर रोक लगाने से शिक्षक एवं अन्य कर्मी आक्रोशित हैं। शिक्षकों की सहमति के आधार पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रव के प्रांतीय महामंत्री भगवती सिंह ने मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन को लिखे पत्र में कहा है कि देशभर में व्याप्त कोरोना महामारी के दृष्टिगत समस्त शिक्षको एवं कर्मचारियों ने मार्च में स्वेच्छा से एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री कोविड केअर फंड में दान किया है। इसके अतिरिक्त सभी शिक्षकों एवं कर्मियों द्वारा अपने व्यक्तिगत स्तर पर भी पीएम केयर फंड और मुख्यमंत्री कोविड केअर फंड तथा जिलाधिकारी राहत कोष में पर्याप्त आर्थिक सहयोग प्रदान किया हैं। सभी के द्वारा अपने आस पड़ोस में निवासरत गरीबों और मजदूरों को आर्थिक सहयोग के साथ ही भोजन और भोजन सामग्री उपलब्ध करा कर केन्द्र और राज्य सरकार का अनवरत रूप से आर्थिक सहयोग किया जा रहा है।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा बेसिक शिक्षा मंत्री को दिनांक 19 अप्रैल, 2020 को प्रेषित पत्र में माह अप्रैल, मई एवं जून तीन माह तक एक एक दिन का वेतन दान देने की सहमति दी थी। इतना ही नहीं आवश्यकता पड़ने पर एक वर्ष तक एक एक दिन का वेतन देने की भी सहमति प्रदान की थी स परंतु उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिनांक 24 अप्रैल को आदेश जारी कर शिक्षकों व कर्मचारियों का महंगाई भत्ता व अन्य भत्तों पर जनवरी 2020 से जून 2021 तक रोक लगा दी गयी है। प्रदेश महामंत्री ने कहा है कि जब सभी शिक्षक और अन्य कर्मी कोरोना महामारी से लड़ने के लिए सरकार की अपेक्षाओं से अधिक सहयोग कर रहे हैं, तब मंहगाई भत्ता और अन्य भत्तों का काटने या बंद करने का औचित्य समझ से परे है सरकार के इस एकतरफा निर्णय से शिक्षकों सहित अन्य राज्य कर्मियों को भारी निराशा हुई है भगवती सिंह ने कहा है कि उक्तवत्य स्थितियों और सरकार के साथ किए गये आर्थिक सहयोग को ध्यान में रखते हुए मानवीय आधार पर मंहगाई भत्ता और अन्य भत्तों को बंद करने का जो निर्णय किया है, उसे राष्ट्र हित में निरस्त किया जाय। प्रदेश नेतृत्व के इस निर्णय पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, मथुरा की जिला महामंत्री अंजना शर्मा, हेमराज सिंह, अंजलि पंवार, वीरेन्द्र कुशवाह, इंद्रपाल सिंह, गोविंद सिंह, ऊषा पचौरी, हरीओम गुप्ता, अनुरुद्ध कौशिक आदि शिक्षको ने सहमति प्रदान की है।

भूख, बेकारी से बेजार लोगों का छलका दर्द

▶▶ कामगारों के पलायन की पडताल करने को तैयार नहीं जिम्मेदार
▶▶ यूं ही सैकडो किलोमीटर की पैदल यात्रा पर नहीं निकल पडते हैं लोग

मथुरा/एक्शन इंडिया न्यूज। कामगारों के पलायन पर राजनीति खूब हो रही है, लेकिन इस पलायन की पडताल को कोई तैयार नहीं है। सैकडों किलोमीटर की यात्रा पर पैदल भूख प्यासे लोग यूं ही नहीं निकल पडते हैं। यह जीवन बचाने की उनकी आखरी जद्दो जहद होती है। अपने ठिकाने तक पहुचेंगे या मर जाएंगे। पूर्णबंदी को लेकर बने अनिश्चितता के माहौल में भूख और एक अपरिभाषित डर की वजह से प्रवासी मजदूरों का पलायन रुक नहीं पा रहा है।

ऐसा ही एक दुरूखद दृश्य तब दिखा जब मथुरा रेलवे पुलिस ने दर्जनभर से ज्यादा लोगों के एक समूह को रोका। ये लोग मथुरा से 225 किमी दूर मध्य प्रदेश के निवारी जिला स्थित अपने गांव के लिए पैदल ही निकल पड़े थे। इस समूह में आठ पुरुष, सात महिलाएं और करीब इतने ही बच्चे शामिल थे। मध्य प्रदेश में निवारी एक नया जिला है। पूर्व में यह टीकमगढ़ जिला की एक तहसील था।

जब इनसे बात की तो दुख व निराशा भरी एक मार्मिक कहानी सामने आई। इस समूह में से एक मजदूर 40 वर्षीय बालकृष्ण ने बताया कि वह और उनके गांव के ही कई साथी यहां मथुरा में पिछले 15 साल से किराये के मकान में रह रहे हैं। सभी लोग दिहाड़ी मजदूरी पर कई तरह के काम करते हैं। महीनेभर पहले लागू हुई देशबंदी के दौरान इन्हें काम मिलना बंद हो गया। पूरा एक महीना तो अपनी बचत के पैसों से जैसे-तैसे काट लिया। लेकिन, दोबारा पूर्णबंदी बढ़ाए जाने के बाद हौसला टूट गया। कई बार मदद मांगने की कोशिश की लेकिन मदद मिल नहीं पाई। हालात ये हो गए कि पिछले 24 घंटों से कुछ खाने तक को नहीं मिला तो पैदल ही अपने गांव लौटने का फैसला कर लिया। इस बीच, जब यह अफवाह सुनी कि मध्य प्रदेश की सरकार ने फंसे हुए प्रवासी मजदूरों के लिए सीमा पर बसें लगा दी हैं तो चार से सात साल के बच्चों व जरूरी सामान समेटकर ये सब लोग चल दिए। एक और मजदूर मूरत बताते हैं कि उन्होंने अपने साथियों सहित भोजन आदि के प्रबंध के लिए काफी प्रयास किए लेकिन कोई सफलता नहीं मिल पाई। इस बीच इतना जरूर हुआ कि इनके मकान मालिकों ने इनसे किसी प्रकार के किराये आदि की मांग नहीं की। इसके लिए बात करते समय ये मजदूर इनके शुक्रगुजार होना नहीं भूलते हैं।

असल खतरे की ओर से अभी भी आंख मूंदे हुए है जिला प्रशासन

यहां फैला कोरोना तो मुश्किल होगा सम्हलना, अभी भी किये जा सकते हैं प्रयास

मथुरा/एक्शन इंडिया न्यूज। कोरोना के असल खतरे की ओर से जिम्मेदारों ने अभी भी आंख मूंद रखी हैं। जिला प्रशासन ने अभी भी अपना पूरा ध्यान शहरी क्षेत्रों पर लगा रखा है जबकि असल खतरा अब देहात क्षेत्र में है। वह जरूरी कदम जिला प्रशासन अभी भी नहीं उठा रहा है जिससे इस खतरे को कम किया जा सके। अभी भी हॉटस्पॉट सहित शहर के दूसरे क्षेत्रों में कम करने के बाद बडी संख्या में कर्मचारी देहात क्षेत्रों में वापस चले जाते हैं।

इन कर्मचारियों में नगर निगम, होमगार्ड, बिजली विभाग के अलावा वह दूधिया और दूसरे लोग हैं जो हॉटस्पॉट में दिन भर रहते हैं। इनकी स्केनिंग भी नहीं हो रही है। ये लोग देहात क्षेत्र में ठीक उसी तरह कोरोना के वाहक बन सकते हैं जिस तरह से आगरा और दूसरे प्रभावित क्षेत्रों से लोग शहर में यह सब करते रहे और अब नतीजा सबके सामने है। कई ग्राम प्रधान भी इस पर अपनी नाराजगी जता चुके हैं, और प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं लेकिन इस दिशा में कोई कारगर कदम अभी तक नहीं उठाया जा सका है।

कई गावों में कराया सेनेटाइजेशन : भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अजय परखम ने गांव मुस्तफाबाद व मीरपुर जमालपुर परखम में गलियों को अपनी मौजूदगी में सेनेटाइज कराया। डाकघर, बैंक, स्वास्थ केन्द्र को भी सेनेटाज किया गया। अजय ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर प्रशासन को अवगत कराया और गांव में व सार्वजनिक स्थल व बैंक आदि पर सेनेटाइजेशन करने की मांग से अधिकारियों को अवगत कराया गया। फरह ब्लाक के अधिकारियों व कर्मचारियों ने तत्काल प्रभाव से गांवों को सेनेटाज कराने की बात मान ली।

कमरे में मृत मिली विवाहिता, कार नामजद

मथुरा। गांव शहनवा में विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। विवाहिता का शव कमरे में मिला। दो वर्ष पूर्व शेरगढ़ के गांव शहनवा निवासी बॉबी उर्फ बीनू की शादी सिंकदरपुर निवासी रमेश की पुत्री कश्मीरा के साथ हुई। मंगलवार की रात जब पति सहित सभी लोग घर में मौजूद थे तब कश्मीरा की मौत हो गई। शेरगढ़ पुलिस के पहुंचने पर विवाहिता का शव कमरे में जमीन पर मिला।

हॉटस्पॉट भी नहीं हुए सेनेटाइज, डीएम ने दिये निर्देश

मथुरा/एक्शन इंडिया न्यूज। हाटस्पॉट को भी अभी तक सेनेटाइज नहीं किया गया है। लोगों ने इस बात को लेकर चिंता जाहिर की तो जिलाधिकारी ने हॉटस्पॉट को सेनेटाइज किये जाने के निर्देश दिये हैं। हॉटस्पॉट में आये चैबिडयापाडा के समाजसेवी पवन चतुवेर्दी लगातार सोशलमीडिया और दूसरे माध्यमों से इस बात को उठा रहे थे। दूसरे लोग भी इस बात की मांग कर रहे थे। जिलाधिकारी सर्वज्ञराम मिश्र ने कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक लेते हुए निर्देश दिये कि हॉटस्पॉट क्षेत्र के सभी घरों को सेनेटाइज किया जाये। उन्होंने सहायक नगर आयुक्त, नगर मजिस्टेज्ट एवं पुलिस अधीक्षक नगर को निर्देश दिये कि वह सुनिश्चित करें कि हॉटस्पॉट क्षेत्र का प्रत्येक घर, गलियों का 100 प्रतिशत छिड़काव कराकर सेनेटाइज करायें। श्री मिश्र ने बताया कि हॉटस्पॉट क्षेत्र की सभी आवश्यक वस्तुओं की दुकानें 10 से 05 बजे तक खोली जायेंगी। यह दुकानें लोगों की डिमाण्ड पर डोर-टू-डोर आपूर्ति करेंगी। इसी प्रकार दूध की आपूर्ति भी डोर-टू-डोर की जायेगी। पुलिस अधीक्षक नगर, अपर नगर आयुक्त एवं जिला अभिहित अधिकारी दूध की आपूर्ति करवायेंगे।

जिलाधिकारी ने बताया कि हॉटस्पॉट क्षेत्र के कार्ड धारकों को राशन भी उपलब्ध कराया जायेगा, जिसके लिए टोकन व्यवस्था की जायेगी। उन्होंने जनपद वासियों से अपील की है कि परेशानी के समय को धैर्य के साथ निकालें तथा सोशल डिस्टेंस का प्रयोग करते हुए सामान को खरीदें।

बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 गौरव ग्रोवर ने लोगों से अपील की है कि हॉटस्पॉट क्षेत्र में लोग घर से न निकलें। घर और अपने मोहल्ले के लोगों को समझाये और लॉक डाउन का पालन आवश्यक रूप से करें।

क्लासीफाइड

विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें
दूरभाष नं. - 7982719319

टूर एण्ड ट्रैवल्स

कैनेडा-ऑस्ट्रेलिया फ्री वीजा, रहना, खाना, 2 साल का वर्क परमिट। कमाएं 3 लाख महीना। कोई पैसा ना वीजा से पहले ना बाद में। चाहिए हेल्पर, कारपेंटर, मेसन, वैल्डर, प्लम्बर, ड्राइवर, ऑपरेटर, स्टोरकीपर, वेटर, सुपरवाईजर, मैनेजर, कुक इत्यादि। सरकारी रजिस्टर्ड कंपनी से ही अप्लाई करें।
फोन : 73476708

वर्क वीजा कैनेडा, ऑस्ट्रेलिया, कंस्ट्रक्शन/स्टोर/आईटी कंपनियों में जरूरत :
स्टोर कीपर, कम्प्यूटर आपरेटर, फूड पैकर, ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, सिक्योरिटी, गार्ड, वेटर, कुक, नो एडवांस, रहना, खाना, टिकट, बीमा फ्री। एजेंट्स वैलकम। **रूद्राश 9815119633, 9855577523**

कैनेडा-ऑस्ट्रेलिया 3 साल का वीजा, फ्री रहना, खाना और टिकट कम्पनी देगी। सैलरी 2 से 3 लाख महीना। हैल्पर, कारपेन्टर, मैसन, प्लम्बर, ड्राईवर, कुक, वेटर, आपरेटर, सुपरवाईजर इत्यादि चाहिये। रजिस्टर्ड कम्पनी से ही अप्लाई करें।
फोन : 7087033731

कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दुबई, कुवैत, सऊदी, रशिया, सिंगापुर, में पढ़े-लिखे और अनपढ़ कारीगरों और हैल्पर की भारी जरूरत। वीजा के पैसे सैलरी से कटवाएं। फोन : 7710404041

खोया-पाया

मैं श्वेता पाठक, पुत्री श्री प्रशांत कुमार शर्मा, मकान नं. 62 गांव पोशंगीपुर, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 की निवासी हूं। त्रुटिवश मेरी 10वीं की मार्कशीट महावीर नगर में कही खो गई है, जिसका अनुक्रमांक नंबर 0122362 है। जिस किसी को मिले कृप्या उपरोक्त पते पर संपर्क करे।

आवश्यकता

एक्शन इंडिया समाचार-पत्र समूह को अपने ऑनलाइन पोर्टल व यूट्यूब चैनल के लिए वीडियो एडिटर व विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें : ए-15, बड़ा बाग इंडस्ट्रीयल एरिया, नियर महेन्द्रू इन्कलेव, दिल्ली-33
फोन : रवि 9999889104

एक्शन इंडिया समाचार-पत्र समूह को उत्तरी और बाहरी दिल्ली के विभिन्न जिलों में कार्य करने को इच्छुक पत्रकारों व विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें : ए-15, बड़ा बाग इंडस्ट्रीयल एरिया, नियर महेन्द्रू इन्कलेव, दिल्ली-33
फोन : रवि 9999889104

एक्शन इंडिया समाचार-पत्र समूह को मेल/फिमेल अकाउन्टेन्ट चाहिए जिसे काम करने का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव हो। नॉर्थ दिल्ली के अभ्यर्थी को प्राथमिकता। एमएस ऑफिस सॉफ्टवेयर पर काम करने के अनुभव वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जायेगी। सैलरी 10,000 से शुरुआत।

संपर्क करें : ए-15, बड़ा बाग इंडस्ट्रीयल एरिया, नियर महेन्द्रू इन्कलेव, दिल्ली-33

फोन : राकेश भारद्वाज 9250706656

बेदखली सूचना

मैं अनीता पत्नी श्री रामरतन निवासी ग्राम भुरों तह. गन्नौर जिला सोनीपत की स्थाई निवासी हूं। आशु मेरी सगी पुत्री है। जोकि मेरे कहने-सनने से बाहर है और मेरी कोई बात नहीं मानती है। मैं अपनी पुत्री को अपनी सभी प्रकार की चल व अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं और भविष्य में कोई भी व्यक्ति इससे किसी भी प्रकार का कोई भी लेन-देन करता है तो उसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा। मेरी या मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शपथकर्ता अनीता

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री उदय प्रदाप पुत्र स्व. श्री मजोल लाल व चंदा पत्नी श्री मजोल लाल, निवासी- नंगली जालिब, जनकपुरी, बी-1 ब्लॉक , नई दिल्ली-58 के पुत्र राधेश्याम व उसकी पत्नी रमावती को उनके व्यवहार ठीक नहीं होने के कारण दिनांक 16-01-2015 को बेदखल कर दिया था लेकिन अब उनके व्यवहार मेरे मुवक्किल के प्रति अच्छे हो गये हैं। अब उनसे अपने सभी प्रकार के संबंध अपना लिए हैं तथा अब उपरोक्त दोनों उनके समस्त चल व अचल सम्पत्ति में हकदार होंगे और भविष्य में अब दोनों मेरे मुवक्किल के साथ रहेंगें। अब उन दोनों से मेरे मुवक्किल को कोई शिकायत नहीं है।

खोया-पाया

मैं राधा सचदेवा, पुत्री श्री संजय सचदेवा, मकान नं. 62 गांव पोशंगीपुर, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 की निवासी हूं। त्रुटिवश मेरी 10वीं की मार्कशीट महावीर नगर में कही खो गई है, जिसका अनुक्रमांक नंबर 0224532 है। जिस किसी को मिले कृप्या उपरोक्त पते पर संपर्क करे।

गाजियाबाद और नोएडा में लगातार बढ़ रही कोरोना संक्रमितों की संख्या

नोएडा/एक्शन इंडिया न्यूज। देश में लगातार कोरोना वायरस के मामले में बढ़ोतरी हो रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय पर दी गई जानकारी के अनुसार, देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 31 हजार के पार पहुंच गई है।

मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, देश में इस वक्त कोरोना के 22629 एक्टिव मामले हैं। हालांकि, 7695 लोग अब तक वायरस को मात देकर इससे उबरे हैं। लेकिन, इसी दौरान 1007 लोगों की अभी तक मौत भी हो गई हैं।

ऐसे में आपके लिए अपने राज्य के साथ-साथ अपने जिले में कोरोना की स्थिति को लेकर जानकारी होना बेहद जरुरी हैं। यहां जानें गाजियाबाद, नोएडा और हापुड़ का हाल।

गाजियाबाद और नोएडा में सामने आ रहे मामले

- गाजियाबाद और नोएडा जिले में अभी कोरोना वायरस के नए मामले लगातार सामने आ रहे हैं। नोएडा में मंगलवार को चार महिलाएं और एक युवक संक्रमित मिला है। उधर गाजियाबाज में भी कोरोना पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। इसी के साथ नोएडा में संक्रमितों का आंकड़ा अब तक 134 हो गया है और गाजियाबाद में ये संख्या 66 पर पहुंच गई है।
- इसके अलावा सेक्टर-15 रहने वाला 18 वर्षीय युवक भी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। विभाग इन सभी की हिस्ट्री खंगाल रहा है। सभी को फिलहाल आइसोलेशन वार्ड में भर्ती करके इनके स्वजनों को होम क्वारंटाइन किया गया है।
- बात करें हापुड़ की तो यहां स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मंगलवार को जिले के 37 कोरोना संदिग्ध मरीजों की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है। सभी की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। जिसके बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली है।
- जिले में कुछ दिनों पहले स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों की टीमों द्वारा जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए 23 संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांच से पहले ही लीक हो गए। हालांकि, प्रशासन ने आनन-फानन में फिर से इनके सैंपलों को इकट्ठा किया और जांच के लिए भेज दिया है।

नोएडा में हॉटस्पॉट बढ़कर हुए 50, 16 हॉटस्पॉट जोन में शामिल

नोएडा/एक्शन इंडिया न्यूज। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के जिला गौतमबुद्ध नगर में हॉटस्पॉट की संख्या बढ़कर 50 हो गई है। मंगलवार को नोएडा में पांच नए मरीज मिलने के बाद अब ग्रीन जोन में 16, ऑरेंज जोन में 10 व रेड जोन में हॉट स्पॉट की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बुधवार को बताया कि जिले में रेड जोन के क्षेत्रों को सील कर दिया गया है। उन स्थानों पर पुलिस बल पर मौजूद है। लोगों को घरों पर ही आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। अनावश्यक किसी को घर से नहीं निकलने दिया जा रहा है। जिला अधिकारी ने बताया कि बीते सप्ताह जिले को तीन क्षेत्रों में हॉटस्पॉट को बांटा गया था। जहां पिछले 14 दिनों में नया मामला वो रेड जोन, पिछले 14 दिनों में कोई नया मामला नहीं वो ऑरेंज जोन और पिछले 28 दिनों में कोई नया मामला नहीं वो ग्रीन जोन।

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (₹)	अमानत राशि (₹)
झाँसी-इन्जी0-एन-2020-46	(1) सिथोली-धोलपुर सेक्शन टीबीटीआर -26 न. थिरो चैनल स्लीपर्स रिन्यूअल ओवर ब्रिज न. 1266/1 अप @ डाउन एट किमी. 1266/14-16 (2) सिथोली-धोलपुर सेक्शन टीबीटीआर -134 न. थिरो चैनल स्लीपर्स रिन्यूअल ओवर ब्रिज न. 1216/1 अप @ डाउन एट किमी. 1216/ 33-29 & 30-32	3589578.12	71800.00

निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹3150.00 **निविदा बन्द होने की तिथिः** 27.05.2020 at 15.00 hrs. **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः** 04 माह। निविदा दिनांक **27.05.2020 को 15:00 बजे** तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 489/20(K)

North central railway @ CPRONCR

पुलिस ने एक दिन में खोली 106 अभ्यस्त अपराधियों की हिस्ट्रीशीट

गाजियाबाद/एक्शन इंडिया न्यूज। कोरोनावायरस के मद्देनजर सख्ती बरतने के साथ-साथ गाजियाबाद पुलिस अपराधियों पर भी नजर रख रही है। अपराधों पर अंकुश कैसे लगे इस पर भी लगातार होम वर्क कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने मात्र एक दिन में 106 अभ्यस्त अपराधियों की हिस्ट्रीसीट खोल दी है। इन 106 अपराधियों में चोर, लुटेरे, नकबजन, हत्या, गौकशी करने वाले अपराधी शामिल हैं जो कई - कई बार जेल जाने के बाद भी अपराध नहीं छोड़ रहे हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने बुधवार को बताया कि पूर्व में भी फरवरी और मार्च माह में कुल 75 शातिर किस्म के अभ्यस्त अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली जा चुकी है। इस प्रकार अभी गत तीन माह में अब तक कुल 181 शातिर किस्म के अभ्यस्त अपराधियों हिस्ट्रीशीट खोली जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है कि जब किसी जनपद में मात्र एक दिन में 106 हिस्ट्रीशीट खोली गई हैं। जिनमें 29 चोर, 57 लुटेरे, 06 हत्यारे व 14 गौकश शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इनमें सर्वाधिक इनमें सर्वाधिक 15 थाना मसूरी में खोली गई है वहीं थाना मुरादनगर में 14, लोनी में 11 तथा लोनी बॉर्डर व टीला मोड में 8-8, साहिबाबाद और सिहानी गेट में 7-7, थाना कोतवाली में 7, थाना खोड़ा में 5, भोजपुर व लिंक रोड में 4-4, कौशांबी में ३,विजयनगर में 4 , कवि नगर , इंदिरापुरम, मोदीनगर व निवाड़ी में 1-1 हिस्ट्रीशीट खोली गई है। आमतौर पर पूरे साल भर में एक से दो दर्जन हिस्ट्रीशीट ही खुल पाती हैं । उन्होंने बताया पुलिस इन अपराधियों पर अब शिकंजा कसेगी।

लॉकडाउन में सब्जी लाने निकला युवक ले आया दुल्हन, फिर घर में मचा बवाल

साहिबाबाद/एक्शन इंडिया न्यूज। श्याम पार्क एक्सटेंशन में रहने वाले एक युवक ने लॉकडाउन के दौरान हैरान करने वाला कारनामा किया है। सब्जी लाने के बहाने घर से निकला और शादी कर दुल्हन के साथ लौटा। यह देख घरवाले हैरान रह गए। इसके बाद घर में बवाल मच गया। युवक व दुल्हन को घरवालों ने घर में घुसने नहीं दिया। थाने पहुंचे युवक का पुलिस ने भी कोई खास सहयोग नहीं किया। आखिर में युवक अपनी पत्नी को लेकर किराए के कमरे में रहने चला गया।

श्याम पार्क एक्सटेंशन का है मामला : युवक परिवार के साथ श्याम पार्क एक्सटेंशन में रहता है। युवक बुधवार सुबह घरवालों से यह कहकर निकला कि वह सब्जी लेने जा रहा है। सुबह करीब 11 युवक दुल्हन लेकर घर पहुंचा।

युवक ने बताया कि वह शादी करके आ रहा है। उसने बताया कि दोनों एक दूसरे से प्यार करते हैं। यह सुनकर परिवार वाले हैरान रह गए। परिवार वालों ने विरोध करना शुरू कर दिया। लॉकडाउन की बात कहते हुए युवक व दुल्हन को घर में प्रवेश देने से मना कर दिया। इसके बाद युवक ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस के कहने पर युवक, दुल्हन और स्वजन थाने पहुंचे।

मंदिर के पुजारी ने कराई शादी : थाने में युवक व दूल्हन ने कहा कि तीन माह पूर्व उन्होंने हरिद्वार में शादी की थी। लॉकडाउन के चलते उन्हें शादी की अनुमति नहीं मिल रही थी।।

किराए के कमरे में गया युवक : करीब एक घंटे तक वाद-विवाद चलता रहा लेकिन घरवाले युवक को घर में एंट्री देने से मना दिया। पुलिस ने भी युवक को कोई सहयोग नहीं किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य/ कार्यो हेतु कार्यापालक इंजीनियर (कारखाना) लोको – अजमेर के कार्यालय से ई–निविदा आमंत्रित की जा रही है। 1. निविदा सं. : 01– वर्कशाप– अजमेर –2020– 21 कार्य का नाम : अजमेर – रिपेयर ऑफ रूफ शीट वेली गटर एण्ड डाउन टेक पाईप इन लोको वर्कशाप। अनुमानित लागत : रु. 21416198.19/– धरोहर राशि : रु. 257100/– निविदा की अंतिम तिथि : 28.05.2020 को 15:00 बजे तक 2. निविदा सं. : 02–वर्कशाप–अजमेर– 2020 –21 कार्य का नाम : अजमेर–रिपेयर, मेन्टेनेन्स एण्ड इम्प्रोवमेन्ट ऑफ वाटर सप्लाई 02 नम्बरस अन्डर ग्राउन्ड टैंक फोर वैगन वाशिंग इन स्ट्रीपिंग शेड इन लोको वर्कशाप। अनुमानित लागत : रु. 3068199.75/– धरोहर राशि : रु. 61400/– निविदा की अंतिम तिथि : 28.05.2020 को 15:00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर तथा इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है। 426-SP/20

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा सूचना ई–प्रोक्योरमेंट के द्वारा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक तृतीय तल, उ. प्र. रेलवे प्रधान कार्यालय, जवाहर सर्किल के पास, मालवीय नगर, जयपुर–3012017 निम्नलिखित मदों हेतु मोहरबंद खुली ई–निविदायें www.ireps.gov.in में सभी खुली ई–निविदायें 14:25 बजे बंद कर दी जायेगी।

क्र.सं.	निविदा सं.	अन्य विवरण/ड्रॉइंग	मात्रा	यूनिट	खुलने की तिथि
1.	50200004	पीवीसी इन्सुलेटेड अण्डरग्राउन्ड अन्सक्रीन्ड आरमोरड रेलवे सिंगनलिंग केबल कॉपर कोन्डक्टर साईज 24 कोर X 1.5 स्क्वायर एमएम एज पर आरडीएसओ स्पेसी नं. आइआरएस–एस–63 /2014 रिविजन 4.0.	425.725	किलो मीटर	28.05.2020

संशोधन

क्र. सं.	निविदा सं.	अल्प विवरण/ड्रॉइंग	निविदा सूचना सं.	पूर्वकित तिथि	सशोधित तिथि
1.	50195493	सपलाई ऑफ 24 फाइबर आरमोरड ऑफ सी केबल एज पर आरडीसओ स्पेसी.	एस/2019 /13 दिनांक 03.03.2020	07.04.2020 & 15.05.2020	28.05.2020

(1) इच्छुक निविदाकर्ता हमारी वेबसाईट ireps.gov.in पर सामग्री का पूरा विवरण / स्पेसिफिकेसन / बयाना राशि / निविदा फार्म का मूल्य और अन्य जानकारी देख सकते है। सभी निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि अपने डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करें तथा अपनी फर्म को उक्त साइट पर रजिस्टर्ड करें। (2) 25 लाख से नीचे के विज्ञापित निविदा, सीमित निविदा, विशेष सीमित निविदा एवं कम मूल्य की निविदा में भाग लेने के लिए देखने के लिए कृपया हमारी वेबसाइट पर जायें। (3) काई भी जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पर देख सकते है। 422-SP/20

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

कोरोना वायरस रोगियों ने जीती जंग, पांच मरीजों को किया डिस्चार्ज

ग्रेटर नोएडा/एक्शन इंडिया न्यूज। नॉलेज पार्क स्थित शारदा अस्पताल में भर्ती चार कोरोना पॉजिटिव मरीजों ने जंग जीत ली है। सभी की दूसरी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। जिसके बाद सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया। डिस्चार्ज किए गए दो मरीज तब्लीगी जमात में शामिल हुए थे। अस्पताल में अभी 37 मरीजों का इलाज चल रहा है। शारदा अस्पताल के डाक्टरों की मेहनत का असर दिख रहा है।

पिछले कुछ दिनों के दौरान ही अस्पताल से 14 संक्रमित मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान से भी एक मरीज को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। शारदा मेडिकल कॉलेज में कोरोना संक्रमित सरफराज और गफ्फार उर्फ गफूर को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। दोनों मूलरूप से महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। दोनों दिल्ली में तब्लीगी जमात में शामिल हुए थे। दोनों को अभी जिले में रहने की व्यवस्था प्रशासन के द्वारा कराई गई है। वहीं सेक्टर आठ निवासी जुगनू व गामा एक निवासी नर्स प्रिया को भी उपचार के बाद घर भेज दिया गया। प्रिया नोएडा के सेक्टर-39 स्थित क्वारनंटाइन केंद्र पर सेवा दे रहीं थीं। जिस दौरान वह संक्रमित हो गई थीं। डिस्चार्ज होने के बाद अस्पताल के डाक्टरों व स्टाफ ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही अस्पताल से एक संदिग्ध मरीज अंकित को भी डिस्चार्ज किया गया। जिम्स आइसोलेशन वार्ड के नोडल अधिकारी डा. सौरभ श्रीवास्तव ने बताया विनय कपिल को दो सप्ताह पूर्व भर्ती किया गया था।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 27.05.2020 को 15.00 बजे तक खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा संख्या : E-34, कार्य का नाम व स्थान : सहायक मण्डल इंजीनियर/सिरसा के अधीन रेवाड़ी–बठिण्डा खण्ड पर स्थित आरयूबी से मानसून में पानी एवं मिट्टी को निकालने का कार्य, अनुमानित लागत मूल्य : Rs. 2502516.53/- धरोहर राशि : Rs. 50100.00/-, निविदा संख्या : E-35, कार्य का नाम व स्थान : सहायक मण्डल इंजीनियर/भिवानी के क्षेत्राधिकार लक्षित कार्यों के सुपरविजन हेतु टाटा सूमो या अन्य समरूप हार्ड टॉप एक व्हीकल को किराये पर लेना, अनुमानित लागत मूल्य : Rs. 736726.80/- धरोहर राशि : Rs. 14700.00/-, निविदा संख्या : E-36, कार्य का नाम व स्थान : सहायक मण्डल इंजीनियर/भिवानी के नियन्त्रण में एसएसई/ यूएसएफडी/ रेवाडी के लिए व्यक्ति व सामान के ट्रांस्पोर्टेशन हेतु एमयूवी को किराये पर लेना।, अनुमानित लागत मूल्य : Rs. 721666.32/- धरोहर राशि : Rs. 14400.00/-, निविदा संख्या : E-37, कार्य का नाम व स्थान : सहायक मण्डल इंजीनियर/भिवानी के अधीन महेन्द्रगढ़, भिवानी व कोसली में तीन जल शुद्धिकरण संयत्र के परिचालन व रख–रखाव का कार्य, अनुमानित लागत मूल्य : Rs. 1979927.54/- धरोहर राशि : Rs. 39600.00/-, निविदा संख्या : E-38, कार्य का नाम व स्थान : सहायक मण्डल इंजीनियर/भिवानी के अयधीन कि.मी. 2.60 से 142.56 तक अनमेन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम (यूएसड्रोन) का प्रयोग करते हुये ऐरियल मेंपिंग/ ऑर्थोफोटा/ फोटोग्रमेंट्री सर्वे करना, अनुमानित लागत मूल्य : Rs. 279992.78/- धरोहर राशि : Rs. 5600.00/-, निविदा संख्या : E-39, कार्य का नाम व स्थान : सहायक मण्डल इंजीनियर/भिवानी के सैक्शन में बवानी खेड़ा बैलास्ट डिपो में 65 मीमी. गेज मशीन द्वारा तोड़ी गयी 55000 घनमीटर रोड़ी की सप्लाई करना और उसकी रेलवे बैंगनस/हापरस में लदाई का कार्य, अनुमानित लागत मूल्य : Rs. 37670050.00/- धरोहर राशि : Rs. 338400.00/-, नोट :– अन्य शर्तें रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 427-SP/20

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे ई–निविदा आमन्त्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है – ई–निविदा सूचना सं. 2020–21 : 13, कार्य का नाम व स्थान : **Zone contract-(Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to p-way gangs, staff qtrs., stations & L-xing etc. of Merta Road section under ADEN/ Merta Road for year 2020-2021 & 2021-2022.** अनुमानित लागत रुपये : Rs.33,65,170.38 बयाने की राशि रुपये : Rs.67,300.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020 ई–निविदा सूचना सं. 2020–21 : 14, कार्य का नाम व स्थान : **Zone contract- (Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to p-way gangs, staff qtrs., stations & L-xing etc. in the section Degana sub division under ADEN/ Degana for year 2020-2021 & 2021-2022.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 1,50,41,537.78 बयाने की राशि रुपये : Rs.2,25,200.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020 ई–निविदा सूचना सं. 2020–21 : 15, कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract (Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to P. Way Gangs, staff quarters, stations & L-xings etc. in the Line sub division under ADEN/Line/ Jodhpur for year 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 29,23,392.98 बयाने की राशि रुपये : Rs. 58,500.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020 ई–निविदा सूचना सं. 2020–21 : 16, कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract (Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to P. Way Gangs, staff quarters, stations and L-xings in the Jaisalmer sub division under ADEN/JAISALMER for year 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs.1,01,28,734.30 बयाने की राशि रुपये : Rs.2,00,700.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020 ई–निविदा सूचना सं. 2020–21 : 17, कार्य का नाम व स्थान : **(Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to P. Way Gangs, Staff quarters, stations and level crossings etc. Satlana(ex) to Bhildi(ex) under ADEN/Samdari for period 01.07.2020 to 30.06.2021 & 01.07.2021 to 30.06.2022 i.e. 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 37,24,321.88 बयाने की राशि रुपये : Rs. 74,500.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020 ई–निविदा सूचना सं. 2020–21 : 18, कार्य का नाम व स्थान : **(Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to P. Way Gangs, Staff quarters, stations and level crossings etc. from Samdari(ex) to Munabao under ADEN/ Barmer for period from 01.07.2020 to 30.06.2021 & 01.07.2021 to 30.06.2022 i.e. 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs.1,20,51,746.82 बयाने की राशि रुपये : Rs.2,10,300.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020, वेबसाईट का विवरण जहां पर ई–निविदा देखी व भरी जा सकती है : www.ireps.gov.in 419-SP/20

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

नोएडा में तीन और नए संक्रमित मिले, संख्या 137 पहुंची

नोएडा, 29 अप्रैल (हि.स.)। नोएडा में बुधवार को कोरोनावायरस के तीन और संक्रमित मरीज मिलने के बाद आंकड़ा 137 पहुंच गया। मुख्य चिकत्साधिकारी दीपक ओहरी ने जानकारी दी कि बुधवार को 91 रिपोर्ट प्राप्त हुई थी जिसमें से 88 निगेटिव और तीन पॉजीटिव पाए गए हैं। इसमें से दो 52 व 23 वर्षीय महिला सेक्टर 8 के जेजे कॉलोनी के रहने वाली हैं। तीसरा 35 वर्षीय पुरुष मरीज नोएडा सेक्टर 122 का रहने वाला है।

दीपक ओहरी ने बताया कि अब तक जिले में 3561 सेंपल्स लिए गए हैं जिसमें से 137 रिपोर्ट पॉजीटिव मिली हैं। इनमें से 81 लोग ठीक हो चुके हैं और 56 अभी एक्टिव मरीज हैं।

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 20/20 दिनांक 28.04.2020

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्रमांक	निविदा संख्या	माल का विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	20203482	मेटेलाईज्ड कार्बन स्ट्रीप्स	25 नग	07.05.2020
2	20191111	डिस्क कपलिंग	250 नग	27.05.2020
3	40201223	सिलिकॉन रबर कम्पाउन्ड	3344 नग	21.05.2020
4	70193453B	सिलिकॉन रबर गस्केटिंग कम्पाउन्ड	10150 नग	15.05.2020

नोट- 1. उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 496/20(K)

North central railway www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 01/पी-69/2019-20/टी.एम.सी./मु./उ.म.रे./प्रयागराज दिनांक 25.04.2020

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य इंजीनियर, उत्तर मध्य रेलवे, सूबेदारगंज, प्रयागराज-211015 निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं। (ई-प्रापण निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है।)

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा लागत	बयाना राशि
1.	टी.एम.सी. 0012021	हाईड्रोलिक पम्प, क्रालर मोटर। डिटेल ऑफ डिस्क्रिप्शन, मेक, मात्रा टेण्डर डाकुमेंट के अनुसार। **(एक्सेपटेबल मेकः ऐमका या समकक्ष ब्रान्डेड)**	टेण्डर डाकुमेंट के सेक्शन-IV के अनुसार।	4,67,162/-	Exempted
2.	टी.एम.सी. 0022021	हाईड्रोलिक प्रपोशन वाल्व, प्रेशर रेगूलेटर, वाल्व। डिटेल ऑफ डिस्क्रिप्शन, मेक, मात्रा टेण्डर डाकुमेंट के अनुसार। **(एक्सेपटेबल मेकः कैवल प्लासर, रेक्सरॉथ, प्लासर या समकक्ष ब्रान्डेड)**	वही	18,86,988/-	Exempted
3.	टी.एम.सी. 0032021	अल्ट्रासोनिक डिजिटल टेस्टिंग इक्विपमेण्ट, डिजीटल अल्ट्रासोनिक डबल रेल टेस्टर। डिटेल ऑफ डिस्क्रिप्शन, मेक, मात्रा टेण्डर डाकुमेंट के अनुसार।	वही	36,58,000/-	73,200.00
4.	टी.एम.सी. 0042021	रीले, शॉक ऐबजार्बर फार पैन्डूलम, बैटरी, विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रानिक आइटम। डिटेल ऑफ डिस्क्रिप्शन, मेक, मात्रा टेण्डर डाकुमेंट के अनुसार। **(एक्सेपटेबल मेकः कैवल प्लासर या समकक्ष ब्रान्डेड, एक्साइड, प्रेस्टोलाइट, ऐम्को, स्टैन्डर्ड फरूक्खा, प्लासर, हाई लक्स, आटो पाल, जे.एम.आई., हेला, टी.वी.एस. लुकास, एस सी आई, एस जी, हैवल्स, लैप इंडिया, डावेल, एस्काम, पार्कर, एल्काम, वैहर, बोस, के एस एस, लोकिट, ए के जी, फेजर)**	वही	61,35,838/-	1,22,800/-
5.	टी.एम.सी. 0052021	विभिन्न प्रकार के स्पेयर पार्ट। डिटेल ऑफ डिस्क्रिप्शन, मेक, मात्रा टेण्डर डाकुमेंट के अनुसार। **(एक्सेपटेबल मेकः प्लासर या समकक्ष)**	वही	6,88,658/-	Exempted
6.	टी.एम.सी. 0062021	मैगी स्प्रिंग। डिटेल ऑफ डिस्क्रिप्शन, मेक, मात्रा टेण्डर डाकुमेंट के अनुसार। **(एक्सेपटेबल मेकः प्लासर या समकक्ष)**	96 Nos.	1,75,694/-	Exempted

खुलने की तिथिः 02.06.2020 प्रत्येक निविदा हेतु। **टिप्पणीः** 1. ई-निविदा की सम्पूर्ण सूचना एवं दस्तावेज वेबसाईट https://ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि को **15.00 बजे** तक रहेगी। 2.रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2001/RS(G)/779/7 Pt. I Dated: 29.06.17 के अनुसार निविदा दस्तावेज में निम्नलिखित शर्तें जोड़ी गयी हैं। "अनुमोदित स्रोत से खरीद प्रतिबन्ध के साथ आमंत्रित की जाती है। अनुमोदित स्रोतों द्वारा कॉर्टेल की स्थिति मौजूद होती है या अनुमोदित स्रोत से उपलब्ध दरों को अनुचित रूप से उच्च माना जाता है तो उचित प्रयासों के स्वीकार्य के बावजूद खरीददार को अनुमोदित सूची बाहर की फर्मों को बिना किसी प्रतिबन्ध के आदेश देने का अधिकार है"। 3. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। 5. जमा सुरक्षा और बयाना के लिए "जमा विविध भण्डार 00844523" है। 6. किसी भी कठिनाई के मामले में IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से सम्पर्क किया जा सकता है। 492/20(K)

North central railway www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

ऋचा चड्ढा ने RBI को लेकर किया ऐसा ट्वीट, लोगों ने जमकर किया ट्रोल

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा (Richa Chadha) एक्टिंग के अलावा सोशल मीडिया पर अपनी बात बेबाकी से रखने के लिए भी जानी जाती हैं. ऋचा अक्सर कोई न कोई ट्वीट या पोस्ट शेयर करके चर्चा में रहती हैं. अब एक बार फिर से वह अपनी एक पोस्ट के कारण चर्चा में हैं. ऋचा ने एक ट्वीट में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) को सलाह दी है. इस पोस्ट पर लोग उनका मजाक उड़ा रहे हैं.

ऋचा ने ट्वीट में लिखा- आरबीआई सभी की EMI को खारिज क्यों नहीं कर देता ? ऋ चा ने भारतीय रिजर्व बैंक के आधिकारिक ट्विटर हैंडल को भी टैग किया है. ऋचा की इस पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं.

एक यूजर ने लिखा- देखो, दिमाग की बातें कौन कर रहा है ? वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा- जितना दिमाग है उतना ही लगाओ. एक यूजर ने सवाल पूछते हुए लिखा- आप अपनी फिल्म को फ्री में क्यों रिलीज नहीं करती हैं ? आप अपनी फीस क्यों लेती हैं ? एक ट्विटर यूजर ने लिखा- अगर आपकी कोई किस्त पेंडिंग है, तो मैं भर दूं. निजी जिंदगी की बात करें तो ऋचा चड्ढा इन दिनों अभिनेता अली फजल के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों लॉकडाउन हटने के बाद शादी के बंधन में भी बंध सकते हैं. फिल्मों की बात करें तो ऋचा को कंगना रनौत स्टारर 'पंगा', 'सेक्शन 375' और 'लव सोनिया' जैसी फिल्मों में देखा जा चुका है. वहीं उनकी अपकमिंग फिल्म 'मैडम चीफ मिनिस्टर' है.

एक यूजर ने लिखा- देखो, दिमाग की बातें कौन कर रहा है?

वायरल हुई Hrithik Roshan की 20 साल पुरानी फोटो, देखकर एक्टर ने खुद ही कहा WOW

लॉकडाउन के चलते इन दिनों बॉलीवुड सितारे भी घर में कैद हैं. इसी बीच सोशल मीडिया पर सेलेब्स की पुरानी फोटो, वीडियो और उनसे जुड़ी दिलचस्प बातें जमकर वायरल हो रही हैं.हाल ही में ऋतिक रोशन (Hrithik Roshan) की एक फोटो वायरल हुई जिसमें वो अपने दोनों बेटों के साथ घर की बालकनी में समय बिताते नजर आए. वहीं, अब उनकी एक 20 साल पुरानी फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. ऋतिक की ये फोटो उनकी फिल्म 'फिजा' के शूटिंग के दौरान की है. इस फोटो को 'फिजा' फिल्म के निर्देशक खालिद मोहम्मद ने शेयर किया है जिस पर ऋतिक रोशन ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है.

ऋतिक रोशन इस फोटो में बेहद हैंडसम लग रहे हैं. इस फोटो को रिट्वीट करते हुए ऋतिक ने लिखा,'वाह, ये फोटो देख मैं बहुत खुश हुआ. ये फोटो तब की है जब फिल्म कहो ना प्यार है रिलीज नहीं हुई थी. मेरे साथ इतना अच्छा व्यवहार करने के लिए बहुत शुक्रिया है. ऋतिक के इस पोस्ट के बाद खालिद मोहम्मद ने जवाब में लिखा, मेरे लिए आप हमेशा से खुदा के बंदे रहे हैं. मेरी दुआ हमेशा आपके साथ रहेगी. खालिद मोहम्मद ने फिजा फिल्म में अभिनेत्री रहीं करिश्मा कपूर के भी अभिनय की जमकर तारीफ कीं. फिजा 2000 में रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन भी किया था.बता दें ऋतिक रोशन इन दिनों अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं. गौरतलब है कि %सुपर 30% के बाद ऋतिक रोशन फिल्मवॉर में साल 2019 में नजर आए थे. वॉर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई की थी. इस फिल्म में ऋतिक के साथ टाइगर श्रॉफ ने भी दर्शकों की जमकर वाहवाही लूटी थी. फिलहाल ऋतिक रोशन अगली किस बॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगे इस बात की जानकारी उन्होंने नहीं दी है.

Amitabh Bachchan ने शेयर किया FUNNY पोस्ट, देखकर लोटपोट हुए यूजर्स

देश में चल रहे लॉकडाउन (Lockdown) के चलते बॉलीवुड सेलिब्रिटी सोशल मीडिया पर पहले से भी ज्यादा एक्टिव रहने लगे हैं. अपने फैंस के एंटरटेनमेंट का पूरा ध्यान रखते हैं, इसलिए वे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ ना कुछ फनी पोस्ट शेयर करते रहते हैं. इसमें सबसे आगे बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन (Amitabh Bachchan) हैं. सोशल मीडिया के माध्यम से वह अपने फैन्स से जुड़े रहते हैं और लोगों को अलग-अलग तरिकों से जागरूक भी करते रहे है.

अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक शख्स का वीडियो शेयर किया है. इस फनी वीडियो में आप देख सकते है कि लॉकडाउन के कारण एक शख्स का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है, और वह गधे से उसकी भाषा में बात कर रहा है. अमिताभ बच्चन (Amitabh Bachchan) को यह वीडियो इतना पसंद आया कि उन्होंने इसे अपने ट्विटर हैंडल से शेयर कर दिया.

इस वीडियो को लोग खूब पसंद कर रहे हैं. इस वीडियो को पोस्ट करते हुए व्यक्ति ने सवाल किया की, 'क्या लॉक डाउन में मानसिक संतुलन बिगड़ने के बाद गधे से बात करता एक संदिग्ध ?' जिसका जवाब देते हुए बिग बी ने लिखा, 'हां.' और इसे अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर कर दिया. हाल ही में बिग बी ने एक और ट्वीट कर हम सबको हसाया था. अमिताभ बच्चन ने लिखा- 'ब्रेकिंग न्यूज, इस वक्त की बड़ी खबर. एक चमगादड़ बस अभी मेरे कमरे में... जलसा के तीसरे फ्लोर पर घुस आया है. इस जगह हम सभी बैठते और मजे करते हैं. इससे पहले मेरे इलाके, इस घर, मेरे कमरे कभी नहीं दिखा. और हमारा ही घर मिला उसे ! कोरोना तो पीछा छोड़ ही नहीं रहा ! उड़ उड़ के आ रहा है कमबख्त !!

जब सास Jaya Bachchan की इन बातों को सुनकर छलक पड़े थे Aishwarya Rai के आंसू

बॉलीवुड की खूबसूरत आदाकारा ऐश्वर्या राय बच्चन (Aishwarya Rai Bachchan) लॉकडाउन में अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही हैं. हाल ही में ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपनी शादी की सालगिरह मनाया है. सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या कम ही एक्टिव रहती हैं. ऐश्वर्या राय खुद को बच्चन परिवार का हिस्सा होने पर बहुत गर्व करती हैं. ऐश्वर्या की सास जया बच्चन (Jaya Bachchan) के साथ काफी अच्छे रिश्ते हैं. दोनों के बीच अच्छी ट्यूनिंग देखने को मिलती है. इन दिनों सोशल मीडिया पर एक थ्रोबैक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें जया बच्चन, ऐश्वर्या का बच्चन परिवार में स्वागत करती हैं और ऐश्वर्या इस दौरान काफी इमोशनल हो जाती हैं.

वीडियो उस वक्त का बताया जा रहा है, जब ऐश्वर्या राय (Aishwarya Rai) और अभिषेक बच्चन (Abhishek Bachchan) शादी के बंधन में नहीं बंधे थे. किसी अवॉर्ड शो के दौरान पूरा बच्चन परिवार एक साथ में बैठा हुआ है. माइक पर जया बच्चन हैं जो क्राउड को संबोधित करते हुए इस बात की घोषणा कर रही हैं कि ऐश्वर्या अब बच्चन परिवार का हिस्सा बनने जा रही हैं. वीडियो में जया कह रही हैं कि, 'आज मैं एक शानदार और खूबसूरत लड़की की सास बनने जा रही हूं. वो लड़की जिसका विश्वभर में एक गौरव है, मान-सम्मान है, और जिसकी बड़ी खूबसूरत मुस्कान है. आपका परिवार में स्वागत है. मैं आपसे प्यार करती हूं. इस बात को सुनकर ऐश्वर्या काफी इमोशनल हो जाती हैं और उनके आखों से खुशी के आंसू निकल जाते हैं. हाल ही में ऐश्वर्या राय बच्चन का एक और वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें एक डांस के सीन को फिल्माते नजर आ रही थीं. यह एक ऐसी फिल्म का वीडियो था, जो अब तक रिलीज नहीं हो पाई. आज से 23 साल पहले ऐश्वर्या ने राधेश्याम सीताराम' नामक इस फिल्म में काम करना शुरू किया था, जिसमें सुनील शेट्टी (Sunil Shetty) उनके सह-कलाकार थे.

सोशल डिस्टेंसिंग के साथ सब्जी मंडी की नई शुरू

सोनीपत/संजीव कौशिक

कोविड-19 कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम में जी-जान से जुटे उपायुक्त डा. अंशज सिंह के निर्देशन में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ सब्जी मंडी की भी नई शुरूआत की गई है। अब सेक्टर-15 के आउटर पर अस्थाई तौर पर सब्जी मंडी स्थापित की गई है, जहां किसान अपनी फल-सब्जियां सीधे लाईसेंसधारक रेहड़ीवालों को बेचेंगे।

एक सब्जी विक्रेता के कोरोना पोजिटिव पाये जाने के बाद उपायुक्त डा. अंशज सिंह के आदेशानुसार पुरानी सब्जी मंडी को बंद कर दिया गया। किंतु आम जनमानस की फल-सब्जियों की आवश्यकता को पूरी करने के लिए उपायुक्त ने विशेष सावधानी के साथ सेक्टर-15 के आउटर पर सब्जी मंडी की स्थापना कराई है। उनके निदेर्शानुसार मंडी में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के पर्याप्त प्रबंध किये गये हैं। उपायुक्त डा. सिंह सोनीपत जिले को कोरोना मुक्त करने के लिए प्रयासरत हैं।

इसके लिए वे लगातार फैसले ले रहे हैं। इसके दृष्टिगत ही उन्होंने सब्जी मंडी को सेक्टर-15 के आउटर में खाली भूमि पर बसाया है, जहां आम जनमानस की आवाजाही भी कम रहती है। पूर्ण सावधानी बरतते हुए उपायुक्त ने पहले पुरानी सब्जी मंडी को बंद करवाकर सैनेटाईज कराया। अब भी उन्होंने अत्यधिक अहतियात बरती है, जिसके चलते उन्होंने नये स्थान पर ही सब्जी मंडी बसाने का फैसला लिया है। इससे आम जनमानस में भी संतुष्टि छाई देखी जा सकती है। साथ ही अन्य सब्जी विक्रेताओं में किसी प्रकार का भय उत्पन्न होने से रोका है। इस नई सब्जी मंडी में प्रातः 04:00 बजे से 08:00 बजे तक किसान सीधे तौर पर लाईसेंसधारी रेहड़ीवालों को अपनी सब्जियां बेच सकते हैं। मार्केट कमेटी सोनीपत के सचिव जितेंद्र कुमार के अनुसार यहां 25 बाई 10 के आकार के 149 स्लॉट बनाये गये हैं। इस प्रकार एक समय में 149 किसान अपनी फल-सब्जियां बेच सकते हैं। सभी स्लॉट के बीच पर्याप्त दूरी रखी गई है ताकि भीड़-भाड़ न हो सके। नई व्यवस्था के साथ पहला दिन बेहद सफल रहा। मंडी में किसानों ने सीधे रेहड़ीवालों को सब्जियां बेची हैं।

मंडी में प्रवेश से पूर्व की गई थर्मल स्कैनिंग:

मार्केट कमेटी के सचिव जितेंद्र कुमार ने बताया कि उपायुक्त डा. अंशज सिंह के निदेर्शानुसार सब्जी मंडी में थर्मल स्कैनिंग की विशेष व्यवस्था की गई है। मंडी में प्रवेश करने वाले हर किसान व रेहड़ीवाले और कर्मचारी की पहले थर्मल स्कैनिंग की गई, जिसके बाद उन्हें प्रवेश की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था नियमित रूप से जारी रहेगी, ताकि कोविड-19 कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोका जा सके। साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग कायम रखने के विशेष निर्देश दिए गए हैं।

मास्क व सैनेटाईजर की व्यवस्था:

सेक्टर-15 के आउटर में बसाई गई सब्जी मंडी में मास्क व सैनेटाईजर की भी अच्छी व्यवस्था की गई है। मार्केट कमेटी के सचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि सबके लिए मास्क का प्रयोग जरूरी है। रेहड़ीवालों को तो आदेश दिए गए हैं कि वे आम जनता को सब्जी बेचते समय मास्क का प्रयोग अनिवार्य रूप से करेंगे। मंडी में भी किसानों के साथ रेहड़ीवालों और अन्य कर्मचारियों के लिए मास्क व सैनेटाईजर के प्रयोग के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही रोजाना मंडी को सैनेटाईज करवाने की व्यवस्था की गई है।

किसानों व रेहड़ीवालों ने किया धन्यवाद:

सब्जी मंडी की नई शुरूआत व नई व्यवस्था के लिए किसानों और रेहड़ीवालों ने उपायुक्त डा. अंशज सिंह का विशेष रूप से धन्यवाद किया है। किसान राम सिंह व मंजीत तथा रेहड़ीधारक दीपक व सुनील का कहना था कि उपायुक्त ने उनकी सुरक्षा और सुविधा का विशेष रूप से ध्यान रखा है। मंडी में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ कोरोना वायरस को रोकने की व्यवस्था को उन्होंने खुले दिल से स्वागत किया है।

अनेक डॉग्स को दूध, ब्रेड और खिलाया खाना

सोनीपत/संजीव कौशिक

कोरोना महामारी में देशभर में लागू लॉक डाऊन में अपनी जान की परवाह न कर स्ट्रीट डॉग्स को बचाने के लिए सोनीपत की मॉडल टाऊन में रहने वाली शेन अरोड़ा रोजाना 100 से ज्यादा बेजुबान स्ट्रीट डॉग्स को खाने ओर दूध पिलाने में जुटी है।

मानवता ओर इंसानियत को सब धर्मो से ऊपर मानने वाली शेन अरोड़ा मुरथल की दीनबंधु छोटूराम साईस एवं टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग की छात्रा है। शाम होते ही शेन अरोड़ा अपनी स्कूटी पर डॉग्स को दूध पिलाने ओर खाना खिलाने में स्कूटी लेकर निकल पड़ती है। वे रोजना सुभाष चौक,लोकनिर्माण विश्राम गृह,कच्चे क्वार्टर के पास गुरुद्वारा चौक पर बेघर डॉग्स को दूध, ब्रेड, बिस्किट खिलाती है।उन्हें देखते ही डॉग्स दौड़ पड़ते है। शेन अरोड़ा की इस मुहिम में उनके भाई राहुल और उनकी माँ भी साथ देती है।

अधिकारिता मंत्री पटीकरा ग्रामीण मंडल ने सौंपे चेक

नारनौल/एक्शन इंडिया ब्यूरो

यादव कल्याण सभा के सचिव सुबेदार कंवर सिंह के नेतृत्व में पटीकरा ग्रामीणों के प्रतिनिधि मण्डल ने बुधवार को प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओम प्रकाश यादव से मिलकर 1 लाख 31 हजार रुपए की राशि का चेक हरियाणा कोरोना रिलीफ फंड में सौंपा।

वहीं दी हाल सेल क्लाथ मर्चेन्टस एसोसिएशन की तरफ से भाजपा नेता नरेन्द्र झिमरियां के नेतृत्व में मंत्री को 11 हजार रुपए की राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर मंत्री ओमप्रकाश यादव ने सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त किया।

गांव बैयापुर खुर्द को कराया सैनिटाईज

सोनीपत/सोनू कुमार

गांव बैयापुर खुर्द में सैनिटाइजर करवाने का कार्य किया गया जिसके अंदर सुशील पांचाल ने घर-घर जाकर सैनिटाइजर करवाने का कार्य किया । निरंतर कार्य चल रहा है मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव और पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन के नेतृत्व में कार्य हो रहा है। सभी कॉलोनी वासियों ने राजीव कविता जैन के इस कार्य की सराहना की। सुशील पांचाल का आभार व्यक्त किया इस संकट की घड़ी में अपने परिवार को अपने बच्चों को छोड़कर घर-घर जाकर सैनिटाइजर करने का कार्य करवा रहे हैं।

आढ़ती-प्रशासन के मध्य टकराव की स्तिथि, समाधान कराने सुबह 3 बजे पहुंचे जैन

सोनीपत/संजीव कौशिक

सेक्टर-16 स्तिथ टीडीआई ग्रीन में लॉकडाउन के दौरान बनाई गई अस्थाई सब्जी मंडी परिसर में गत दिनों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं होने की सूरत में जिला प्रशासन द्वारा उठाए गया कदम पर एक बार फिर आढ़ती-प्रशासन आमने सामने आ गए। मौके की नजाकत को समझते हुए बुधवार सुबह 3 बजे मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने दोनों पक्षों से बातचीत करते हुए न केवल उनका समन्वय स्थापित करवाया, अपितु आढ़तियों की नाराजगी भी दूर करवाई। दरअसल, कोरोना संक्रमण की चपेट में एक सब्जी विक्रेता के आने के बाद प्रशासन द्वारा शहर की सब्जी मंडी को सील की जा चुकी है और आमजन को फल-सब्जी की आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए गत दिनों सेक्टर 16 में स्तिथ टीडीआई ग्रीन परिसर में सब्जी मंडी को अस्थाई तौर पर शिफ्ट कर दिया गया था।

गत दिवस जिला प्रशासन को मिली रिपोर्ट के अनुसार अस्थाई सब्जी मंडी में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान नहीं जाने पर प्रशासन ने इसे सेक्टर 15-16 के डिवाइडिंग रोड पर शिफ्ट कर दिया था और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए पेंट से मार्किंग भी करवा दी।

खेत में मिले बुजुर्ग के शव की हुई शिनाख्त

गन्नौर/एक्शन इंडिया ब्यूरो

गांव भोगीपूर में गन्ने के खेत में मंगलवार को देर रात मिले 80 वर्षीय बुजुर्ग के शव के शव की शिनाख्त हो गई। मृतक की पहचान माईचंद पुत्र शेरा गांव सनपेड़ा हाल निवासी महादेव नगर गन्नौर के रूप में हुई। पुलिस ने मामला दर्जकर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक के शरीर पर कोई चोट के निशान नही थे। ज्ञात रहे कि मृतक बुजुर्ग पिछल्ले करीब तीन दिन से लापता था। मंगलवार को देर रात उसका शव ग्रामीण संदीप के गन्ने के खेत में पड़ा मिला। संदीप ने सूचना गांव के सरपंच को दी।

सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिला की अनाज मण्डियों में खरीदी जा रही है गेहूं की फसल

ृजींद/सजंय तिरंगाधारी

जिला की अनाज मंडियों में गेंहू की आवक जारी है। मंगलवार को 28 अप्रैल सांय तक जिला की विभिन्न मंडियों / खरीद केन्द्रों में दो लाख 7० हजार 738 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की जा चुकी हैं। यह जानकारी देते हुए डीसी डॉ. आदित्य दहिया ने बताया कि सम्बन्धित एजेंसियों को निर्देश दिये गये है कि अनाज मण्डियों व अन्न खरीद केन्द्रों से गेहूं के उठान कार्य में तेजी लायें ताकि फसल खरीद का कार्य सहजता से पूरा किया जा सके।

उन्होंने बताया कि किसानों को मण्डियों में फसल बिक्री के दौरान कोई दिक्कत न आये, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा तमाम प्रबंध किये गये है। सुरक्षा के लिहाज से पर्याप्त पुलिस कर्मियों की डयूटियां भी लगाई गई है।

उन्होंने बताया कि खरीद के मामले में उचाना की अनाज मंडी शीर्ष पर है, यहां 47922 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हुई हैं। जुलाना अनाज मंडी में 28241 मीट्रिक टन गेंहू , नरवाना मंडी 27486 मीट्रिक टन , जींद की मंडी 18०54 मीट्रिक टन, पिल्लूखेड़ा खरीद 2००66 मीट्रिक टन गेंहू खरीदा गया है। सफीदों मंडी में 14134 मीट्रिक टन , नगूरां में 595० मीट्रिक टन, धमतान में 12194 मीट्रिक टन, अलेवा में 11271 मीट्रिक टन, गढ़ी में 4868 मीट्रिक टन, लुदाना में 227० मीट्रिक टन, उझाना में 6775 मीट्रिक टन, दनौदा में 6०32 मीट्रिक टन, छात्तर में 1०861 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हुई है।

लॉकडाउन में भी दौड़ रहे ओवरलोड टैक्टर ट्राली

पानीपत/कमाल हुसैन

लाकडाऊन में जहां पूरे हरियाणा प्रदेश की सीमाएं सील हैं,वहीं हरियाणा उत्तर प्रदेश की सनौली रोड पर लगने वाली सीमा से पराली व भूसे से भरी टैक्टर ट्रालियों की संख्या का दिन प्रतिदिन बढना दोनों ही प्रदेशों की पुलिस पर सवालिया निशान लगा रहा है। जबकि हरियाणा के किसानों को पुलिस उत्तर प्रदेश से उनकी फसल तक को नहीं लाने दे रहे है। इसलिए बीकेयू के प्रदेश महासचिव चुहड़ सिंह रावल ने दोनों ही प्रदेशों की सरकारों से मांग की है कि अवैध रूप से मांग की है कि अवैध रूप से चल रहे व लाकडाऊन तोड़ रहे उक्त टैक्टर ट्रालियों पर तुरंत रोक लगाई जाए। रावल ने कहा कि उक्त सभी टैक्टर ट्राली व्यापार हेतू चल रहे है जबकि कृषि कार्य के लिए चलने वाले टैक्टर ट्रालियों को चलने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से हर रोज सैकड़ों की संख्या में आने वाली उक्त टैक्टर ट्राली अपने जरूरी कागजात भी पूरे नहीं रखते। इसके अलावा ओवरलोड भी होते हैं,जो ना केवल नियमों का ताक पर रखकर चल रहे हैं बल्कि लोगों की जान भी जोखिम में डाल रहे हैं। इसलिए जनहित में इन पर लगाम लगाना जरूरी है।

एडीसी ने किया भोजन व्यवस्था का निरीक्षण

पानीपत/कमाल हुसैन

संयुक्त व्यापार मंडल समिति व एक प्रयास वेलफेयर सोसायटी द्वारा श्री गीता मंदिर सभा के सहयोग से वैश्विक महामारी कोरोना के चलते हजारों प्रवासी मजदूरों के लिए सुबह शाम खाने का प्रबंध किया जा रहा है। श्री गीता मंदिर धर्मशाला के प्रांगण में आज अतिरिक्त उपायुक्त प्रीति ने भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया और संस्थाओं के पदाधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पानीपत की संस्थाएं जरूरतमंदों के लिए भोजन की व्यवस्था कर-के बहुत बड़ा सराहनीय कार्य कर रही हैं।

उन्होंने लोगों से अपील की कि सोशल डिस्टेंसिंग का पूरी तरह से पालन करें व कोरोना को भगाने में सहयोग दें। इस अवसर पर प्रधान राजेश सुरी, प्रधान सुरेश बवेजा, कृष्ण अग्रवाल, इंदरजीत कथूरिया, विशाल वर्मा, सरदार बलजीत सिंह, लकी शर्मा, अशोक सलूजा, मुल्लख राज मक्कड, हरबंस सचदेवा, संजय वधवा व मिंटू आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

फसलों के अवशेष न जलायें, स्ट्रारीपर से बनवायें तूड़ा : एसडीएम

गन्नौर/एक्शन इंडिया ब्यूरो

फसल अवशेष प्रबंधन के अंतर्गत एसडीएम स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कृषि अधिकारियों की विशेष बैठक लेते हुए किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे गेहूं की फसलों के अवशेष न जलायें। फसल अवशेषों का स्ट्रारीपर मशीन की मदद से तूड़ा बनाया जा सकता है। एसडीएम कार्यालय में आयोजित कृषि अधिकारियों की बैठक में एसडीएम पाटिल ने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन अनिवार्य रूप से करायें। गांव-गांव जाकर किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करें।

आर्थिक तंगी झेल रहे परिवारों की मदद के लिए आगे आयी संस्था उम्मीद फाउंडेशन

सफीदों/यश पाल कन्चन

आर्थिक तंगी झेल रहे सफीदो हल्के के गांवो के परिवारों को सिल्लाखेड़ी के माता काली मंदिर के भगत सतीश उर्फ काला ने अपनी संस्था उम्मीद चेरिटेबल फाउंडेशन के जरिये राशन वितरित किया। राशन में 5 किलो आटा,2 किलो चावल,1 किलो नमक,प्याज आदि के साथ वह सुबह ही दो गाड़ियों में राशन भरकर अपनी टीम के साथ चार गांवो में निकल लिए थे। उन्होंने घर-घर जाकर सैकड़ोंपरिवारों को राशन वितरित किया। सतीश उर्फ काला भगत ने कहा कि आज लॉकडाउन के चलने कुछ परिवार ऐसे हैं। जिनके परिवार में न तो कोई कमाने वाला है और ना ही कोई मजदूरी करने के लायक है। जो लोग मजदूरी करते थे उन्हें भी काम नहीं मिलने के कारण राशन आदि की समस्या झेलनी पड़ती है। इस भयानक महामारी के दौर में व किसी भी प्रकार की आर्थिक तंगी से परेशान ना हो, इसलिए उन्होंने यह बीड़ा उठाया है। संस्था के सदस्य राकेश गुर्रा ने कहा वह पिछले कई दिन से देख रहे थे कि कुछ सामाजिक संस्थाओं ने शुरू के 2 सप्ताह तो राशन वितरण करने का कार्य जारी रखा।

पहले ड्यूटी बाद में परिवार, इनके हौंसले को सैल्यूट

उचाना/एक्शन इंडिया ब्यूरो

कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने में तमाम सरकारी मशीनरी जुटी हुई है। लॉकडाउन होने के कारण ऐसे में पुलिस विभाग की जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ गई है। पुलिस विभाग में ऐसी महिला पुलिसकर्मी है, जो इस माहौल में घर-परिवार को छोड़कर ड्यूटी का फर्ज निभा रही है। इस दौरान वे लोगों को कोरोना से बचाव के लिए जागरूक करने में जुटी है। ऐसी कुछ महिला पुलिसकर्मियों से बातचीत की गई तो उनका कहना था कि उनके लिए पहले ड्यूटी और परिवार बाद में है।

पुलिस जवान के सर्म्पक में आई महिला पाई कोरोना पॉजिटीव

गन्नौर/एक्शन इंडिया ब्यूरो

गन्नौर के गांव खुबडू में दिल्ली पुलिस के जवान व परिजनों व एक व्यक्ति के अलावा अब एक महिला भी कोरोना संक्रमित मिली है। संक्रमित मिलने से गांव में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 7 पर पहुंच चुकी है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग मरीजों के सर्म्पक में आए व्यक्तियों एवं महिलाओं को लगातार खानपुर पीजीआई में आईसोलेशन में भेजा रहा है। बुधवार को कोरोना पाजीटिव पाई महिला के सर्म्पक में आई तीन महिला व 7 पुरूषों सहित 10 को आईसोलेशन सेंटर खानपुर में भेजा गया है। खुबडू गांव में एक महिला के भी कोरोना पॉजिटिव मिलने से अब गांव कोरोना के मरीजों का आंकड़ा 7 पर पहुंच चुका है। बात दें कि करीब एक सप्ताह पहले कोरोना पॉजिटिव आए गांव के एक दिल्ली पुलिस के जवान के संपर्क में आने की वजह से गांव में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

नगर परिषद कार्यालय में किया सफाई योद्धाओं का सम्मान

बहादुरगढ़/प्रतिमा

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने संयुक्त रूप से नगर परिषद कार्यालय में कोरोना महामारी में पूरी निष्ठा से कार्यरत सफाई योद्धाओं का जोरदार स्वागत व सम्मान किया। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारियों ने नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर सबसे पहले सभी सफाई योद्धाओं को फूल मालाएं पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया व उसके उपरांत नगर परिषद महिला व पुरुष सफाई योद्धाओं को गमछा, मास्क व सैनिटाइजर भेंट कर सम्मान किया। विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय कोषाध्यक्ष यशपाल गांधी ने कोरोना महामारी में पूरी तन्मयता के साथ सफाई के कार्य में लगे सभी सफाई योद्धाओं की सराहना करते हुए कहा कि आपका यह योगदान भविष्य में सदैव याद रखा जाएगा। विहिप जिलाध्यक्ष जगदीश एलाबादी ने कहा कि कोरोना आपदा में सफाई योद्धा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। विहिप जिला महामंत्री संजीव शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुंभ के मेले के दौरान सफाई कर्मचारियों के पांव धोकर सफाई योद्धाओं का जो सम्मान किया था वह सम्मान आज भी बरकरार है और आगे भी सफाई कर्मचारियों का पूरी निष्ठा से कार्य करने पर संगठन तथा समाज द्वारा सम्मान किया जाता रहेगा। बजरंग दल के जिला संयोजक ऋषि सोनू भारद्धाज ने कहा कि कहा कि कोरोना महामारी से आमजन को बचाने के लिए जिस तरह से पूरे देश सहित बहादुरगढ़ क्षेत्र में सभी सफाई योद्धा पूरी निष्ठा से लगे हुए हैं इनके इस कार्य की जितनी भी सराहना की जाए वह कम है। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी आचार्य श्रीभगवान ने सफाई योद्धाओं के सम्मान में एक पौराणिक दृष्टांत बताते हुए कहा कि महाभारत काल के समय आयोजित हुए एक अश्वमेघ यज्ञ के दौरान राजा ने सभी को निमंत्रण दिया गया था मगर भूलवश सफाई योद्धाओं को निमंत्रण नहीं दिया जा सका।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में योद्धा साबित हो रहे हैं सफाईकर्मी

उचाना/सतीश शर्मा

उचाना लॉकडाउन में अपनी जिम्मेदारी के साथ लोगों को संक्रमण से बचाने में जहां डॉक्टर अपनी भूमिका निभा रहे हैं। वहीं,पुलिसकर्मी भी लॉकडाउन का पालन कराने में रक्षक बनकर मैदान में हैं, लेकिन एक और योद्धा है, जो इस कोरोना की जंग में अपनी मौजूदी का अहसास कराकर लोगों को संक्रमित होने से बचा रहा है, वह है सफाई कर्मी , कोरोना की इस जंग में गंदगी को दूर करने वाले उचाना तहसील कार्यालय के तेजभान सफाई कर्मचारी रूपी योद्धा आज भी उसी ईमानदारी और जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का निवाह कर रहा हैं, जैसे पहले करते आये हैं। कोरोना के लॉकडाउन में सबसे बड़ा योद्धा सफाई कर्मचारी है, जो सुबह से ही तहसील कार्यालय की सफाई करने में जुट जाते हैं। और उन्होंने बताया की वह तहसील कार्यालय परिसर में प्रतिदिन दो बार सफाई करने में लगा रहता हूं और दिन में दो बार सैनिटाइजर करता हूं । सफाई कर्मचारियों भी अपनी जिम्मेदारी को निभा रहा रहे हैं। ये लोग पूरे परिसर को हर वक्त साफ-सुथरा रखते हैं और बड़ी जिम्मेदारी का काम है । लेकिन ये सफाई के योद्धा अपने काम को बखूबी अंजाम दे रहे हैं।

संपादकीय

कोरोना काल में आयुर्वेद का गौरव

कोरोना महामारी से जब पूरी दुनिया आक्रांत है तब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना से लड़ने में आयुर्वेद की भूमिका को न केवल सराहा है बल्कि आयुर्वेदिक औषधियों के वैज्ञानिक प्रमाणन की जरूरत पर भी जोर दिया है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया है कि दुनिया के तमाम देशों ने कोरोना महामारी के दौरान भारत के सदियों पुराने आयुर्वेद के सिद्धांतों को भी अपनाया है। आयुर्वेद के विद्वानों के लिए यह बेहद पुरसुकून और गौरवमयी बात है। इसमें संदेह नहीं कि भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य का ज्ञान दिया। 'विषस्य विषमौषधं' का प्रथम प्रतिपादन भी भारत ने ही किया था। प्लाज्मा थेरेपी या चमगादड़ से कोरोना वायरस रोधी वैक्सीन के उत्पादन की परिकल्पना के मूल में भी भारत का 'विषस्य विषमौषधं' अर्थात विष ही विष की औषधि होती है का सिद्धांत ही प्रमुख है। आचार्य सुश्रुत ने तो यहां तक कहा था कि जो रोग जहां पैदा होता है, उसकी औषधि भी वहीं पैदा होती है। गड़बड़ी जहां होती है, उसका इलाज भी वहीं होता है। आचार्य सुश्रुत ने अपने गुरु से यह भी कहा था कि उन्हें एक भी पौधा, एक भी वनस्पति और घास ऐसी नजर नहीं आती जिसमें कोई न कोई औषधीय गुण न हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विषम कोरोना काल में आयुर्वेद की प्रशंसा कर देश-विदेश में मौजूद आयुवेर्दाचार्यों का दिल जीत लिया है। आयुर्वेदिक औषधियों के वैज्ञानिक प्रमाणन पर जोर देकर उन्होंने इस बात का संकेत दिया है कि यह देश अपनी प्राचीन चिकित्सा पद्धति के गौरवशाली दिनों को न केवल याद करता है बल्कि उसे लौटाने की दिशा में भी आगे बढ़ने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह योग और योग दिवस को दुनिया में प्रतिष्ठित किया, वैसा ही कुछ वे आयुर्वेद के साथ भी करेंगे। परंपरागत वैद्य संघ के 23 हजार परंपरागत वैद्यों द्वारा प्रधानमंत्री की राय का स्वागत किया जाना तो कमोबेश इसी ओर इशारा करता है। भारत में अनेक आयुर्वेद ग्रंथों और सिद्धांतों का लिखित संसार है। बहुत सारे ग्रंथ मुगल शासकों ने नष्ट कर दिए थे। नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालयों में लगी आग ने भारत के दुर्लभ ज्ञान-विज्ञान को नष्ट करने का काम किया था। अंग्रेजों की दासता के दौरान भी बहुत सारे आयुर्वेदिक ग्रंथ नष्ट हुए। जंगलों और पहाड़ों पर खनिजों के दोहन कार्य के दौरान भी बहुत सारे औषधीय महत्व के पौधे नष्ट हो गए लेकिन आज भी भारत के पास बहुत बड़ा वानस्पतिक औषधीय लोक है, अगर उसकी भी हिफाजत कर ली जाए तो अभी भी जन जीवन की सुरक्षा इत्मीनान और तसल्ली से की जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने मन की बात में इस बात को स्वीकार किया है कि भारत में आयुर्वेद पर बहुत सारे ग्रंथ लिखे गए जो सैद्धांतिक और शास्त्र सम्मत हैं, लेकिन आज के युग में इसे वैश्विक स्तर पर लाने के लिए वैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित करने की जरूरत है। इस बारे में यह कहना उचित होगा कि भारतीय ऋषि-मुनि तत्वदर्शी थे। उन्होंने संस्कृत में बेहद गूढ़ तरीके से औषधियों के उपयोग और उनके लाभ का वर्णन किया है। केवल शब्दों के अर्थ समझकर उनका निहितार्थ नहीं समझा जा सकता। इसके पीछे उनकी सोच यह भी कि यह मानवहितकारी शिक्षा पद्धति किसी अपात्र के हाथ में न चली जाए। इससे औषधियों का भी दुरुपयोग होता और जनस्वास्थ्य भी खतरे में पड़ जाता। पुराने वैद्य औषधियों की पहचान और उनके उपयोग में बेहद सावधानी बरता करते थे।

लॉकडाउन बढ़ने के बढ़ गए आसार

डॉ. श्रीनाथ सहाय

"कुछ पढ़े लिखे लोग भी अनावश्यक घूमकर सुनसान शहर का हाल देखने की मूर्खता से भी बाज नहीं आ रहे। एक बात सबको ध्यान रखना होगी कि जब तक कोरोना का एक भी संक्रमित मरीज रहेगा उसकी वापिसी नामुमकिन है और इसके लिए आगामी 3 मई तक के लॉक डाउन को पूरी तरह सफल बनाना जनता का फर्ज है। किसी जिले या राज्य से संक्रमण पूरी तरह खत्म होने का भी कोई लाभ नहीं होगा क्योंकि न तो वहां के लोग बाहर जा सकेंगे और न ही बाहर से कोई वहां आ पाएगा। ये देखते हुए कोरोना से चल रही लड़ाई में हर किसी को योद्धा की भूमिका निभाना होगा"

दूसरे लॉक डाउन को खत्म होने को सिर्फ चंद दिन ही शेष हैं। ऐसे में देश भर में इस बात की अटकलों का दौर जारी है कि क्या लॉक डाउन 3 मई को खत्म हो जाएगा या फिर इसको आगे बढ़ाया जाएगा। प्रधानमंत्री भी बीते सोमवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों से इस बाबत फीडबैक ले चुके हैं। लेकिन जिस तरह से देश के तमाम हिस्सों में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती जा रही है उसे देखकर इस बात का साफ अंदेशा हो रहा है कि शायद लॉकडाउन को आगे बढ़ाया जाएगा। दूसरे लॉकडाउन में सरकार ने शर्तों के साथ कई रियायतें भी प्रदान की, लेकिन मामले थमने की बजाय बढ़ते ही जा रहे हैं, ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि संक्रमण को बढ़ने से रोकने के लिए लॉकडाउन ही एकमात्र बेहतर विकल्प दिखाई देता है। असल में देश में जांच का दायरा ज्यों-ज्यों फैलता जा रहा है त्यों-त्यों कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या निरंतर बढती जा रही है। मौतें भी हो रही है और लोग ठीक होकर भी घर जा रहे हैं। लेकिन अभी तक इस बात के कोई संकेत नहीं मिल रहे जिनसे ये अंदाज लगाया जा सके कि 3 मई के बाद लॉक डाउन हटाने का निर्णय किया जा सकेगा या नहीं।

वैसे आज आई एक रिपोर्ट के अनुसार लॉक डाउन अपने उद्देश्य में सफल होता दिख रहा है क्योंकि संक्रमित मरीजों की संख्या अब 10 दिनों में दोगुनी हो रही है। लेकिन इस आंकड़े के साथ भी ये पेंच है कि इसे आनुपातिक आधार पर देखा जा रहा है जबकि होना ये चाहिए कि नये मामलों की अपनी संख्या में रोजाना कमी हो। हालाँकि विशेषज्ञों का मानना है कि संक्रमित लोगों की संख्या 50 हजार पहुंचने के बाद ही नए संक्रमणों का आंकड़ा क्रमशः नीचे आता जाएगा। यद्यपि एक वर्ग इस विश्लेषण से सहमत नहीं है। बावजूद इसके ये बात उम्मीद जगाने वाली है कि देश के अनेक जिले कोरोना संक्रमण से मुक्त भी हो चले हैं। विशेषज्ञों का एक मत यह भी है कि ॉकिडाउन भारत जैसे विशाल और गरीब देश में लंबे वक्त तक उपयोगी नहीं है।

कोरोना के खिलाफ एक तेज हथियार भी नहीं है, क्योंकि तालाबंदी के बावजूद संक्रमण का आंकड़ा 30,000 को पार कर चुका है। कुछ हद तक यह संतोषजनक है कि मौतों की संख्या

1000 को लांघ चुका है। हमारी औसत मृत्यु-दर भी तीन फीसदी के करीब है और मरीजों के स्वस्थ होने का औसत भी 22 फीसदी से अधिक है। इसके बावजूद दावा नहीं किया जा सकता कि कोरोना वायरस समाप्त होगा। दरअसल अर्थशास्त्री, डॉक्टर, कारोबारी और बौद्धिकों का एक वर्ग मानता है कि लॉकडाउन की बंदिशों को धीरे-धीरे कम किया जाना चाहिए। खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मानना है कि आर्थिक गतिविधियां लंबे वक्त तक रोकी नहीं जा सकतीं। कई स्तरों पर उन्हें खोला भी गया है। लॉक डाउन से लेकर तमाम दूसरे उपायों के बीच एक नयी समस्या और खतरा पैदा होता दिख रहा है। विभिन्न राज्य सरकारें जनमत के दबाव और समाचार माध्यमों में हो रही आलोचना के कारण दूसरे राज्यों में फंसे अपने मजदूरों को वापिस लाने की व्यवस्था कर रही हैं। इनकी संख्या भी बड़ी है। पहले तो इतने लोगों का परिवहन बड़ी समस्या होगी और यात्रा के दौरान सोशल डिस्टेसिंग का पालन भी लगभग असंभव होगा।

राज्य में आने वाले इन लोगों को आइसोलेशन में रखना छोटी बात नहीं होगी। चूंकि इस तबके में अशिक्षित लोग ही ज्यादा होते हैं अतः उनसे अनुशासन की ज्यादा अपेक्षा करना भी व्यर्थ है। पिछले दिनों ही यूपी सरकार ने कोटा में फंसे छात्रों और हरियाणा में फंसे श्रमिकों को वापस बुलाया है। लेकिन बड़ी संख्या में बाहर से लाये गये लोगों के कारण संक्रमण न फैल जाए ये देखना जरुरी है। इस दृष्टि से लॉक डाउन के बचे हुए दिनों में यदि नये संक्रमणों की संख्या में कमी नहीं आती तब उसे आगे बढ़ाना जरूरी हो जाएगा। और इसी बात का प्रचार जोरों से होना चाहिए।

कुछ पढ़े लिखे लोग भी अनावश्यक घूमकर सुनसान शहर का हाल देखने की मूर्खता से भी बाज नहीं आ रहे। एक बात सबको ध्यान रखना होगी कि जब तक कोरोना का एक भी संक्रमित मरीज रहेगा उसकी वापिसी नामुमकिन है और इसके लिए आगामी 3 मई तक के लॉक डाउन को पूरी तरह सफल बनाना जनता का फर्ज है। किसी जिले या राज्य से संक्रमण पूरी तरह खत्म होने का भी कोई लाभ नहीं होगा क्योंकि न तो वहां के लोग बाहर जा सकेंगे और न ही बाहर से कोई वहां आ पाएगा। ये देखते हुए कोरोना से चल रही लड़ाई में हर किसी को योद्धा की भूमिका निभाना होगी। इसमें कोई दो राय नहीं है कि कोरोना एक जंजीर की तरह से है। उसमें नई कड़ियां न जुड़ें तभी उसे तोड़ पाना सम्भव होगा वरना वह और लम्बी होते हुए मजबूत होती जायेगी।

उसका फैलाव रोकने का ये बड़ा ही नाजुक समय है वरना हमें एक और लॉक डाउन के लिए तैयार हो जाना चाहिए जो हो सकता है इससे भी लम्बा हो। इसलिए खुद भी सतर्क रहें और दूसरों को भी ये समझाएं कि लॉक डाउन सजा न होकर बचाव का उपाय है। बेशक इसके कारण हमारा सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है लेकिन यदि हम अपनी और अपने परिजनों की सुरक्षा चाहते हैं तो हमें ये तकलीफ सहनी ही होंगी क्योंकि जीत का यही एकमात्र रास्ता है। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि लॉकडाउन करके देश को आर्थिक गर्त में धकेला नहीं जा सकता।

अब चरणबद्ध तरीके से इसे खोलना शुरू करना चाहिए और बीमारी से बीमारी की तरह ही लड़ना चाहिए। लॉकडाउन के बावजूद विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी डराती है कि कोरोना का खात्मा अभी बहुत दूर है। अभी अफ्रीका, पूर्वी यूरोप, लैटिन अमरीका और कुछ एशियाई देशों में कोरोना का असर देखना शेष है। देश में 300 जिले ऐसे हैं, जहां संक्रमण का नामोनिशान नहीं है। बहुत कम संक्रमण वाले भी 297 जिले हैं। कमोबेश उन्हें आधार बनाकर लॉकडाउन में रियायतें देने की शुरूआत की जा सकती है, क्योंकि ढर्रे पर जिदगी आने में भी लंबा वक्त लगेगा। फिलहाल देश के 170 जिले ही रेड जोन में हैं, जहां कोरोना वायरस लगातार फैलता रहा है। प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग की। कुछ मुख्यमंत्रियों ने तो लॉकडाउन को आगे बढ़ाने का सुझाव दिया। वैसे महामारी को रोकने के लिए अभी कोई वैक्सीन का आविष्कार नहीं हुआ है। इसलिए जो सुरक्षित इलाके हैं, वहां पर आर्थिक क्रियाओं को कुछ शर्तों के साथ शुरू करने की अनुमति दी जाने चाहिए। सब्जी मंडी अथवा किरयाने की दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखना चाहिए। लेकिन बाकी इलाकों पर लॉकडाउन तथा सोशल डिस्टेंसिंग के निदेर्शों को कड़ाई से लागू करना चाहिए। इसके साथ ही सरकार द्वारा जारी निदेर्शों पर सख्ती से अमल होना चाहिए। प्रधानमंत्री दफ्तर का कहना है कि जो राज्य या क्षेत्र कोरोना से ज्यादा प्रभावित हैं, लॉकडाउन वहीं प्रभावी रहेगा। अब यह देखना अहम होगा कि अगर लॉकडाउन को आगे बढ़ाया जाता है तो किन शर्तों के साथ संक्रमणरहित क्षेत्रों में छूट मिलेगी।

लॉकडाउन के साथ-साथ निर्धन, किसान, श्रमिक, छोटे कारोबारियों की आर्थिक चिन्ताओं का भी सरकार ध्यान रखेगी ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। वैसे जान है तो जहान है।

कविता

गिर कर उठना

गिर जाता हूं मैं बार बार
चल देता हूं फिर उठ कर
सीख कहां पाया हूँ कुछ भी
क्यूँ छल कपट में लगा हूँ
तेरा मेरी करना दूनिया में
भगवान को क्यों भूल गया हूँ
कर्मशील है मेरा जीवन
कर्तव्यनिष्ठ मैं बन जाता हूँ
अन्तहीन राहों पर चलना
अंत नहीं जीवन का कोई
गिर जाता हूं बार बार
चल देता हूँ उठ कर
अनन्त रहस्य हैं अंतरिक्ष में
गूड रहस्यों में खोया हूँ
संसार बना उत्तम पाठशाला
मैं विद्यार्थी बना हुआ हूँ
गिर जाता हूँ मैं बार बार
चल देता हूँ फिर उठ कर
सुख मैं ही सबको भुला
दुख में खुद को पाया अकेला
ऊपर वाले तेरे खेल निराले
मैंने खुद को पाया खिलौना
गिर जाता हूँ मैं बार बार
चल देता हूँ फिर उठ कर

मुकेश बिस्सा

सब जगह विद्यमान है परमात्मा

मंगल व्यास भारती

सारा संसार आज एकता की बात कर रहा है पर अलग-अलग भाषाएं, संस्कृतियाँ, समाज विचारों में विविधता बनाए हुए हैं। धर्म ग्रंथों में यह विदित है कि परमात्मा ने पाँच तत्व (मिट्टी, अग्नि, पानी, वायु, आकाश) से पुतला बनाया। इसमें ईश्वर का अंश छठा तत्व जीव है, जिससे यह जीवित है। यह जीवात्मा (दुनिया के हर मानव चाहे वह स्त्री है या पुरूष, गोरा है या काला, दुनिया के किसी भी हिस्से में रहता है। सब में समान रूप में विद्यमान है। सब में एक समान तत्व हैं, किसी में छः तत्व नहीं और न हीं किसी में चार तत्व लगे हैं। प्रभु ने सब में अपना अंश डाला, एक जैसा बनाया, संवारा, कहीं कोई भेद नहीं किया। अगर हम यह मान लें। विश्वास कर लें। स्वीकार कर लें। धारना कर लें कि परमात्मा सब जगह है तो बहुत सुगमता से परमात्मा की प्राप्ति हो जायेगी।लेकिन हमारी दृष्टि उस ओर जाती ही नहीं. क्योंकि हमें लोभ मोह माया ने अपने पास बांध रखा है। सिर्फ घर परिवार में बंधे हुए है।

ये सब ठीक है। पर जो उस सृष्टि कर्ता ने हमें जो कुछ दिया उसमें संतोष करना इंसान के दिमाग में कभी नहीं रहा। उसे तो उससे आगे बढ़ चढ़कर चलना है। खाने के लिए साग सब्जी फल फूल आदि सब उपलब्ध कराया गया है।

पर उसमें कुछ अच्छा नहीं लगा। ईश्वर ने जीव-जीव का बैर बनाया। पर इंसान को बुद्धि में श्रेष्ठ बनाया पर अपने अलग अलग आविष्कार से ये भूल गया कि उससे श्रेष्ठ धरती पर कोई नहीं। जो इसे रोक सके। जाने आज क्यूं ऐसा लगता है कि धरती की ये पुकार हो। और सब उस विधाता की विधि पर तय किया हुआ है। जो पहले ही उन ग्रथों में लिखा गया। सचेत करने का इससे सीधा सरल कोई उपाय भी न था। ये सब बातें होने वाली सटीक जो इंसान को बतलाने के अलावा कोई और रस्ता समझ आने वाला नहीं था।

जो नारद संहिता रामायण शिव पुराण आदि ग्रथों में उजागर कर दिया गया था। इंसान फिर भी विश्वास न कर पाया। मद मस्त हाथी सा अपनी चाल में इतना इतराया कि पता न चला समय के इस प्रकाश में ज्ञान विज्ञान पैसे की भाग दौड़ में सब कुछ भूला। यहां तक कि उस परम पिता की छवि जो हर समय एक टक लगाये। हम इंसान की तरफ नजर रखता है। जो जीवों को खाने में खा कर हत्याचार किया उसी का बदला लेने ये कोरोनानामक वाइरस जो दिखता नहीं समझो ये कौन है अनदेखा ईश्वर का ही दूत है।जो देखने में निंजीव पर इंसान के शरीर में प्रवेश कर संजीव हो जाता है। ये सब क्यों हुआ जानो इसका कारण एक ही है आंतकवाद भ्रष्टाचार मार काट देश विदेश अपने आप में बड़ा मानकर चलना है।ये सीधा सपाट असर जो चल रहा है महामारी इसे कहते हैं।

विचार

गरीबो की समस्याएं दूर हो इसके लिए हो व्यापक पहल

सोनम लववंशी

मरहम लगा सको तो किसी गरीब के जख्मों पर लगा देना ... हकीम बहुत है बाजार में अमीरों के इलाज की खातिर... आज ये चंद लाइने सामाजिक जीवन में यर्थाथ लगती हैं। देश कोरोना के कहर तले दबा है। फिर भी आज अमीरी और गरीबी के बीच अंतर साफ दिखाई दे रहा है । कोरोना महामारी ने भी एक बार पुनः साबित कर दिया। देश में समस्या कोई भी आएं उसका दंश झेलता आम गरीब इंसान ही है। ऐसे में लगता तो यहीं है कि हाशिए पर बैठे गरीब लोगों के नसीब में ही शायद ईश्वर, अल्लाह ने ये लिखकर भेजा है। वरना बीमारी शुरू हुई अमीरों से और भुगते गरीब ऐसा थोड़े न होता है। आज कोरोना भले एक वैश्विक महामारी बन चुका है , और हम सभी जानते है कि इसकी शुरूआत चीन के वुहान शहर से होते हुए यह सम्पूर्ण विश्व में फैल गया है । भारत को भी इस बीमारी ने अपनी चपेट में ले लिया है । आज सभी लोग हालात से भली भांति परिचित है। लेकिन एक कड़वा सच भी है जिसे सब जानकर भी अंजान बन बैठे है और वो सच यह है कि ये बीमारी अमीरों की ही देन है ... ये शब्द सुनने में जरूर कड़वे लग रहे होंगे लेकिन सच्चाई यही है। ऐसे में देन किसी ओर की और उसकी कीमत कोई और चुका रहा है। देखिए न आज गरीब- मजदूर वर्ग दर दर भटक रहा है, और जिस अमीर वर्ग द्वारा यह बीमारी लाई गई वह चैन की बाँसुरी घर में बैठ बजा रहा। आखिर यह कैसा न्याय है!

इतिहास गवाह है कि जब भी कोई महामारी आई है, उसकी शुरूआत उच्च वर्ग के लोगो से ही हुई है । फिर वह चाहे 1526 के आसपास फैले चेचक या कालरा की हो या फिर 1817 में फैले इंडियन प्लेग की हो। इन सभी महामारियों का पहला कैरियर अमीर वर्ग ही होता है। ये महामारी दुनिया की खोज में लगे नाविकों, व्यापारियों ,समुद्री जहाज के चालको और उनके कर्मचारियों, सैनिकों ,पर्यटकों , बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के कर्मचारियों और अफसरों के कंधों पर सवार होकर ही एक देश से दूसरे देश मे फैली थी । आज अगर हम कोरोना वायरस के फैलाव की ही बात करे तो इसकी शुरूआत भी कही न कही विदेशी पर्यटकों , हवाई जहाज में सफर करने वाले अमीर वर्गों के लोगो, विदेशों में पैसा कमाने वाले अमीरों से शुरू होकर ही यह हमारे देश में, समाज में और अब गांव तक पहुँची है । जिसकी सजा आज गरीब और मजदूर वर्ग को भुगतनी पड़ रही है । ये वही मजदूर है जो काम की तलाश में शहर में गए थे, लेकिन जब मुसीबत की घड़ी आई तो इन्ही गरीब मजदूरों को नजर अंदाज कर दिया गया। अब न वह प्रदेश उन्हें अपना रहा जिसे मजदूरों ने अपने खून-पसीने से खड़ा किया और न ही वह सरकार अपना रही जिसके वे वाशिंदे है। ऐसे में वे जाएं तो कहां जाएं। इनसे न केवल इनका काम छीन लिया गया बल्कि दो वक्त की रोटी तक को मोहताज हो गए है। देश में हर दिन न जाने ऐसी कितनी घटनाएं घटित हो रही जो मन को झकझोर देती है। पर अफसोस की इन गरीबो के दर्द का मुकम्मल ईलाज कोई नहीं कर रहा है। कुछ हो रहा तो सिर्फ दावों और वादों की पोटली से अपनी सियासत चमकाई जा रहीं। दुर्भाग्य देखिए उस संवैधानिक देश का। जिसकी प्रस्तावना हम भारत के लोग से शुरू होती। उस देश के सियासत के सुरमा विपदा की स्थिति में भी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने की जुगत लगाएं रहते। सवाल कई हैं, लेकिन गरीबो की तरफ से सवाल पूछेगा कौन? पहला सवाल तो यही है। वे थोड़े न राजनैतिक दलों को चंदा देते जो उनकी फिक्र की जाएं। देते सिर्फ वोट हैं वह तो चुनाव के दौरान डरा धमकाकर उनसे ले ही लिया जाएगा। जब इस वायरस ने विदेशी जमी पर अपने पैर पसारे तो विदेशों में बसे भारतीयों को लाने में सरकार ने बिल्कुल भी देरी नही की ।लेकिन जब शहरों में फंसे मजदूरों की बारी आई तो उन्हें अपने दर्द में रोने के लिए छोड़ दिया गया। इतिहास गवाह है दर्द की कीमत तो गरीबो को ही चुकानी पड़ती है कभी अपना पसीना बहाकर तो कभी अपने आंसू बहाकर। जब देश मे लॉकडाउन किया गया राज्यों की सीमाओं को सील कर दिया गया तो किसी ने यह नही सोचा कि उन लाखों करोड़ों लोगों का क्या होगा जो अपने गांवों से दूर शहरो में मजदूरी के लिए गए है ।ये कोई चुनावी मुद्दा तो था नही जो सरकारें उनकी चिंता के लिए हाथ बढ़ाती ,ये तो गरीब मजदूर वर्ग था जो बना ही कुबार्नी देने के लिए था फिर कैसे उनके दर्द को तवज्जों दी जाती , क्यों उन्हें अपने घरों में जाने के लिए कोई उचित व्यवस्था की जाती। इन मजदूरों में कहा कोई राजनेता या वीआईपी का बेटा था जो उनके दर्द का शोर सरकार को सुनाई देता। देश विविधिताओं से भरा हुआ है, कोरोनो की वजह से देश मे सम्पूर्ण लॉक डाउन कर दिया गया है, लोगो को भीड़ लगाने पर सख्त पाबंदी लगा दी गई है । लेकिन जब किसी पूर्व नेता की शादी का सवाल हो तो सैकड़ो लोगो की भीड़ इकट्ठा हो जाना भी कोई गलत नही समझा जाता है। लेकिन भूख से तड़पते लोग अपने घरों की ओर जाने के लिए निकले तो लॉक डाउन तोड़ने का इल्जाम लगा दिया जाता है और डंडे बरसाए जाते है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: DELHIN / 2006 / 19302

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक राकेश भारद्वाज, बी-244, मजलिस पार्क, दिल्ली-33 ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।
दूरभाष नं. - (011) 47502546
फैक्स - (011) 27677673
9999889104, 9250706656
ई-मेल : actionindianews@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

आलेख

या त्यो अकल की हुश्यारी

कृष्ण कुमार निर्माण

सारयी दुनिया इस भाऊ क्ये आग्ये नाचण लाग्य रये सै घणी कसूती ढाल्या। एक और सरकार नाचण लाग्य रयी और पूरा बजार नाचण लाग्य रया नाचण लाग्य रया ।अमीर भी नाचण लाग्य रया। बालक-बुलक त्यो सदा त्ये नाच रये अर आजकाल त्यो आपणे माँ-बाबुआ न्ये भी नचाण लाग्य रये सै किमे-किमे करक्ये। ज्यब त्ये ऑनलाइन पढाई शरू होयी सै ज्यब त्ये ए मास्टर नाचण लाग्य रये, गैल्या बालक भी नाचण लाग्य रये अर गैल्या-गैल्या बालक भी नाचण लाग्य रये ।लुगाई आग्ये लोग त्यों सदा ए नाचदये आये भाई। घणे त्यो आंगलियां प्ये भी नाचदये देख्ये अर सुणे ग्ये सै। लातयां क्ये आग्ये भूत भाजत्ये अर खूब नाचदये सुणे होग्ये हाम सबन्ये। अर डी जे क्ये आग्ये त्यो घणे इस ढाल्ल नाच्चै जाणू सारयी नाचण आल्यी माई इसम्ये आग्यी अर इब बस नाचण का इनाम योहये लेज्याग्या। घणे त्यो बेरी बाथरूम म्ह भी नाच्चै। कई त्यो दारु पीक्ये इस्से नाच्चै क्ये श्री देवी न्ये भी फेल करदये सै ।कई त्यो बिना ए बात खड़्ये-खड़्ये इस ढाल्ल मटक्ये जाणु हेमामालनी सी मटक्ये। अर भै म्हारी-थारी क्ये बात सै, धरती प्ये आक्ये त्यो शंकर भोली भी नाच्या बता। ब्र्ह्मा भी नाच्या और बोल। अर और सुणो मोर न्ये नाचदया देख्य क्ये कुणसा राजी कोन्या होन्दया ।धरती भी, अम्बर भी अर बादल भी नाच्चै सै। कई त्यो बेरी रोंदये-रोंदये भी नाच्चै सै। वो कहावत सै म्हारे हरियाणे म्ह अक डूम की रोवग्यी त्यो सुर म्ह रोवग्यी। नाचणा भी जरुरी कोन्या भाई पर नाचणा त्यो म्हारी फितरत म्ह शामिल सै ।नाचणा त्यो इस ढाल्ल सै ज्यूकर जीण खातर सांस लेणा जरुरी सै अर और सुणो दादा लखमी नाच्या,ज्यबै त्यो दादा लखमी न्ये लिख्या अक--

जीव जंत अर पशु पखरेउ,या नाच्चै दुनिया सारयी।
नाचण म्ह क्ये दोष बताया,या अक्ल की हुस्यारी।।

म्हारा दादा लखमी शेक्सपीयर का फूफा भी था, कदये किसे क्ये बहम हो ।त्यो भाई नाचण म्ह क्ये बुराई अर हाम त्यो इस्से माणस सा देख्यो ज्यब सबन्ये यो भाऊ परेशान कर रया,हाम त्यो ज्यब भी ताली बजा-बजाक्ये खूब नाच्चै अर इस्से नाच्चै अक भाऊ भी न्यू सोचण लाग्या अक ये किसे माणस सै,मैं इन्ने परेशान करण लाग्य रया सूं। ये फेर भी नाचण लाग्य रये सै। त्यो भाइयो अर भाहणों म्हारी त्यो यो कुदरती गुण सै हाम त्यो भूखे भी नाच्या करये सै। त्यो खूब नाच्यो,गाओ अर खुशी मनाओ,एक दिन त्यो माट्टी म्ह मिल ए ज्याणा सै। त्यो सारया न्ये आज नाचण आल्ये डे की घणी घणी बधाई हो भै। जै राम जी की।

अगला चरण स्मार्ट लॉकडाउन हो

डॉ. राकेश राणा

कोरोना संक्रमण की महामारी का संकट कोई सामान्य नहीं है। भारत अपनी सूझबूझ और आध्यात्मिक दृष्टि के जीवनानुभवों से बहुत सहज और आत्मविश्वास के साथ इस जीवन जंग में जीत की तरफ बढ़ रहा है। भारत ने इसे कैसे बनाया दुनिया का सबसे बड़ा स्मार्ट लॉकडाउन मॉडल? यह सबके लिए हैरान कर देने वाला विषय बना हुआ है। दुनिया में लॉकडाउन का सबसे बड़ा सफल मॉडल भारत ने कैसे लागू किया? यह संकट के बाद समाधान का सबसे समझने लायक पक्ष होगा। भारत में लॉकडाउन का प्रथम चरण 25 मार्च से 14 अप्रैल था। दूसरे चरण ने लॉकडाउन को 3 मई तक विस्तारित किया। लॉकडाउन के प्रथम और द्वितीय चरण की सफलता का श्रेय दूरदर्शी भारतीय नेतृत्व के साथ-साथ भारत के जन-सामान्य को भी जाता है। जिसने पूरे धैर्य और विश्वास के साथ संकट की इस घड़ी में समाज और सरकार का सहयोग किया। ऐसे में विश्व समाज में आशा का संचार करने हेतु भारत अपने सफल लॉकडाउन का सफलतम संदेश विश्व-समाज को देने में आगे रहा। यह अब और भी जरूरी हो गया है कि भारत लॉकडाउन का समापन सफल से सफलतम की ओर बढ़ते हुए स्मार्ट लॉकडाउन के रूप में करे।

जिसका आगाज उस विश्वास के साथ करे जिसमें महामारी के खतरनाक खतरे से सावधानी, समझदारी, जिम्मेदारी के विश्व नागरिक भाव वाला उत्तरदायित्व उभरकर सामने आए। अब समुदाय, उद्योग-जगत, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों तथा ग्रामीणों किसान, मजदूर एवं पंचायत प्रतिनिधियों से बात कर लॉकडाउन को प्रभावी और परिणामी बनाना है। स्मार्टली बचाव को उपचार पद्धति के रूप में इस महामारी के संक्रमण से स्वयं को और अपने समुदाय को बचाते हुए अपने दैनंदिन रुटीन को उत्पादन गतिविधियों की ओर लेकर जाना है। यह लॉकडाउन को अंतिम चरण के रूप में स्मार्ट लॉकडाउन बनाने की सफल प्रक्रिया सिद्ध होगी। वास्तव में कोरोना पर जीत का सफल मॉडल यही हो सकता है। समाज और सरकार की कदमताल में एक व्यवस्थित-क्रम हो जो जन-जागरण से ही संभव है। सरकार की सतर्कता और तैयारी के साथ समाज की सावधानी और समझदारी से तथा बाजार की वफादारी से ही हारेगी ये महामारी। सब मिलकर ही कोरोना के किले को भेद पाने में सफल हो सकेंगे। 3 मई के बाद लॉकडाउन का बढ़ना कुछ आंशिक अभ्यासों को शुरू करने के साथ अपनी सार्थकता सिद्ध कर पायेगा। दस हफ्ते शांति से अपने घरों में बंद रह लेना और सब सह लेना लॉकडाउन की सफलता-विफलता तय नहीं करेगा।

आज का दिन: 1991: बांग्लादेश में भीषण चक्रवात में सवा लाख से अधिक लोगों की मौत और 90 लाख लोग बेघर हुए।

सार-समाचार

PM-Kisan: हर साल मिलते हैं 6,000 रुपये, स्कीम का लाभ उठाने के लिए इस तरह कराएं रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली.देश अभूतपूर्व संकट से जूझ रहा है। कोरोना की वजह से लॉकडाउन लागू है। इस कारण कई लोगों के रोजगार पर असर पड़ा है। इसका सबसे ज्यादा असर किसानों, छोटा-मोटा कारोबार करने वाले एवं दिहाड़ी मजदूरों पर हुआ है। हालांकि, इस मुश्किल में केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi) के तहत 2,000 रुपये की पहली किस्त मिलने से आठ करोड़ से अधिक किसानों का काफी राहत मिली है। हालांकि, अगर इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के पात्र हैं और अब तक आपका नाम किसान सम्मान निधि योजना के लिए नहीं जुड़ा है, तो अभी नए वित्त वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराने का बढ़िया मौका है।

किन माध्यमों से किया जा सकता है PM-Kisan योजना के लिए पंजीकरण

1. किसान स्थानीय पटवारी/ राजस्व अधिकारी/ राज्य सरकारों की ओर से पीएम किसान योजना के लिए नामांकित नोडल अधिकारी के जरिए इस योजना के लिए अपना पंजीकरण करा सकते हैं।
2. साझा सेवा केंद्रों (CSCs) को इस स्कीम के लिए किसानों के रजिस्ट्रेशन के लिए अधिकृत किया गया है।
3. किसान PM-Kisan की वेबसाइट के जरिए खुद ही इस योजना के लिए पंजीकरण करा सकते हैं।

वेबसाइट के जरिए ऐसे किया जा सकता है रजिस्ट्रेशन

1. सबसे पहले pmkisan.gov.in पर लॉग-ऑन करें।
2. इसके बाद 'Farmers Corner'' पर जाएं।
3. यहां ड्राप डाउन लिस्ट से 'New Farmer Registration' पर क्लिक करें।
4. अब एक पेज खुलेगा, जिस पर आपको अपना Aadhaar Card नंबर और कैप्चा कोड डालकर आगे बढ़ना होगा।
5. अब नया पेज खुलेगा, जहां आपका निजी जानकारी, जमीन से जुड़ी जानकारी भरकर फॉर्म को सबमिट करना होगा।

अन्य सुविधाओं का भी उठा सकते हैं लाभ

आप चाहें तो Farmer's Corner की मदद से ही आवेदन की स्थिति भी जांच सकते हैं। इस वेबसाइट के जरिए किसान PM-Kisan के डेटाबेस में आधार डेटाबेस के मुताबिक अपने नाम में संशोधन कर सकते हैं। इसके अलावा अपने खाते में भुगतान की स्थिति का पता भी लगा सकते हैं।

Lockdown ने तोड़ी किसानों की कमर, इस कारण अपनी फसल उजाड़ने के लिए मजबूर हुए किसान

नई दिल्ली.कोरोना वायरस (Coronavirus) की वजह से लगे लॉकडाउन ने किसानों की कमर तोड़ दी है. फूलों की खेती करने वाले किसानों पर इन दिनों आफत सी आ गई है. नवरात्रि में फूलों की सबसे ज्यादा मांग होती है, वह लॉकडाउन में निकल गया. फूलों की दूसरी बड़ी मांग शादी-ब्याह में होती है वह भी लॉकडाउन की भेंट चढ़ गया है. ऐसे में किसान नई फसल की तैयारी के लिए अपने फूलों की खेती को खुद उजाड़ने के लिए लाचार हैं.

फूलों की खेती करने वाले उत्तर प्रदेश के किसानों का कहना है कि उनका बिजनेस लॉकडाउन के कारण चौपट हो गया है. अपनी ही खेती उजाड़ने को लेकर मेरठ के एक किसान महिपाल सिंह ने कहा, "मैं ऐसा करने के लिए मजबूर हूं क्योंकि नई फसल की तैयारी के लिए जमीन को तैयार करना है. करीब 30 परिवार इस पर निर्भर करते हैं. हमें 10-12 लाख रुपए का नुकसान हुआ है."

गौरतलब है कि भारत में फूलों का इस्तेमाल मंदिर और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी किया जाता है. लेकिन लॉकडाउन के कारण मंदिरों में ताला लगा है. सब कुछ बंद होने के कारण इन्हें न तो कोई ले जाने वाला है और न ही कोई खरीदने वाला. ऐसे में फूल मुरझा चुके हैं और किसानों को लाखों का नुकसान हुआ है.

आपको बता दें कि स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में कोरोना के कुल मामलों का आंकड़ा 31,332 पहुंच गया है. इससे ठीक होने वालों की संख्या 7,696 है और इससे मरने वालों की संख्या 1,007 है.

बर्बादी के कगार पर आई Us Crude Oil इंडस्ट्री

कई उत्पादकों के पास अब केवल बचा तेल कुओं को बंद करने का विकल्प

नई दिल्ली. कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को कुछ तेजी देखने को मिल रही है। बुधवार सुबह WTI क्रूड ऑयल और ब्रेंट क्रूड दोनों के ही फ्यूचर भाव में बढ़त देखने को मिल रही है। बुधवार सुबह WTI क्रूड ऑयल का वायदा भाव 11.99 फीसद या 1.50 डॉलर की बढ़त के साथ 13.84 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा था। वहीं, ब्रेंट ऑयल का फ्यूचर भाव बुधवार सुबह 2.81 फीसद या 0.64 डॉलर की बढ़त के साथ 23.37 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा था। कीमतों में भले ही बढ़त देखी जा रही हों, लेकिन यह भाव इंडस्ट्री के हितों को देखते हुए काफी निचले स्तर पर है। खपत में अभूतपूर्व गिरावट और स्टोरेज का संकट होने के कारण लंबे समय से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आ रही है। हालत यह है कि यूएस ऑयल

इंडस्ट्री बर्बादी के कगार पर आ गई है। ऑयल प्राइस डॉट कॉम के अनुसार, कीमतें गर्त में जा चुकी हैं और स्टोरेज लगभग फुल हो गया है। ऐसे में कई उत्पादकों के पास अपने तेल कुओं को बंद करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। इसका मतलब है कि आय शून्य हो जाएगी। कई तेल उत्पादकों पर पहले से ही कर्ज का बोझ है और अब आय ना होने से वे दिवालिया होने की ओर अग्रसर होंगे।

कोरोना वायरस ने ऑयल इंडस्ट्री को बदलकर रख दिया है। इस महामारी का प्रकोप जितने अधिक समय तक रहेगा, ऑयल इंडस्ट्री उतनी खस्ताहाल होती जाएगी। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए दुनिया भर में लगाए गए प्रतिबंधों में ढील नहीं मिलने से तेल की खपत में रिकवरी नहीं हो पा रही है। प्रतिबंधों के कारण दुनिया में कच्चे तेल की मांग में करीब तीन करोड़ बैरल प्रति दिन की कमी हुई है। क्रूड ऑयल की कीमतों में भारी गिरावट के बावजूद देश के बड़े महानगरों में अभी भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें यथावत बनी हुई है। देश में करीब 45 दिनों से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के बड़े महानगरों में 14 मार्च से ही पेट्रोल व डीजल की कीमतें यथावत चली आ रही हैं। बुधवार को दिल्ली में पेट्रोल 69.59 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 62.29 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

कोलकाता की बात करें, तो यहां बुधवार को पेट्रोल 73.30 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 65.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल बुधवार को 76.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 66.21 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। चेन्नई की बात करें, तो यहां बुधवार को पेट्रोल 72.28 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 65.71 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

SBI की एक साल की FD से ज्यादा ब्याज मिल रहा है इन बैंकों के बचत खातों पर, जानिए क्या हैं नियम

नई दिल्ली.भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 27 मार्च 2020 को रेपो रेट में की गई 0.75 फीसद की कटौती के बाद कई बैंको ने जमा पर ब्याज दरों को घटाया है। देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने बचत खातों पर ब्याज दर को 0.25 फीसद कम कर दिया है। इन खातों पर अब 2.75 फीसद सालाना ब्याज मिल रहा है। यह ब्याज दर 15 अप्रैल 2020 से प्रभावी हो गई है। इसी तरह प्राइवेट सेक्टर के आईसीआईसीआई बैंक ने बचत खातों पर ब्याज दर को 0.25 फीसद कम कर दिया है। घटी हुई ब्याज दर 9 अप्रैल से प्रभावी है। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक ने भी बचत खातों पर ब्याज दर को अप्रैल महीने में दो बार कम किया है।

इस तरह बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) पर भी ब्याज दर में कटौती की है। आरबीआई द्वारा रेपो रेट घटाने के बाद बैंकों ने एफडी की ब्याज दरों को घटाया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एफडी पर ब्याज दरों में 0.20 से 0.50 फीसद तक की कटौती की है। इस समय एसबीआई के एक साल के फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दर 5.70 फीसद है। अगस्त 2004 के बाद से यह पहली बार है, जब यह ब्याज दर छह फीसद के नीचे गई है। विडंबना यह है कि एसबीआई की एक साल की एफडी पर ब्याज दर कुछ बैंकों द्वारा बचत खातों पर (कुछ शर्तों के साथ) दी जा रही ब्याज दर से भी कम है। आइए जानते हैं कि वे बैंक कौन-कौनसे हैं, जो बचत खातों पर एसबीआई की एक साल की एफडी की ब्याज दर से भी ब्याज दर रखे हुए हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक बचत खाते पर 6 से 7 फीसद ब्याज दर की पेशकश ग्राहकों से कर रहा है। इसी तरह आरबीएल बैंक 5 से 6.75 फीसद, बंधन बैंक 4 से 7.15 फीसद, डीबीएस बैंक 4 से 7 फीसद और इंडसइंड बैंक 4 से 6 फीसद ब्याज दर की पेशकश बचत खाते पर कर रहा है।

इसके अलावा स्मॉल फाइनेंस बैंक्स की बात करें, तो उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक बचत खाते पर 7 से 7.75 फीसद, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक 6.25 से 7 फीसद, नॉर्थ-ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक 5 से 7 फीसद, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक 4.50 से 7.50 फीसद और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक अपने ग्राहकों से बचत खाते पर 4.50 से 7 फीसद की ब्याज दर की पेशकश कर रहा है।

हालांकि, बचत खातों पर अधिक ब्याज दर के लिए बैंकों ने कुछ शर्तें भी रखी हुई हैं। उदाहरण के लिए एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक उस स्थिति में उच्च ब्याज दर की पेशकश करता है, जब बचत खाते में अधित बैलेंस रखा गया हो। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, एख लाख से कम बैलेंस पर 4.5 फीसद सालाना की ब्याज दर की पेशकश की जा रही है। वहीं, बचत खाते में बैलेंस एक लाख से 50 लाख के बीच है, तो 5.5 फीसद ब्याज दर रखी गयी है। इसके अलावा 50 लाख से 5 करोड़ के बीच बैलेंस होने पर सात फीसद सालाना ब्याज दर की पेशकश की जा रही है।

Gold Futures Price: सोने की वायदा कीमतों में आई गिरावट, जानिए क्या चल रहा है भाव

नई दिल्ली.सोने की वायदा कीमतों में बुधवार को भी गिरावट देखने को मिली है। बुधवार सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर पांच जून 2020 के सोने का वायदा भाव एमसीएक्स एक्सचेंज पर 71 रुपये की गिरावट के साथ 45,995 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रहा था। इसके अतिरिक्त बुधवार सुबह 10 बजकर 13 मिनट पर पांच अगस्त 2020 के सोने का वायदा भाव एमसीएक्स पर 76 रुपये की गिरावट के साथ 46,161 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रहा था। लॉकडाउन के 3 मई तक बढ़ने के कारण बुधवार को भी देश में सोने-चांदी के हाजिर बाजार बंद रहेंगे। वहीं, चांदी के वायदा भाव में बुधवार सुबह उछाल देखने को मिला है। बुधवार सुबह एमसीएक्स पर तीन जुलाई 2020 की चांदी की वायदा कीमत 0.77 फीसद या 326 रुपये की बढ़त के साथ 42,670 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेंड कर रही थी। इसके अलावा एमसीएक्स पर बुधवार सुबह पांच मई 2020 की चांदी की वायदा कीमत 0.76 फीसद या 315 रुपये की बढ़त के साथ 42,027 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेंड कर रही थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ये हैं भाव

वैश्विक बाजार की बात करें, तो वहां बुधवार सुबह सोने के हाजिर और वायदा दोनों भावों में तेजी देखने को मिल रही है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, बुधवार सुबह सोने का वैश्विक हाजिर भाव 0.25 फीसद या 4.19 डॉलर की बढ़त के साथ 1,711.98 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रहा था। वहीं, वैश्विक स्तर पर सोने का वायदा भाव बुधवार सुबह कॉमेक्स पर 0.35 फीसद या 6 डॉलर की तेजी के साथ 1728.20 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रहा था। उधर चांदी के वैश्विक हाजिर भाव की बात करें, तो इसमें भी बढ़त देखी जा रही है। यह बुधवार सुबह 0.34 फीसद या 0.05 डॉलर की बढ़त के साथ 15.22 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रहा था।

आनंद महिन्द्रा का सुझाव, 49 दिनों के बाद लॉकडाउन उठा लेना चाहिए

नई दिल्ली.महिन्द्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिन्द्रा ने सरकार को सुझाव दिया है कि 49 दिनों के बाद 'व्यापक' स्तर पर लॉकडाउन उठा लेना चाहिए। महिन्द्रा ने कहा कि आगे देश के विभिन्न हिस्सों से धीरे धीरे लॉकडाउन को उठाया जाता है तो औद्योगिक गतिविधियों को चलाना मुश्किल होगा और इसकी गति धीमी हो जाएगी।

उन्होंने माना कि सरकार के लिए लॉकडाउन उठाने की योजना बनाना मुश्किल काम है। क्योंकि अर्थव्यवस्था से जुड़ी कई चीजें एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। महिन्द्रा ने कहा कि सरकार की आगे की योजना बड़े पैमाने पर संक्रमण को नियंत्रित करने और टेस्टिंग पर आधारित होनी चाहिए। केवल हॉटस्पॉट और जनता के अतिसंवेदनशील समूह को अलग रखना सही रहेगा।आनंद महिन्द्रा ने कई ट्वीट किए जिसमें उन्होंने कहा, 'रिसर्च से पता चलता है कि 49 दिन का लॉकडाउन काफी है। यदि यह सही है तो इसकी अवधि तय होनी चाहिए, मेरा मानना है कि लॉकडाउन यदि उठाया जाता है तो यह व्यापक स्तर पर होना चाहिए।' महिन्द्रा समूह के चेयरमैन ने कहा कि लॉकडाउन हटने के बाद 'नियंत्रण वाले क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर संक्रमण का पता लगाने और परीक्षण होना चाहिए, जबकि केवल हॉटस्पॉट और जनता के अतिसंवेदनशील वर्ग को ही अलग रखा जाना चाहिए।'

महिन्द्रा ने कहा कि अगर लॉकडाउन को अलग-अलग क्षेत्रों से धीरे-धीरे हटाया जाता है तो इसका मतलब होगा कि औद्योगिक गतिविधियों को चलाना काफी मुश्किल होगा। विनिर्माण कल कारखानों की बात करें तो उसमें यदि एक फीडर कारखाना भी बंद रहता है तो उत्पाद अंतिम स्वरूप नहीं ले पाएगा।

घोखे से किसी और के बैंक खाते में गलती से भेज दिया है पैसा, तो जानिए कैसे आएगा

➤ अगर अकाउंट नंबर बैंक के आंकड़ों में मौजूद हुआ तो वह पैसा उस व्यक्ति के खाते में पहुंच जाएगा जिसे आपने गलती से भेजा है। तो जानिए ऐसी सूरत में क्या करें।

नई दिल्ली.मौजूदा दौर में तकनीक ने सब कुछ बदलकर रख दिया है। तकनीक के बदौलत मुश्किल काम भी आसान हो गया है। इसने बैंकिंग सेवाओं को भी आसान किया है जिसमें मोबाइल बैंकिंग या ऑनलाइन बैंकिंग शामिल हैं। आज के समय में डिजिटल वॉलेट, NEFT/RTGS, UPI, Google Pay, भीम एप और अन्य सेवाओं के माध्यम से आसानी से पैसों का लेनदेन कर रहे हैं। ये सभी माध्यम पैसे भेजने या मंगाने का सबसे आसान तरीके हैं जिनका इस्तेमाल करोड़ों लोग कर रहे हैं। इन सुविधाओं के चलते पैसे ट्रांस्फर करना आसान हो चला है लेकिन, इसमें गलतियां भी काफी ज्यादा हो रही हैं। कभी-कभी अकाउंट नंबर टाइप करने में गलती हो जाती है और जब आप गलत बैंक खाते में पैसा भेज चुके होते हैं तब आपको इसका अहसास होता है। अगर आपने गलती से जो बैंक अकाउंट नंबर टाइप किया है वो बैंक आंकड़ों में उपलब्ध ही नहीं है तो सारा पैसा आपके बैंक अकाउंट में वापस आ जाता है। लेकिन अगर अकाउंट नंबर बैंक के आंकड़ों में मौजूद हुआ तो वह पैसा उस व्यक्ति के खाते में पहुंच जाएगा जिसे आपने गलती से भेजा है। तो जानिए ऐसी सूरत में क्या करें।

ब्रांच मैनेजर से संपर्क :ऐसे हालात में आप सबसे पहले अपने बैंक को मेल के जरिए सूचना दें या तुरंत बैंक को फोन करें। अगर किसी सूरत में आपका पैसा किसी और बैंक या शाखा में अनजान व्यक्ति के बैंक अकाउंट में पहुंच गया है तो उस सूरत में सिर्फ वही बैंक इस समस्या को सुलझा सकता है। आप सबसे पहले अपने बैंक ब्रांच को जानकारी दें। आप मैनेजर से निजी तौर पर मिलें। आपको बैंक को पैसे भेजने का दिन (तारीख), भेजने का समय, अपना अकाउंट नंबर और पैसे पाने वाले का अकाउंट नंबर सब बताना चाहिए। **शिकायत करें:** जब आप गलत बैंक खाते में पैसा भेज चुके होते हैं तो ऐसी सूरत में तुरंत उस ब्रांच में शिकायत करें जहां अनजाने में पैसे प्राप्त करने वाले व्यक्ति का अकाउंट है। कोई भी बैंक अपने ग्राहकों के खाते से पैसे तब तक नहीं निकाल सकता है जबतक कि ग्राहक की अनुमति न मिले। बैंक अपने कस्टमर्स की जानकारी साझा नहीं करते हैं। इसलिए अगर आप संबंधित बैंक या ब्रांच में शिकायत करते हैं तो ऐसी सूरत में बैंक ग्राहक की पहचान कर उसे उस पैसे को वापस लौटाने को कहेंगे जो गलती से उसके पास भेजे गए हैं।

लीगल एक्शन: कुछ परिस्थितियों में बैंक की ओर से कहे जाने पर गलती से पैसे प्राप्त करने वाला व्यक्ति पैसे लौटाने को तैयार हो जाता है। लेकिन अगर पैसा पाने वाला व्यक्ति पैसा भेजने से मना कर दे तो बैंक लीगल एक्शन लेकर अकाउंट होल्डर के खिलाफ मामला दर्ज करा सकता है। आप अपनी तरफ से भी ऐसे मामलों में लीगल एक्शन लेने का अधिकार रखते हैं। इसलिए ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो इसलिए आप थोड़ा सजग रहे तो वह ज्यादा बेहतर स्थिति होती है।

सविता नरेश खत्री ने सफाईकर्मियों का किया सम्मान

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
पार्षद सविता खत्री ने नरेला जोन एमसीडी कार्यालय में सफाई कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया और उन पर फूलों की वर्षा कर उन्हें मास्क, पंच तुलसी पैकेट भेंट किए। कार्यक्रम में उचित दूरी बनाए रखने का विशेष ध्यान रखा गया। उनके साथ सेवा भारती ने सहयोग किया। सभी सफाई कर्मचारियों का कोरोना महामारी के बीच जंग लड़ते हुए जनता की सेवा करने पर उनका धन्यवाद दिया। पार्षद सविता खत्री ने बताया कि हमारे सफाई कर्मचारी वार्ड नंबर 1 में ईमानदारी के साथ अपना कार्य कर रहे हैं कहीं से भी कोई दिक्कत नही आ रही है। 50 वर्ष से ऊपर के कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाया गया। उन्होंने कर्मचारियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के उपाय बताये और सफाई कर्मचारियों का मुंह मीठा कराया उनके साथ नरेश खत्री, सुरेश खत्री, एमसीडी का स्टॉफ व सेवा भारती के सहयोगी भी मौजूद रहे।

जहांगीरपुरी में समाज सेवी साहिल वासन ने करवाया सेनिटाईज

नई दिल्ली/तीरथ राज
लॉकडाउन में जहां एक ओर सरकार जनता की सेवा में लगी हुई है, वही कुछ समाज सेवी भी अपने समर्थ अनुसार लोगों की सहायता करने में लगे हुए है। जिससे की जनता को परेशान न होना पड़े। इसी कडी में जहांगीरपुरी के युवा समाज सेवी साहिल वासन ने बुधवार को जहांगीर पुरी के कई इलाको में सेनिटाईज करवाया और जनता को मास्क बाटते हुए उन्हें जागरूक भी किया। इस मौके उनके साथ उनकी टीम के कई लोग भी मौजूद रहे। साहिल वासन ने बताया कि हम सभी इस संकट की घडी में एक-दूसरे की मदद

करनी है। ताकि इस संकट की घडी में लोगों को परेशान न होना पडे। उन्होंने बताया कि हमारी टीम के द्वारा जहां एक ओर लोगों में खाना बांटा जा रहा है, वही दूसरी ओर उन्हें मास्क भी दिया जा रहा है और उनको कोरोना के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जिससे की हम जल्द से जल्द कोरोना पर जीत हासिल कर सके। उन्होंने लोगो से कहा कि हम जीत हासिल तभी कर पायेगें। जब हम सरकार के द्वारा दिये गये आदेशो का पालन करेगे। इसलिए हम सभी को सरकार के द्वारा दिये गये आदेशो का पालन करना है और घर से बिल्कुल भी नहीं निकलना है। उन्होंने बताया कि अगर आपको बहुत ही ज्यादा जरूरी कार्य है तभी घर से बाहर निकले अन्यथा घर में ही रहे और स्वस्थ्य रहे। उन्होंने लोगों से कहा कि संतुलित आहार ग्रहण करे और गुनगुने पानी का सेवन करे और सुबह व शाम को योग करे। जिससे की आपका शरीर स्वस्थ रहे।

निरंतर राशन वितर□ा कर रहे सुरजीत सिंह पवार

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
जहां एक और विश्वभर कोरोना वायरस जैसी भयावह बीमारी से कराह रहा हैं, वहीं भारत ने काफी हद तक इसके पैर पसरने से रोक रखा हैं। हालांकि इसमे दो राय नही हैं, इस महामारी से भारत मे आर्थिक मंदी अपनी चरम सीमा तक फैल रही हैं। लोगों के काम धंधे बंद हो गए, दिहाडी मजदूर तो दिल्ली से पलायन ही कर गए हैं।
वहीं इसी कड़ी में किराड़ी विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के वार्ड नंबर 43 से निगम पार्षद वे नेता विपक्ष सुरजीत सिंह पवार निरंतर गरीबों में सुखा राशन वितरण कर रहे हैं इसी के साथ साथ वह इलाके को लगातार सैनिटाइज करवा रहे हैं। यह काम वह खुद अपनी देखरेख में काफी दिनों से कर रहे हैं। नेता विपक्ष सूजी पवार ने कहा कि यह परिस्थिति काफी विकट है जिससे समस्त भारत पीड़ित है और लोगों के काम धंधे पूरी

तरह से चौपट हो चुके हैं और खाने के लिए भी गरीब व दिहाड़ी मजदूरों को काफी संघर्ष करना पढ़ रहा है जिसके चलते मैंने गरीब लोगों व मजदूरों को देखते हुए यह बीड़ा उठाया है। आता है मैं अन्य लोगों से भी यही प्रार्थना करूंगा कि हम सभी को ऐसे गरीब और मजदूर लोगों की सहायता करनी चाहिए जिनके पास वाकई में खाने के लिए उनका एक भी दाना नहीं है। आगे सुजीत ने बताया कि अभी फिलहाल कोरोना की दवाई नहीं बनाई जा सकी है जिसके लिए हमारे वैज्ञानिक वह डॉक्टर निरंतर खोज कर रहे हैं लेकिन तब तक हमें सरकार द्वारा दिए गए निदेर्शों का पूर्ण रूप से पालन करना चाहिए वह किसी मजबूरी में अगर घर से बाहर जाना पड़े तो मुंह पर मास्क या फिर रुमाल अवश्य लगाएं क्योंकि इस वक्त सतर्कता में ही हमारी सबकी भलाई है। वही सुरजीत ने कहा की वैसे भी भुखे का पेट भरना हमारे सनातन धर्म मे सर्वोपरि माना गया हैं और हमारी कोशिष यही रहेगी की कोई भी गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति भुखा न रहें। यदि कोई बीमार है और जरूरत मंद भी है तो मैं स्वंय उसके घर जाकर राशन वितरण कर रहा हूं।

कोरोना योद्धाओं का जोरदार तरीके से किया स्वागत

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
हमारे देश में कोरोला महामारी के चलते संपूर्ण लॉकडाउन हुए एक माह से ऊपर का समय बीत गया है हम सभी घरों में अपने परिवार जन के साथ सुरक्षित बैठे हुए हैं। क्या आपको पता है हमारी सुरक्षा के लिए अपना जीवन दाव पर लगाकर कौन हमारी सुरक्षा को सुनिश्चित कर रहा है। कोरोना योद्धा कोई और नहीं है, वह हमारे सफाई कर्मचारी, डॉक्टर, पुलिसकर्मी, शिक्षक, दमकल विभाग, पैरामेडिकल स्टाफ, सिविल डिफेंस, आदि यह लोग हमारी सुरक्षा के लिए दिन रात तैनात है। इसी बीच 9 विधानसभा

क्षेत्र स्थित उद्योग नगर कैंप नंबर 2 में सर्व समाज सेवा समिति ने कोरोना से निरंतर जंग लड़ रहे सिविल डिफेंस के जवान और सफाई कर्मचारियों का फूल माला पहनाकर जोरदार तरीके से भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष विजय पाल बडगुजर सहित कई पदाधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

नरेला विकास संगठन ने गरीबों में बांटा राशन

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
नरेला जोन के मैट्रो विहार मे सबसे ज्यादा निर्धन, असहाय, मजदूरों व दैनिक रोजी-रोटी कमाने वालो पर इस कोरोना महामारी का प्रभाव हुआ हैं। यहाँ हजारो कामगारो को एक समय का भोजन प्राप्त करना नसीब की बात है। संगठन के अध्यक्ष हेमराज बंसल ने बतया की यहाँ की समाज सेविका रुचिका के अनुरोध पर नरेला विकास संगठन ने मैट्रो विहार मे सूखा अन्न व सब्जी का वितरित किया। कोरोना महामारी के कारण नरेला जोन के निर्धन परिवारों मे आये आर्थिक व रोटी पाने के संकट मे नरेला विकास संगठन की तरफ से सहयोग व मदद की जा रही है। संगठन के द्वारा टिकरी कला, गौतम कॉलोनी, संजय कॉलोनी, स्वतंत्र

नगर, आर्य समाज रोड सहित कई इलाको राशन व खाने दिया जा रहा है। श्री बंसल ने बतया की इसके इलावा सोसियल डिस्टेंस बनाऐ रखने के लिए दुकानों को बैनर्स बाटे गये। संगठन ने कोरोना से बचाव के लिए लड़ने वालो योद्धाओ पुलिस, मीडिया वालो व आम जनता के लिए मास्क भी वितरित किये। यह संस्था हमेशा परमार्थ सेवा के लिए ही बनी है और बनी रहेगी। इसका उदेश्य यही है। इस सहयोग मे संगठन के हेमराज बंसल प्रधान, अबास अली चेयरमैन, नोतन दास अरोड़ा महासचिव, डॉ राजिंदर रथधानिया सचिव, जे पी बागेश्वर उप प्रधान, एसएन वर्मा कोषाध्यक्ष, इंद्र सिंह व अन्य पदाधिकार्यो ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

प्रवासी मजदूरों को वितरित की सुरक्षा सामग्री

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
उत्तरी दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के अध्यक्ष, जय प्रकाश और भारतीय जनता पार्टी के संगठन मंत्री सिद्धार्थन ने पदम नगर स्थित उत्कृष्ट निगम प्राथमिक विद्यालय में प्रवासी मजदूरो को भोजन के पैकेट और सुरक्षा सामग्री वितरित की। इसके साथ ही स्थायी समिति के अध्यक्ष, जय प्रकाश ने सराय रोहिल्ला थाने में पुलिसकर्मियों को सुरक्षा सामग्री वितरित की। उन्होंने कहा कि हमारे पुलिस के जवान दिन-रात नागरिकों की सेवा में निस्वार्थ भाव से लगे हुए है, ये नागरिकों को सुरक्षा के साथ-साथ हर संभव मदद पहुचा रहे है। इस अवसर पर जय प्रकाश ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण उत्पन्न इस संकट की घड़ी में हमें जरूरतमंदो को हर प्रकार की सहायता पहुचानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दौर में कई परिवारों के सामने रोजी- रोटी का संकट खड़ा हो गया है और इस संकट के दौर में हम सब को मिल कर इन की मदद करनी चाहिए।

गरीबों की सहायता के लिए सभी आये आगे: नवीन दत्त भारद्वाज

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
दिल्ली के केवल पार्क इलाके में जिला आदर्श नगर युवा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष नवीन दत भारद्वाज ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गाँधी, राहुल गाँधी के आह्वान और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार के नेतृत्व में आओ मदद का हाथ बढ़ाए और कांग्रेस फाईट अगेंस्ट कोरोना के कांग्रेस की रसोइ का आयोजन किया गया। जिसमें गरीबों में खाने का वितरण किया गया। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार के अलावा जिला अध्यक्ष हरीकिशन जिन्दल मौजूद रहे। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने पूर्व जिला अध्यक्ष नवीन दत्त भारद्वाज व उनकी टीम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मैं नवीन भारद्वाज की पूरी टीम का धन्यवाद करता हूं जो पूरी लगन के साथ इस संकट की घडी में जरूरतमंदों की सहायता करने में लगे हुए है। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष नवीन दत्त भारद्वाज ने कहा कि हमारी टीम द्वारा जहां एक ओर धीरपुर वार्ड में सेनिटाईज करवाया जा रहा है, वही लोगों में मास्क का वितरण करते हुए उन्हें जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को कोरोना वायरस से घबराने की आवश्यकता नहीं है। हम कुछ सावधानियां बरत कर इस वायरस से बच सकते है। इसलिए मेरा सभी से निवेदन है कि घर से बिल्कुल भी बाहर न निकले अगर बहुत ही जरूरी कार्य है तभी घर से बाहर निकले अन्यथा घर में ही रहे और सुरक्षित रहे। इस मौके पर कई गणमान्य लोगो भी विचार रखे।

सभी सरकार के निर्देशों का पालन करें: जगदीश मीणा

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
प्रसिद्ध लेखक एवं कवि जगदीश मीणा ने कहा कि हम सभी को गरीब व जरूरतमंद लोगों की सहायता करनी चाहिए जिससे

कि इस संकट की घड़ी में कोई भी व्यक्ति परेशान ना हो और वह भूखा न सोये। जगदीश मीणा ने कहा कि कोरोना वायरस से हमें सतर्क रहने की जरूरत है, घबराने की आवश्यकता नहीं है। हम कुछ सावधानियां बरतकर इस वायरस से बच सकते हैं इसलिए मेरी देशवासियो से अपील है कि घर में रहे और सुरक्षित रहें अगर आपको बहुत ही जरूरी काम है तभी घर से बाहर निकले अन्यथा घर से बाहर बिल्कुल भी नहीं निकले। क्योंकि जिस तरीके से देश में कोरोना वायरस के मामले बढ़ रहे हैं, यह हमारी अनदेखी का ही कारण है। अगर हम घर में रहे और बचाव रखें तो हम इस कोरोना वायरस पर जीत हासिल कर सकते हैं। इसलिए मेरा देशवासियों से निवेदन है कि घर में ही रहे, बिल्कुल भी बाहर ना निकले और पुलिस व प्रशासन द्वारा जो निर्देश दिए गए हैं ।

भलस्वा गांव ने कोरोना से बचाव के लिये बनाई

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
भलस्वा गांव के समाज सेवी सुनील यादव ने बताया कि भलस्वा गांव आरडब्ल्यूए के आहान पर गांव में एक पंचायत बुलाई गई और कोरोना से लड़ने के लिए एक समिति का गठन किया गया। सुनील यादव ने बताया कि इस समिति ने गांव के सभी रास्तों को सील किया और सिर्फ एक ही रास्ता खोला गया है। गांव की सभी दुकाने 11 बजे तक ही खुलती है। यहां पर सब्जी वाले भी सुबह 11 बजे तक ही बेच सकते है। इसके अलावा फल बेचने वालो को गांव में फल बेचने की अनुमति नहीं है। गांव के जो भी रास्ते है उन पर गांव के कुछ लोग खडे रहते है। जिससे की कोई अन्दर न आ सके। केवल एक ही रास्ते से गांव में आया जा सकता है। सुनील यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव के लोगों ने सुरक्षा संगठन बनाया है जो गांव में सुबह 11 बजे के बाद किसी को भी गांव में घुसने नहीं देता है। उन्होंने बताया कि गांव वाले भी बड़ी ही ईमानदारी से समिति के द्वारा बनाये गये नियमों का पालन कर रहे है और कोरोना से बचने के लिए आरडब्ल्यूए व गांव के सभी लोग संगठित है और नियमों का पालन कर रहे है।

बहुत जरूरी कार्य हो तभी निकले घर से बाहर: अमित गुप्ता

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
दिल्ली प्रदेश यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव एडवोकेट अमित गुप्ता ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि अगर बहुत ही आवश्यक हो तभी

घर से बाहर निकले अन्यथा घर से बिल्कुल भी बाहर न निकले। उन्होंने वजीरपुर क्षेत्र के लोगो से अपील करते हुए कहा कि अगर आप घर से बाहर जरूरी समान लेने जा रहे है तो मुंह पर मास्क लगा कर रखे। जिससे की यह वायरस न फैले और आकर अपने हाथ साबुन से अच्छी तरह से धोये और सेनिटाईज लगाये। जिससे की आप व आपका परिवार इस वायरस से बचा रहे। उन्होंने आगे बताया कि गरीब व जरूरतमंदों की सहायता करना एक पुण्य का कार्य है। इसलिए सभी को इस पुण्य के कार्य में हिस्सा लेना चाहिए और जरूरतमंद व निर्धन तबके की सहायता करनी चाहिए।
जिससे की इस संकट की घड़ी में कोई मजदूर भाई भूखा न सोये। उन्होंने आगे बताया कि हमें कोरोना वायरस से बिल्कुल भी घबराने की आवश्यकता नहीं है।

अन्य खेल समाचार

कोरोना वायरस: डाइचलैंड साईकिलिंग टूर रद्द, स्पेन में 4 मई से ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे खिलाड़ी

पेरिस मैड्रिड.कोरोना वायरस महामारी के कारण इस साल 20 से 23 अगस्त के बीच होने वाले डाइचलैंड साईकिलिंग टूर को रद्द कर दिया गया है। आयोजकों ने यह घोषणा की। कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए जर्मनी में 31 अगस्त तक सार्वजनिक आयोजनों पर रोक लगा दी गई है, जिसके बाद आयोजकों ने यह फैसला किया। रेस के निदेशक क्लाउड राच ने बयान में कहा, "हम बेहद निराशा के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि वर्तमान परिस्थितियों और जर्मन सरकार के फैसले के कारण यह साफ हो गया कि इस साल डाइचलैंड टूर नहीं हो सकता है।"अगले साल होने वाली रेस भी 2020 के ही मार्ग पर आयोजित की जाएगी। इसका मतलब है कि यह स्ट्रालसंड से शुरू होकर नुरेमबर्ग में समाप्त होगी।

स्पेन में पेशेवर खिलाड़ी चार मई से ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे

स्पेन के पेशेवर खिलाड़ी चार मई से अपनी बेसिक ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे, जिसमें ला लीगा के फुटबॉलर भी शामिल हैं। देश की सरकार ने यह घोषणा की। कोरोना वायरस महामारी के कारण स्पेन की शीर्ष फुटबॉल लीग 12 मार्च से स्थगित है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि लॉकडाउन हटाने की ओर लिए गए फैसले में यह पहला कदम होगा। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन दो महीने में चार चरण में हटाया जाएगा।

इस घोषणा से लीग के क्लब अपने टीम के सदस्यों के साथ व्यक्तिगत सत्र शुरू कर सकते हैं, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार ट्रेनिंग पर लौटने से पहले सभी खिलाड़ियों को कोविड-19 स्क्रीनिंग परीक्षण कराना होगा। साथ ही मैदान पर एक बार में केवल छह खिलाड़ी ही उतर सकते हैं। कोविड-19 के कारण देश में करीब 24,000 लोगों की मौत हो चुकी है।

कोविड-19: वैक्सीन नहीं बनी तो टोक्यो ओलंपिक का आयोजन मुश्किल

टोक्यो टोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति के अध्यक्ष ने कहा कि अगर अगले साल तक भी कोरोना वायरस महामारी पर नियंत्रण नहीं हो पाता तो फिर एक साल के लिए स्थगित किए गए टोक्यो 2020 खेलों को रद्द कर दिया जाएगा। महामारी के कारण खेलों में पहले ही एक साल की देरी हो गई है। इनका आयोजन अब 23 जुलाई 2021 से होगा, लेकिन टोक्यो 2020 के अध्यक्ष योशिरो मोरी ने कहा कि इन्हें आगे स्थगित करना संभव नहीं है।

जापान के खेल दैनिक निक्कन स्पोर्ट्स से इंटरव्यू के दौरान जब मोरी से पूछा गया कि अगर महामारी का खतरा अगले साल भी बना रहता है तो क्या खेलों को 2022 तक टाला जा सकता है, उन्होंने कहा, नहीं। अगर ऐसा होता है तो फिर इन्हें रद्द कर दिया जाएगा।

फुटबॉल दोबारा शुरू होने पर फीफा ने रखा प्रत्येक मैच 5 सब्सीट्यूशन का प्रस्तावमोरी ने कहा कि इससे पहले युद्ध के समय ही खेलों को रद्द किया गया था। उन्होंने कोरोना वायरस से लड़ाई को एक अदृश्य दुश्मन के खिलाफ जंग करार दिया। उन्होंने कहा, अगर वायरस पर नियंत्रण पा लिया जाता है तो हम अगली गर्मियों में ओलंपिक का आयोजन करेंगे इससे पहले, जापान चिकित्सा संघ (जेएमए) के प्रमुख ने आगाह किया कि अगर कोरोनावायरस के लिए प्रभावी टीका विकसित नहीं किया जाता है तो फिर खेलों का आयोजन करना बहुत मुश्किल होगा। जेएमए के अध्यक्ष योशिताके योकोकुरा ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, जब तक प्रभावी वैक्सीन नहीं मिल जाती है तब तक इनका आयोजन बेहद मुश्किल होगा।

B'day Special: वो क्रिकेटर जिसने मैदान में उल्टी करने के बावजूद टीम इंडिया को जीत दिलाई थी

➢ 29 अप्रैल 1979 को टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा का जन्म हरियाणा के जींद जिले में हुआ था, उन्होंने भारत के लिए 18 साल क्रिकेट खेला है.

नई दिल्ली. साल 2003 के क्रिकेट वर्ल्ड कप का वो मुकाबला भला कौन भूल सकता है, जब लीग मैच में भारत का सामना इंग्लैंड से हो रहा था. सुपर सिक्स में पहुंचने के लिए भारत के लिए ये मैच जीतना बेहद जरूरी था, पहले खेलते हुए भारतीय टीम 250 रन का स्कोर बना सकी थी. इंग्लैंड के लिए ये लक्ष्य उतना मुश्किल नहीं लग रहा था.ऐसे वक्त में डरबन की तेज़ पिच पर ऐसे संकटमोचन गेंदबाज़ की ज़रूरत थी जो इस लक्ष्य को बचा पाए. तब कप्तान सौरव गांगुली (Saurav Ganguly) ने आशीष नेहरा (Ashish Nehra) को ये बड़ी ज़िम्मेदारी सौंपी. उन्होंने इस मैच में वो कमाल कर दिखाया जो बेहद काबिल-ए-तारीफ था. 10 ओवर की गेंदबाजी में महज़ 23 रन दिए और 6 अंग्रेज बल्लेबाजों को आउट किया.

यह वनडे क्रिकेट करियर में नेहरा की सबसे बेहतरीन गेंदबाज़ी थी. इस मैच में नेहरा को ज्यादा थकान की वजह से मैदान में ही उल्टी आ गई थी. ऐसा लग रहा था कि वो अब इस मैच में अपना 10 ओवर का स्पेल नहीं कर पाएंगे, लेकिन वो मैदान में वापस लौटे और टीम इंडिया को जीत दिलवाकर ही दम लिया.

नेहरा ने अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर की शुरुआत साल 1999 में श्रीलंका के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज से की थी. इंटरनेशनल वनडे खेलने के लिए उन्हें करीब 2 साल का इंतज़ार करना पड़ा, उन्होंने अपना पहला वनडे मैच साल 2001 में जिम्बाब्वे के ख़िलाफ़ खेला था. इस मुकाबले में उन्होंने 2 विकेट हासिल किए थे. नेहरा ने अपने 120 वनडे मुकाबलों में 157 विकेट लिए हैं, इसके अलावा 26 इंटरनेशनल टी-20 मैचों में उनके नाम 34 विकेट दर्ज हैं. नेहरा सिर्फ़ 17 टेस्ट मैच ही खेल पाए जिसमें उन्होंने 44 विकेट लिए हैं.

नेहरा ने 1 नवंबर 2017 को अपना आख़िरी इंटरनेशनल मैच खेला था. ये ट्वेंटी-ट्वेंटी मैच न्यूजीलैंड के ख़िलाफ़ दिल्ली में हुआ था,

या ये माना जाए कि टीम इंडिया में उनकी वापसी संन्यास लेने के लिए ही हुई थी. उस आखिरी मैच में नेहरा की वापसी और फिर संन्यास का 'इत्तेफ़ाक' काफ़ी स्क्रिप्टेड लग रहा था. चाहे मामला जो भी रहा हो संन्यास के बाद नेहरा आज भी एक यादगार खिलाड़ी के रूप में हमेशा जाने जाते हैं.

7 साल की डेटिंग के बाद 7 दिन में शादी को राजी हुए थे बर्थडे ब्वॉय, जानिए नेहरा की लव स्टोरी

नई दिल्ली. भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा (Ashsih Nehra) का आज बर्थडे है. दिल्ली के ये क्रिकेटर 41 साल का हो गए हैं. नेहरा जी के नाम से मशहूर आशीष का पूरा करियर फिल्मी रहा है. मूंछे निकलने की उम्र में टेस्ट मैच खेलने का मौका, फिर वर्ल्ड कप में किसी खब्बू गेंदबाज का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन, चोट के कारण टीम से निकाले जाने पर सालों तक मैदान में वापसी के लिए जीतोड़ संघर्ष, साथी क्रिकेटर को चोट लगने पर वर्ल्ड कप टीम में मौका और फिर विश्व विजेता टीम का हिस्सा और सबसे आखिर में अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए एक ड्रीम रिटायरमेंट का आयोजन, यह सबकुछ फिल्मी नहीं था तो और क्या था. लेकिन शायद फिल्मी लगने वाली बातें ही नेहरा जी की असल जिंदगी हैं. यकीन न हो तो नेहरा की शादी का किस्सा ही जान लीजिए.

क्रिकेट के मैदान पर हुआ था एक फैन से प्यार

आशीष नेहरा ने रूश्मा से शादी की थी. दोनों की शादी प्यार करने के बाद घरवालों की रजामंदी से यानी लव-कम-अरेंज तरीके से हुई थी, लेकिन इससे पहले गुजराती बाला ने दिल्ली के इस जाट का दिल क्रिकेट के मैदान पर लूट लिया था. दरअसल रूश्मा क्रिकेट की बहुत बड़ी फैन हैं. साल 2002 में वो इंग्लैंड गई हुई थीं. उसी दौरान आशीष भी टीम इंडिया के साथ इंग्लैंड के दौरे पर थे. रूश्मा ओवल के मैदान पर भारतीय क्रिकेट टीम का मैच देखने आईं और वहीं पर आटोग्राफ देने के दौरान आशीष को भा गईं. दोनों के बीच मुलाकातों का दौर चालू हो गया.

7 साल तक करते रहे डेट, 7 दिन में की शादी की तैयारी

आशीष और रूश्मा का प्यार 7 साल तक चलता रहा. दोनों आपस में मिलते थे, क्रिकेट की और प्यार की बातें करते थे. ये वो दौर था, जब आशीष टीम इंडिया से बाहर हो गए थे, लेकिन रूश्मा ने उन्हें हिम्मत नहीं हारने दी. रूश्मा एक कोच की तरह आशीष की गेंदबाजी पर टिप्स भी देती रहती थीं. इस दौरान दोनों ने एक बार भी शादी की बात नहीं की. साल 2009 में 23 मार्च के दिन आशीष अपने कुछ जिगरी दोस्तों के साथ बैठे हुए थे. दोस्तों ने उन्हें कहा कि शादी क्यों नहीं कर रहे हो. इस पर आशीष ने कहा कि शादी तो करनी ही है. आशीष ने एक इंटरव्यू में इस किस्से को बताते हुए कहा था कि दोस्तों ने उन्हें 7 महीने में शादी करने को कहा. इस पर आशीष ने कहा कि 7 महीने में क्यों, करनी ही है तो 7 दिन में कर लेते हैं.

अप्रैल फूल ने बदलवाई शादी की तारीख

इसके बाद आशीष ने दोस्तों से कहा कि मैं 7 दिन बाद 1 अप्रैल को शादी कर लूंगा. दोस्तों के लगा कि इसमें तो बड़ी गड़बड़ हो जाएगी.

चैंपियंस लीग के मैच विदेशों में खेल सकता है PSG,फीफा चिकित्सा प्रमुख ने खेल शुरू करने को लेकर दी चेतावनी

लंदन विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था-फीफा की चिकित्सा समिति के चेयरमैन माइकल डी हूगे ने कहा है कि कोरोनावायरस महामारी के दौरान फुटबॉल नहीं खेला जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया है कि राष्ट्रीय संघों को इसके बजाय अगले सीजन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वहीं, दूसरी तरफ पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के अध्यक्ष ने कहा है कि अगर फ्रांस के कोरोना वायरस को लेकर नये दिशानिर्देशों के कारण उनकी टीम चैंपियंस लीग के मैच स्वदेश में नहीं खेल पाती है तो वह इन मैचों को विदेश में खेलने के लिए तैयार है। डी हूगे ने बीबीसी से कहा, मेरा सुझाव है कि अगर यह संभव है तो अगले कुछ सप्ताह तक प्रतिस्पर्धी फुटबॉल खेलने से बचना चाहिए। इसके बजाय अगले सीजन में अच्छी तरह से प्रतियोगिता शुरू करने की तैयारियां करनी चाहिए। डी हूगे का बयान बंदेस्लीगा लीग के उस कदम के बाद आया है, जिसमें लीग ने अगले महीने से फिर से फुटबॉल सीजन शुरू करने के संकेत दिए हैं जबकि प्रीमियर लीग बिना दर्शकों के जून में लीग को फिर से शुरू करने जा रहा है।

उन्होंने कहा, इसमें बहुत खतरा है और इसके छोटे-छोटे परिणाम है। मैं एक चिकित्सक के तौर पर बात कर रहा हूं, मुझे मैचों के आयोजक के रूप में बोलने की जरूरत नहीं है, लेकिन चिकित्सा दृष्टिकोण से मैं मैचों के आयोजन को लेकर बेहद आशंकित हूं। डी हूगे ने साथ ही कहा, हम सीधे संपर्क से कैसे बचेंगे। यह मेरा सवाल है। हमें टीका बनने तक इंतजार करना होगा। जब तक टीका तैयार नहीं हो जाता तब तक फुटबॉल खेलने से समस्याएं पैदा होंगी।

फ्रांसीसी प्रधानमंत्री एडवार्ड फिलिप ने कहा था कि सितंबर तक पेशेवर फुटबॉल की शुरुआत नहीं हो सकती, जिसके बाद पीएसजी के अध्यक्ष नासिर अल खलीफी ने यह घोषणा की। सरकार के नये दिशानिर्देशों के बाद लीग 1 सत्र के भी रद्द होने की संभावना बन गई है।

इरफान खान के निधन पर खेल जगत में भी शोक की लहर, इन दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली. मशहूर एक्टर इरफान खान (Irrfan Khan) ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है. बुधवार को मुंबई के हॉस्पिटल में उन्होंने अपनी आखिरी सांसें लीं. वो पिछले एक साल से न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर से जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे थे. इरफान खान 53 साल के थे. सबसे पहले फिल्म डायरेक्टर शूजित सरकार ने एक ट्वीट के जरिए यह जानकारी दी.

इरफान खान के इंतकाल के बाद कई सेलिब्रटीज ने उन्हें श्रद्धांजलि देनी शुरू कर दी है. खेल जगत के लोग भी इस शानदार अभिनेता को याद कर रहे हैं. सबसे पहले बात करते हैं मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की, उन्होंने अपने ट्विटर पर लिखा है, इरफान खान के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं, वो मेरे पसंदीदा कलाकारों में से एक थे और मैंने उनकी तकरीबन हर फिल्म देखी है, उनकी आखिरी फिल्म अंग्रेजी मीडियम मैंने देखी थी, उनकी एक्टिंग शानदार थी, भगवान उनकी आत्मा को शांति दे, उनके करीबियों के लिए मेरी संवेदनाएंटीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने भी इरफान खान के निधन पर दुख जताते हुए लिखा है कि, इरफान खान के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं, वो कितने शानदार अभिनेता थे और

अपने हुनर से हर किसी का दिल जीत लेते थे, भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करेंटीम इंडिया के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने ट्विटर पर लिखा है कि, इरफान खान की अचानक मृत्यु से दुखी हूं, ये इस मुश्किल वक्त में एक और त्रासदी है, भारत ने एक बेहतरीन कलाकार और हुनर को खो दिया, उनके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी संवेदनाएं.

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडक युवराज सिंह ने लिखा, मैं इस सफर को समझ सकता हूं, मैं उस दर्द से भी वाकिफ हूं, मुझे पता है कि उन्होंने आखिरी सांस तक लड़ाई लड़ी, कुछ खुशकिस्मत होतें हैं जो इससे पार पा लेते हैं, कुछ लोग इस जंग को हार जाते हैं.

AIBA ने मेजबानी पर जल्दबाजी में फैसला किया: भारतीय मुक्केबाजी महासंघ

नई दिल्ली. भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने 2021 में होने वाली पुरुष विश्व चैंपियनशिप के मेजबानी अधिकार वापस लिए जाने के बाद कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) ने जल्दबाजी में यह फैसला किया। एआईबीए ने सोमवार की रात बयान जारी करके कहा कि मेजबानी शुल्क जमा नहीं करने के कारण अब यह चैंपियनशिप भारत की बजाय सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में आयोजित की जाएगी। भारत को 2017 में इसकी मेजबानी सौंपी गई थी।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने स्वीकार किया कि विलंब हुआ है लेकिन कहा कि पैसा किस खाते में भेजना है, इसे लेकर मसले सुलझाने में एआईबीए के नाकाम रहने के कारण यह प्रक्रियागत पेचीदगियां पैदा हुई। करीब 40 लाख डॉलर का यह भुगतान पिछले साल दो दिसंबर को होना था। भारत में यह टूर्नामेंट पहली बार होने वाला था।

एआईबीए ने एक बयान में कहा, भारत मेजबान शहर अनुबंध के नियमों के तहत मेजबानी शुल्क नहीं भर सका जिससे एआईबीए ने करार तोड़ दिया। भारत को अब करार रद्द होने के कारण 500 डॉलर का जुर्माना भरना होगा। एआईबीए को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने वित्तीय कुप्रबंधन के कारण निलंबित कर रखा है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने एक बयान में कहा, लुसाने में एआईबीए के खाते बंद कर दिये गए हैं। सर्बिया में एक खाते के जरिये उसे कुछ पिछले भुगतान करने थे। सर्बिया फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ देशों) की ब्लैक लिस्ट में आता है तो भारतीय बैंक आम तौर पर वहां पैसा नहीं भेजते। एआईबीए इस मसले को सुलझा नहीं सका।"

इसमें कहा गया, "यह फैसला हमसे मशविरा किए बिना जल्दबाजी में लिया गया है। जुर्माना लगाए जाने से हम स्तब्ध हैं। हम मिलकर इसका समाधान निकालेंगे। उम्मीद है कि भविष्य में इसकी मेजबानी करेंगे।" एआईबीए के अंतरिम अध्यक्ष मोहम्मद मुस्ताहसेन ने कहा, "सर्बिया खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और प्रशंसकों के लिए हर तरह से बेहतरीन आयोजन में सक्षम है।

धोनी की वापसी को लेकर आकाश चोपड़ा ने दिया बड़ा बयान, जानिए क्या कहा

नई दिल्ली. टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मशहूर कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा (Aakash Chopra) ने पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी (MS Dhoni) पर एक बड़ी भविष्यवाणी की है. चोपड़ा की मानें तो धोनी ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल लिया है और फैन्स का धोनी को एक बार फिर से ब्लू जर्सी में देखने का सपना अब कभी पूरा नहीं हो सकेगा. चोपड़ा ने आगे कहा कि कोरोना वायरस (Coronavirus) की वजह से क्रिकेट जगत में जो हड़कंप मचा है उसकी वजह से धोनी का एक और साल बिना क्रिकेट खेले निकल जाएगा, धोनी 39 के हो जाएंगे और उनके लिए वापसी करना पहले से भी ज्यादा मुश्किल हो जाएगा. चोपड़ा ने इस बात पर भी जोर दिया कि बहुत सारे लोगों को ये गलतफहमी है कि इस साल का आईपीएल धोनी की भारतीय टीम में वापसी के लिए बहुत अहम है. चोपड़ा ने इन सारी बातों को दरकिनार करते हुए कहा कि जो लोग ऐसा सोचते हैं वो किसी गलतफहमी में जी रहे हैं क्योंकि अगर आप ऐसा सोचते हैं तो सही मायनों में आप धोनी की उपलब्धियों को शर्मिंदा कर करे हैं. इस सबके बीच चोपड़ा ने धोनी के फैंस के लिए एक उम्मीद की किरण भी जगाई जब उन्होनें कहा कि अगर भारतीय टीम मैनेजमेंट चाहेगा कि धोनी आने वाला टी20 वर्ल्ड कप खेलें तो धोनी

जरूर खेलेंगे पर ये फैसला तो विराट कोहली और रवि शास्त्री को ही लेना होगा. इन सबके अलावा धोनी की टीम इंडिया में वापसी इस बात पर भी निर्भर करेगी कि कोरोना वायरस से हमारे देश और पूरी दुनिया को कब निजात मिलेगी.चोपड़ा ने कहा, यह लोगों की गलतफहमी है कि धोनी की टीम इंडिया में वापसी उनके आईपीएल के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी. अगर हम इस तरह से धौनी जैसे खिलाड़ी और उनके करियर को देखेंगे तो अब तक जितनी उपलब्धियां उन्होनें हासिल की हैं उसके लिहाज से यह बिल्कुल ही गलत होगा. उन्होंने कहा, देखिए, अगर टीम चाहती है कि वो खेलें, तो यह सब होगा, लेकिन अगर इस साल आईपीएल नहीं होता है और टी20 वर्ल्ड कप भी स्थगित हो जाता है तो उनकी उम्र एक साल और बढ़ जाएगी और फिर वो क्रिकेट के मैदान से करीब 18 महीने तक दूर रहेंगे तो आप ऐसा सोच सकते हैं कि वो फिर वो कभी टीम इंडिया के लिए नहीं खेलेंगे.

अक्टूबर में टी20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में खेला जाना है, पर क्या कोरोना वायरस इस पर भी अपनी असर डाल देगा, जब इस सवाल का जवाब चोपड़ा से मांगा गया तो उन्होनें कहा कि मौजूदा हालात में टी20 वर्ल्ड कप का होना नामुमकिन लग रहा है क्योंकि कोई भी सरकार अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा के बारे में सबसे पहले सोचेगी. वैसे भी सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया ने ट्रैवल बैन लगा रखा है और ऐसे में टी20 वर्ल्ड कप होने के आसार न के बराबर हैं. पर इसका फायदा भारत को मिल सकता है अगर बीसीसीआई देश में आईपीएल के आयोजन के बारे में सोचे. चोपड़ा से जब ये पूछा गया कि मौजूदा हालात में आईपीएल कैसे होगा तो चोपड़ा ने कहा कि ये टूर्नामेंट स्टेडियम में बिना दर्शक के आयोजित होना चाहिए.

उन्होंने कहा, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी, हमें देखना होगा कि दुनिया में सबकुछ कैसा होगा. कोविड-19 महामारी को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है. आईपीएल जैसे टूर्नामेंट के लिए आपको खिलाड़ियों की सुरक्षा के बारे में सोचना होगा और मुझे लगता है कि टूर्नामेंट खाली स्टेडियम में कराया, बजाय इसके कि यह रद्द हो.

इरफान की आंखों पर फिदा थे टॉम

इरफान की ऐक्टिंग के कद्रदान हॉलिवुड में भी कम नहीं थे। ऑस्कर अवॉर्ड जीत चुके फेमस ऐक्टर टॉम हैंक्स भी इरफान की ऐक्टिंग, स्टाइल और पर्सनैलिटी के कायल थे। एक बार टॉम हैंक्स ने खुद यह माना था कि वह इरफान की पर्सनैलिटी से रश्क करते हैं।

एक्शन इंडिया

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ नई दिल्ली ▸ 30 अप्रैल 2020 ▸ पृष्ठ 12 ▸ आरएनआई: DELHIN / 2006 / 19302

इरफान मेरे गुरू थेः पंकज

बॉलिवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी ऐक्टर इरफान खान को अपना गुरु मानते थे। उन्होंने अपने गुरु के साथ कई तस्वीरें कैमरे में कैद की। आज जब इरफान खान नहीं रहे तो पंकज त्रिपाठी अपनी भावनाओं को व्यक्त भी नहीं कर पा रहे। उन्होंने सिर्फ इतना कहा, कई बार भावनाओं को बता पाना मुश्किल होता है।

आप जिस्म हैं, मैं रूह ... आप फानी, मैं लाफानी...

आंखों से अदाकारी में माहिर और मकबूल इरफान नहीं रहे, कैंसर और आंतों के इन्फेक्शन से जूझ रहे थे, चार दिन पहले जयपुर में मां का इंतकाल हुआ था

"हीरो तो बहुत मिल जाएंगे, लेकिन इरफान जैसा कोई नहीं मिलेगा"

मुंबई/एक्शन इंडिया ब्यूरो

मौजूदा दौर के बेहतरीन अदाकार इरफान खान अब नहीं रहे। पिछले हफ्ते वे मुंबई के अपने घर के बाथरूम में गिर गए थे। फौरन करीब के एक बड़े अस्पताल में भर्ती कराए गए। बुधवार सुबह बाद खबर आई कि अब वहां से भी चले गए हैं। कभी भी लौटकर नहीं आने के लिए। इंतकाल हो गया है उनका। उम्र महज 53 साल ही थी। चार दिन पहले की बात है, शनिवार को जयपुर में इरफान की अम्मी सईदा बेगम की मौत हुई थी। वे 95 साल की थीं। इरफान नहीं जा पाए थे। अभी के हालात में कौन घर से निकल सकता है भला! शायद इसलिए दुनिया से ही निकल गए। इरफान मूल रूप से जयपुर के ही रहने वाले थे। वे बेहद बीमार थे। सालभर पहले ही लंदन से एक साल तक इलाज कराकर लौटे थे। फिर एक फिल्म की थी, जो अभी मार्च में ही रिलीज हुई है। नाम है अंग्रेजी मीडियम। इसके ट्रेलर रिलीज से पहले इरफान ने फरवरी में यू-ट्यूब पर एक मैसेज छोड़ा था- "हैलो भाइयो-बहनो! नमस्कार! मैं इरफान। मैं आज आपके साथ हूं भी और नहीं भी। खैर, ये फिल्म मेरे लिए बेहद खास है। मेरी दिली ख्वाहिश थी कि इसे उतने ही प्यार से प्रमोट करूं, जितने प्यार से हमने इसे बनाया है। पर, मेरे शरीर के भीतर कुछ अनवॉन्टेड मेहमान बैठे हैं। उनसे वार्तालाप चल रहा है। देखते हैं ऊंट किस करवट बैठता है। जैसा भी होगा आपको इत्तिला कर दी जाएगी। अब उस ऊंट ने करवट ले ली है और ये खबर भी आ गई। दो साल पहले मार्च 2018 में इरफान को न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमर यानी एक रेयर किस्म के ब्रेन कैंसर का पता चला था। तब उन्होंने ट्वीट करके कहा था- 'जिंदगी में अचानक कुछ ऐसा हो जाता है, जो आपको आगे लेकर जाता है। मेरी जिंदगी के पिछले कुछ दिन ऐसे ही रहे हैं। मुझे न्यूरो इंडोक्राइन ट्यूमर नामक बीमारी हुई है।'

वसोर्वा स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया: मुंबई के वसोर्वा स्थित कब्रिस्तान में उन्हें दोपहर तीन बजे सुपुर्दे खाक किया गया। इस मौके पर उनके बेहद करीबी लोग ही मौजूद थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें अस्पताल से सीधा कब्रिस्तान लाया गया। इरफान खान को वसोर्वा स्थित कब्रिस्तान में दफनाया गया। इस मौके पर उनके बेहद करीबी लोग ही मौजूद थे।

इरफान ने कहा था- जिंदगी हाथ में नींबू थमाए तो शिकंजी बनाना मुश्किल हो जाता है...इरफान ने फरवरी में ऑडियो मैसेज में कहा था- "कहावत है कि व्हेन लाइफ गिव्ज यू लेमन, यू मेक ए लेमनेड। बोलने में अच्छा लगता है, लेकिन सच में जब जिंदगी आपके हाथ में नींबू थमाती है तो शिकंजी बनाना बहुत मुश्किल हो जाता है। लेकिन आपके पास और चॉइस भी क्या होती है पॉजिटिव रहने के अलावा।"

राजस्थान के रहने वाले इरफान एनएसडी के स्टूडेंट थे

इरफान के परिवार में पत्नी सुतापा देवेंद्र सिकदर और दो बेटे बाबिल और अयान हैं। इरफान खान टोंक के नवाबी खानदान से ताल्लुक रखते हैं। उनका बचपन भी टोंक में ही गुजरा। उनके माता-पिता टोंक के ही रहने वाले थे। 7 जनवरी 1967 को जन्मे इरफान का पूरा नाम साहबजादे इरफान अली खान था। वे एक्टिंग में बाय चांस आ गए। वे क्रिकेटर बनना चाहते थे। लेकिन उनके पिता चाहते थे कि वे फैमिली बिजनेस संभालें। हालांकि, इरफान को नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में जाने का मौका मिल गया और यहीं से उनका एक्टिंग करियर शुरू हुआ। छोटे पर्दे पर उनकी शुरूआत श्रीकांत और भारत एक खोज से हुई।

मकबूल, लंच बॉक्स, पीकू, पान सिंह तोमर ने उन्हें अलग पहचान दिलाई

1988 में आई मीरा नायर की फिल्म सलाम बॉम्बे से इरफान ने शुरूआत की थी। बाद में उन्होंने 'मकबूल', 'लाइफ इन अ मेट्रो', 'द लंच बॉक्स', 'पीकू', 'तलवार' और 'हिंदी मीडियम' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्हें 'हासिल' (निगेटिव रोल), 'लाइफ इन अ मेट्रो' (बेस्ट एक्टर), 'पान सिंह तोमर' (बेस्ट एक्टर क्रिटिक) और 'हिंदी मीडियम' (बेस्ट एक्टर) के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला 'पान सिंह तोमर' के लिए इरफान को नेशनल फिल्म अवॉर्ड दिया गया। कला के क्षेत्र में उन्हें देश के चौथे सबसे बड़े सम्मान पद्मश्री से भी नवाजा गया।

भावप्रवण अभिनेता इरफान खान को श्रद्धांजलि

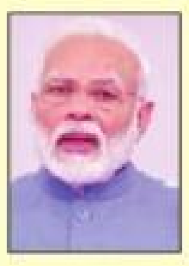

"इरफान खान के निधन से सिनेमा और थियेटर को बड़ा नुकसान हुआ है। विभिन्न माध्यमों में उन्हें उनके बेहतरीन भूमिकाओं के लिए याद किया जाएगा। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्त और प्रशंसकों के लिए है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। -प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

"फिल्म को, उनके फैंस, हम सब और खासतौर पर उनकी फैमिली को बड़ा नुकसान। मेरी संवेदनाएं परिवार के साथ। ईश्वर उन्हें शक्ति दे। भाई की आत्मा को शांति मिले। आप हमेशा याद किए जाएंगे और हमारे दिलों में रहेंगे।

सलमान खान

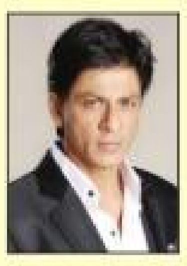

"पैमाना कहे है कोई, मैखाना कहे है दुनिया तेरी आंखों को भी, क्या क्या ना कहे है। लव यू।' मेरे दोस्त... इंस्पिरेशन और हमारे समय के सबसे बेहतरीन ऐक्टर। अल्लाह आपकी आत्मा को शांति दे इरफान भाई... हम आपको याद करेंगे और यह भी कि आप हमारे जीवन का हिस्सा थे। -शाहरूख खान

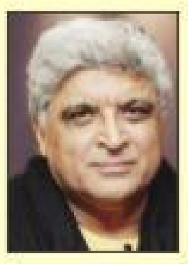

"इरफान से आखिरी बार लंदन में मुलाकात हुई थी। शेर-ओ-शायरी की बातें हुईं। उन्होंने कहा था कि जल्द लौटेंगे तो फिर इत्मीनान से बात होगी। उनकी अदायगी एक करिश्मा है। बीमारी के दौरान भी काम करते रहे, ये जज्बा था उनमें।

-जावेद अख्तर

यह तस्वीर 25 जनवरी 2016 में इरफान ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट की थी।

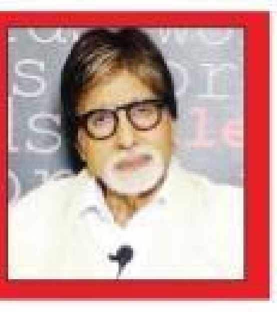

यह बेहद परेशान कर देने वाली खबर है।

अमिताभ बच्चन

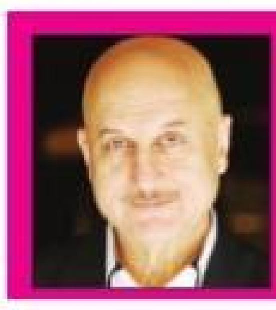

इरफान सबसे बेहतरीन एक्टरों में शामिल थे।

अनुपम खेर

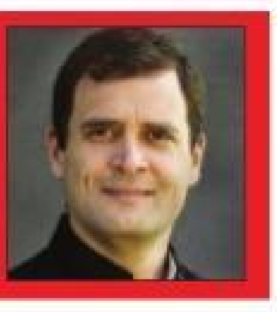

वे ग्लोबल फिल्म इंडस्ट्री में भारत के एंबेसडर थे।

राहुल गांधी

... यूं ही नहीं इरफान खान से सबको था खास लगाव

इरफान खान के गुजर जाने की खबर सभी के लिए एक शॉक बनकर आई। फैन्स से लेकर बॉलिवुड सितारे सोशल मीडिया के जरिए इस ऐक्टर को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। इरफान भले ही सुपर टैलंटिड और सफल ऐक्टर थे, लेकिन बावजूद इसके उन्हें सबसे ज्यादा प्यार उनके व्यवहार और व्यक्तित्व में समाई खूबियों के कारण मिलता था। ये ऐसी चीजें थीं जिन्हें शायद दूसरे भी अपनी जिंदगी में अपना लें, तो उसकी जिंदगी में प्यार, लगाव और सम्मान की शायद कभी कमी न हो।

डाउन टू अर्थ नेचर: इरफान खान कितने बड़े सितारे थे, इस बात को शब्दों में बयां करने की जरूरत नहीं है। चाहे फिल्म के सेट पर हों, इवेंट में हों या फैन्स के बीच हों, कहीं पर भी और कभी भी इरफान खान के स्टारी टैंट्रम नजर नहीं आए। बेबाक जुबां वाले इरफान सभी से नाप-तोलकर और तहजीब से बात किया करते थे। वह जमीन से जुड़े इंसान थे और स्टारडम हासिल करने के बाद भी ऐसे ही बनने रहे। सफलता मिलने के बाद व्यक्ति में जब अहंकार आ जाता है, तब उसके पास ऐसे लोग ही नहीं रह जाते जो सही मायने में उससे प्यार और फिक्र करते हों। ऐसे में जब व्यक्ति इमोशनल सपोर्ट की तलाश करता है, तो उसके आसपास उसे कोई नजर नहीं आता और सफलता के बावजूद वह अकेलेपन की ही जिंदगी जीता है। यही वजह है कि सफलता के बाद भी व्यक्ति को विनम्र बने रहना चाहिए।

यारों का यार: डाउन टू अर्थ नेचर के साथ ही इरफान अपने दोस्तों के साथ यारी निभाना भी बखूबी जानते थे। उन्होंने कभी भी अपने दोस्तों के सामने यह नहीं झाड़ा कि वह एक सफल अभिनेता हैं। वे सिर्फ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री ही नहीं बल्कि अपने कॉलेज के दोस्तों से भी जब भी मिलते थे, तो उनके साथ हमेशा मस्ती-मजाक करते थे। उनके कॉलेज फ्रेंड्स यह तक कहते थे कि इरफान बिल्कुल भी नहीं बदले हैं। शायद यही वजह था कि इरफान की जिंदगी में जो भी दोस्त थे वे उन पर जान छिड़कते थे। जिंदगी में सबकुछ हो और दोस्त ही न हो तो उसका क्या ही मजा है। इसलिए सभी को अपने काम के साथ ही दोस्ती के रिश्ते को भी ईमानदारी से निभाना और प्यार से सहेजकर रखना चाहिए।

काम के प्रति पैशन: ऐक्टिंग के लिए अपने पैशन को फॉलो करते हुए नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा तक चले आए। इसके बाद मुंबई में अपने ऐक्टर बनने की सपने की ओर उन्होंने दौड़ना शुरू कर दिया। मंजिल तक पहुंचने में कई रोड़े आए लेकिन उनका पैशन उन्हें सफलता दिलाता गया। ऐक्टर की पत्नी सुतापा सिकदर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि इरफान रात के तीन बजे तक स्क्रिप्ट पढ़ते रहते हैं और साथ में नोट्स बनाते हैं कि वह किस चीज को कैसे और बेहतर बना सकते हैं। इरफान का यह पैशन अगर दूसरे भी अपने काम में ले आएं तो उन्हें भी सफलता हासिल होकर ही रहेगी। और इस पैशन को सिर्फ सक्सेस पाने तक ही नहीं बल्कि उसके बाद भी जारी रखना होगा, क्योंकि तभी आप अपने उस पायदान पर बने रह सकेंगे जिस पर आप मेहनत कर पहुंचे हैं।

हिम्मत न हारना: साल 2018 में इरफान खान को न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर बीमारी हुई तो उनकी जिंदगी की गाड़ी मानो पूरी तरह से उलट गई। लगातार इलाज के दौरान कई बार ऐसे पल आए जब हर मरीज की तरह इरफान भी टूटे लेकिन उन्होंने कभी भी हिम्मत नहीं हारी। यहां तक कि वह तो सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दूसरों को भी हिम्मत देते दिखते थे।

आज अपने यार इरफान को न रोक सके तिग्मांशु

पूरी दुनिया में अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए मशहूर इरफान पिछले 2 सालों से कैंसर से जूझ रहे थे। पिछले दिनों उनकी तबीयत ज्यादा खराब होने पर उन्हें मुंबई के कोकिलाबेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था जहां बुधवार को उन्होंने आखिरी सांस ली। यूं तो इरफान के फिल्म इंडस्ट्री में बहुत दोस्त थे लेकिन उनके शुरूआती करियर से ताउम्र साथ देने वालों में शायद उनकी पत्नी सुतापा के अलावा फिल्ममेकर तिग्मांशु धूलिया का नाम ही आएगा। साल 1984 में इरफान खान ने नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में एडमिशन लिया था। इरफान के एक बैच बाद ही तिग्मांशु धूलिया भी एनएसडी पहुंच गए थे। एक इंटरव्यू में अपने दोस्त तिग्मांशु के बारे में बात करते हुए इरफान ने कहा, 'दोस्ती दुनिया का सबसे खूबसूरत रिश्ता होता है। मेरे लिए दोस्ती से महत्वपूर्ण कोई रिश्ता नहीं है। तिग्मांशु एनएसडी में मुझसे एक साल जूनियर थे, हमारा रिश्ता तभी से है और शायद मैंने उनकी रैगिंग भी ली थी।'

इरफान को मुंबई छोड़ने से रोका था तिग्मांशु ने: इरफान खान ने अपने करियर की शुरूआत टीवी से की थी। टीवी में वह कई सीरियलों में सशक्त भूमिकाएं निभाने के बाद अपने पैर जमा चुके थे लेकिन अभी तक इरफान फिल्मों में जगह नहीं बना पा रहे थे। फाइनली इरफान ने मुंबई छोड़कर जाने का फैसला कर लिया था। कहा जाता है कि तब तिग्मांशु धूलिया ने उन्हें मुंबई में रोक लिया था और कहा था कि एक दिन वह इरफान को अपनी फिल्म में जरूर कास्ट करेंगे।

तिग्मांशु की 'हासिल' ने दिलाई अच्छी पहचान: वक्त के साथ तिग्मांशु और इरफान अपने पैर बॉलिवुड में जमाने लगे। साल 2003 में तिग्मांशु धूलिया के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'हासिल' रिलीज हुई। यह फिल्म छात्र राजनीति जैसे विषय पर बनाई गई थी। फिल्म में जिमी शेरगिल, ऋषिता भट्ट, आशुतोष राणा और इरफान खान थे। 'हासिल' सिनेमाघरों में फ्लॉप हो गई लेकिन जब लोगों ने इस फिल्म को सीडी और लैपटॉप में देखा तो बार-बार देखा। फिल्म में इरफान खान का निगेटिव रोल इतना शानदार था कि वह पूरी फिल्म में छा गए। इस फिल्म के लिए इरफान को बेस्ट निगेटिव रोल का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। इसके बाद इरफान ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

यह इरफान (लाल घेरे में) के बचपन की तस्वीर है। वे अपने परिवार के साथ हैं।

यादेंः इरफान ने जयपुर के थियेटर से की थी अभिनय की शुरूआत

एक्टर इरफान खान नहीं रहे। मुंबई के कोकिलाबेन हॉस्पिटल में बुधवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। 54 साल के इरफान कैंसर और आंतों के इन्फेक्शन से जूझ रहे थे। वे आंखों से अदाकारी के लिए जाने थे। उन्होंने अपने अभिनय के करियर की शुरूआत जयपुर के रवींद्र मंच से की थी। एक इंटरव्यू में इरफान ने बताया था, 'मैं एक दिन रवींद्र मंच के ऑफिस में पहुंचा गया और वहां मौजूद लोगों से कहा कि मैं नाटक करना चाहता हूं। जवाब में उन्होंने कहा कि ये तो ऑफिस है। यहां नाटक नहीं होते। आप नाटक मंडली से मिलिए। फिर मैंने मंडली से संपर्क किया। यहीं से मेरा अभिनय का सफर शुरू हो गया।' उन्होंने बताया कि मैंने पहला नाटक 'जलते बदन' किया था।

रवींद्र मंच के ऑफिस में पहुंचकर बोले थे- मुझे एक्टिंग करनी है

पढ़ाई जयपुर में हुईः इरफान की शुरूआती पढ़ाई जयपुर में ही हुई। उन्होंने बताया था कि कुछ वक्त तो पढ़ने में मन लगा। बाद में सारा ध्यान अभिनय की तरफ हो गया।' उनके साथी और रिश्तेदार बताते हैं कि वे बचपन से काफी शर्मीले थे। लेकिन बगावती फितरत उनके अंदर हमेशा रही।

इरफान का जन्म जयपुर के एक कारोबारी पठान परिवार में हुआ था। मूलरूप से यह परिवार टोंक के पास एक गांव का रहने वाला है। जयपुर में नाटक की बारीकियां सीखने के बाद इरफान दिल्ली चले गए। दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में एक्टिंग को निखारा। इसके बाद यहां से वे मुंबई चले गए। इरफान को क्रिकेट खेलने का भी शौक था। वे जयपुर के चौगान स्टेडियम में क्रिकेट खेलने जाया करते थे। इसके चलते उनका चयन सीके नायडू ट्रॉफी के लिए भी हो गया था। इसके बावजूद उनके परिवार ने उन्हे क्रिकेट में करियर बनाने की इजाजत नहीं दी। फिर वे क्रिकेट से दूर होते चले गए और थिएटर से जुड़े।

इरफान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि पढ़ाई को लेकर उनके घर में हमेशा गंभीर माहौल रहा। जयपुर में शुरूआती पढ़ाई के लिए घर के नजदीकी सरकारी स्कूल में जाते थे, लेकिन मां चाहती थी कि वे इंग्लिश मीडियम स्कूल से बेहतरीन तालीम हासिल करें।

उन्होंने बताया कि उनका कभी इंग्लिश से करीबी रिश्ता नहीं रहा, इसलिए लैंग्वेज समझने और बोलने में दिक्कतें होती थी। स्कूल में पहली बार इंग्लिश में सभी को बात करते देखा। इंग्लिश में बात नहीं कर पाने की वजह से अक्सर स्कूल में सजा मिलती थी।